E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

सुबह 6:41 बजे
शाम 5:14 बजे

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष :11, अंक : 240 प्रयागराज,सोमवार 29 दिसम्बर 2025 पृष्ठ : 8, मूल्य : 2:00 रुपये

विन्ध्य क्षेत्र:कुलदीप सेंगर की रिहाई के खिलाफ... | विविध:एक बार हाईलाइटर लगाने से पहले... | सिनेमा:एक्टर कभी फ्लॉप नही होता सुनील दत्त...

संक्षिप्त समाचार

आईएनएस वाघशीर में सवार होकर समंदर की गहराई में पहुंचीं राष्ट्रपति मुर्मू, नौसेना की ताकत का जायजा

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कर्नाटक के कारवार नौसैनिक अड्डे पर 'कलवरी' क्लास की पनडुब्बी घ्प वाघशीर में सवार होकर समुद्र के भीतर यात्रा की। भारतीय सशस्त्र बलों की सुप्रीम कमांडर के तौर पर राष्ट्रपति ने नौसेना की ताकत और परिचालन क्षमताओं का जायजा लिया। इस विशेष यात्रा के दौरान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी भी राष्ट्रपति के साथ पनडुब्बी में मौजूद रहे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लिए किसी पनडुब्बी में यह पहली यात्रा है। वह 'कलवरी' क्लास की पनडुब्बी में सवार होने वाली देश की पहली राष्ट्रपति बन गई हैं। भारतीय इतिहास में यह केवल दूसरा अवसर है जब किसी राष्ट्रपति ने पनडुब्बी में यात्रा की है। उनसे पहले मिसाइल मैन और पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने पनडुब्बी में सफर किया था।

इटावा में युवक ने फंदा लगाकर जान दी

लखनऊ। इटावा जिले के बकेसर थाना क्षेत्र में एक युवक ने कथित तौर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि ग्राम सराय मिठ्ठे में शनिवार की रात रजनीकांत उर्फ ईलू (32) ने घर के अंदर पंखे के हुक से रस्सी के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि सुबह रजनीकांत के पिता राम प्रकाश ने उसे फांसी पर लटके देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अंदर से बंद दरवाजे को तोड़कर शव को नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पूछताछ में मृतक के पिता ने पुलिस को बताया कि रजनीकांत के दस वर्षीय बेटे अंश का जन्मदिन मनाकर रात को सभी लोग अपने-अपने कमरों में सोने चले गए थे। रजनीकांत की पत्नी उस समय मायके गई हुई थी।

पुरी में दिव्यांग महिला से बलात्कार, कड़ी कार्रवाई की मांग

ओडिशा। ओडिशा के पुरी जिले में एक दिव्यांग महिला से कथित तौर पर बलात्कार किया गया। पुलिस के मुताबिक, यह घटना शुक्रवार रात ब्रह्मगिरि पुलिस थाना क्षेत्र में हुई। दिव्यांग महिला ने शिकायत दर्ज कराई है कि अधेड़ उम्र का एक व्यक्ति उसके घर में उस समय घुसा, जब परिवार के बाकी सदस्य बाहर गए हुए थे और उसने उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस के अनुसार, घटना के सिलसिले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस ने बताया कि पीड़िता की मेडिकल जांच कराई गई है और उसके बयान दर्ज किए जा रहे हैं। बीजू जनता दल (बीजद) नेता संजय दास बर्मा ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

एंटीबायोटिक दवाओं को लेकर पीएम मोदी ने दी चेतावना अंधाधुंध इस्तेमाल को लेकर लोगों से किया ये आग्रह?

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को एंटीबायोटिक प्रतिरोध के मुद्दे को उठाते हुए लोगों से आग्रह किया कि वे डॉक्टर से परामर्श किए बिना ऐसी दवाएं न लें। मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें कहा गया है कि निमोनिया और यूटीआई जैसी कई बीमारियों के खिलाफ एंटीबायोटिक अप्रभावी साबित हो रही हैं। यह हम सभी के लिए बहुत चिंता का विषय है।

पीएम मोदी ने कहा कि रिपोर्ट के अनुसार, इसका एक बड़ा कारण लोगों द्वारा बिना सोचे-समझे एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन है। उन्होंने कहा कि एंटीबायोटिक दवाएं ऐसी दवाएं नहीं हैं, जिन्हें बिना सोचे-समझे लिया जा सके। पीएम ने आगे कहा कि इन दवाओं का उपयोग केवल डॉक्टर की सलाह पर ही

किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'आजकल लोग ये मानने लगे हैं कि बस एक गोली ले लो, हर तकलीफ दूर हो जाएगी। यही वजह है कि बीमारियां और संक्रमण इन एंटीबायोटिक दवाओं पर भारी पड़ रहे हैं।' प्रधानमंत्री ने कहा, मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि कृपया अपनी मनमर्जी से दवाओं का इस्तेमाल करने से बचें। एंटीबायोटिक दवाओं के मामले में तो इस बात का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आगे कहा कि 2025 भारत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धियों का वर्ष रहा है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक बन गया है और इसने दुनिया को दिखाया है कि देश अपनी सुरक्षा से समझौता नहीं करता है। मोदी ने अपने मासिक 'मन की बात' संबोधन में कहा कि कुछ ही दिनों में साल 2026 दस्तक देने वाला है और इस गुजरते साल में देश का प्रभाव हर जगह दिखाई दिया। प्रधानमंत्री का इस बार का 'मन की बात' कार्यक्रम 2025 का आखिरी संबोधन था। उन्होंने कहा, ''2025 ने हमें ऐसे कई पल दिए जिन पर हर भारतीय को गर्व हुआ। देश की सुरक्षा से लेकर खेल के मैदान तक, विज्ञान की प्रयोगशालाओं से लेकर दुनिया के बड़े मंचों तक। भारत ने हर जगह अपनी मजबूत छाप छोड़ी। इस साल 'ऑपरेशन सिंदूर' हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक बन गया। दुनिया ने साफ देखा आज का भारत अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करता। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान देश के कोने-कोने से मां भारती के प्रति प्रेम और समर्पण की तस्वीरें सामने आई। लोगों ने अपने-अपने तरीके से अपने भाव व्यक्त किये।''

जमुई में मालगाड़ी के आठ डिब्बे पटरी से उतरे, रेल यातायात बाधित

पटना। बिहार के जमुई जिले में एक मालगाड़ी के आठ डिब्बे पटरी से उतर जाने के कारण हावड़ा-पटना-दिल्ली रेल मार्ग पर रेल सेवाएं बाधित हो गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की अब तक कोई सूचना नहीं है। पूर्व रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटना शनिवार रात करीब 11 बजकर 25 मिनट पर पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल अंतर्गत लाहाबन और सिमुलतला रेलवे स्टेशन के बीच हुई। इसके कारण करीब 24 ट्रेन का परिचालन प्रभावित हुआ, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा।अधिकारी ने बताया कि आसनसोल, मधुपुर और झाझा स्टेशनों से दुर्घटना राहत ट्रेन घटनास्थल पर भेजी गई हैं। उन्होंने बताया कि पटरियों से क्षतिग्रस्त डिब्बों को हटाने और रेल यातायात को बहाल करने के लिए कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है।पूर्व रेलवे के अधिकारी ने बताया कि मालगाड़ी के डिब्बों के पटरी से उतरने से मार्ग अवरुद्ध होने के कारण कई एक्सप्रेस और अन्य यात्री ट्रेनों को रद्द किया गया है, जबकि कुछ ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है और कई को वैकल्पिक मार्गों से निकाला जा रहा है।उन्होंने बताया कि 12369 हावड़ा-देहरादून कुंभ एक्सप्रेस, 13105 सियालदह-बलिया एक्सप्रेस, 13030 मोकामा-हावड़ा एक्सप्रेस और कई मेमू (मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) ट्रेन रद्द कर दी गई हैं। उन्होंने बताया कि इसके अलावा कई एक्सप्रेस ट्रेनों को धनबाद-गया सहित अन्य मार्गों से निकाला जा रहा है। उन्होंने बताया कि इनमें 12305 हावड़ा-नयी दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, 22347 हावड़ा-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस, 22500 वाराणसी-देवघर वंदे भारत एक्सप्रेस, 22499 देवघर-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस और 13332 पटना-धनबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस शामिल हैं।

शशि थरूर ने किया दिग्विजय सिंह का समर्थन कांग्रेस में 'बड़े सुधारों' की वकालत की

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा आरएसएस की कार्यशैली की तारीफ करने के बाद शुरू हुआ विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। अब पार्टी के एक और दिग्गज नेता और

सांसद शशि थरूर, दिग्विजय सिंह के समर्थन में उतर आए हैं। थरूर ने न केवल सिंह का बचाव किया, बल्कि कांग्रेस में बड़े सुधारों की जरूरत पर भी जोर दिया है।

कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस के अवसर पर मीडिया से बात करते हुए शशि थरूर ने कहा कि दिग्विजय सिंह और उनके बीच बातचीत होना स्वाभाविक है क्योंकि वे अच्छे दोस्त हैं। थरूर ने सिंह की उस मांग का समर्थन किया जिसमें उन्होंने पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की बात कही थी। थरूर ने पत्रकारों से कहा, 'संगठन को मजबूत किया जाना चाहिए, इसमें कोई सवाल ही नहीं है। हमारा 140 साल का गौरवशाली इतिहास है और हम इससे बहुत कुछ सीख सकते हैं।' उन्होंने पार्टी के अंदर अनुशासन की कमी पर भी इशारा किया और कहा कि किसी भी संस्था के लिए लॉजिक और अनुशासन बेहद जरूरी है। यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर साझा की, जिसमें वे लालकृष्ण आडवाणी के पास नीचे जमीन पर बैठे हैं। सिंह ने इस पोस्ट के जरिए यह संदेश दिया था कि बीजेपी-आरएसएस में एक साधारण कार्यकर्ता भी प्रधानमंत्री के पद तक पहुंच सकता है। हालांकि, सिंह ने बाद में स्पष्ट किया कि वे आरएसएस की विचारधारा के खिलाफ हैं, लेकिन उनके इस बयान ने कांग्रेस के भीतर एक नई बहस छेड़ दी है। खड़गे, पवन खेड़ा और सुप्रिया श्रीनेत जैसे नेताओं ने सिंह के विचारों से असहमति जताई है, जबकि थरूर और सलमान खुर्शीद जैसे नेता उनके विश्लेषण को संगठन के लिए एक सीख मान रहे हैं।

दिल्ली में हवा 'बेहद खराब' न्यूनतम तापमान 6.3 डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार सुबह वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में रही और समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 392 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने यह जानकारी दी। सीपीसीबी के 'समीर' ऐप के अनुसार, शहर के 19 निगरानी केंद्रों में वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई। इनमें से आनंद विहार में वायु गुणवत्ता सबसे खराब (444) रही। शेष केंद्रों पर यह 'बहुत खराब' श्रेणी में रही। सीपीसीबी मानकों के अनुसार, एक्यूआई को शून्य से 50 के बीच 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, न्यूनतम तापमान 6.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 0.5 डिग्री कम है।

'चापलूसों की सेना' बन गई पार्टी... 'लाचार' खरगे कर रहे गांधी परिवार की सेवा, कांग्रेस को लेकर बीजेपी का बड़ा आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस के स्थापना दिवस के मौके पर बीजेपी ने विपक्षी दल पर तीखा हमला किया। सत्ताधारी दल बीजेपी ने कांग्रेस को 'चापलूसों की सेना' और भारतीय लोकतंत्र की 'सबसे कमजोर कड़ी' होने का आरोप लगाया। बीजेपी ने रविवार को कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे को कांग्रेस के स्थापना दिवस पर पार्टी की विरासत का बखान करते समय भारत के विभाजन, 1984 के सिख विरोधी दंगों और आपातकाल की घोषणा को भी शामिल करना चाहिए था।

विपक्षी पार्टी पर निशाना साधते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा, 'यह वास्तव में विडंबनापूर्ण है कि जिस पार्टी की नींव ही हिल गई है और इमारत जर्जर हालत में है, वह अपना स्थापना दिवस मना रही है। खरगे को निशाना बनाते हुए भाटिया ने उन्हें कांग्रेस का 'रिमोट से नियंत्रित' और 'लाचार ' अध्यक्ष बताया। कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर, खरगे ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस एक विचारधारा है और विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं। पार्टी के मुख्यालय इंदिरा भवन में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के महान नेताओं के कारण ही भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र बन पाया है। भाटिया ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे कांग्रेस की विरासत के बारे में बात कर रहे थे। उन्हें देश को बताना चाहिए कि जवाहरलाल नेहरू द्वारा भारत का विभाजन, पीओके (पाकिस्तान का कब्जे वाला कश्मीर), चीन को भारतीय क्षेत्र सौंपना, 1984 के सिख विरोधी दंगे और आपातकाल लागू करना कांग्रेस की विरासत और अक्षमता का परिणाम है।' भाजपा के प्रवक्ता ने कहा कि खरगे को देश को यह भी बताना चाहिए कि महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस को भंग करने का सुझाव दिया था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। भाटिया ने आरोप लगाया, 'रिमोट से नियंत्रित होने वाले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इतने लाचार हैं। वह सिर्फ नकली गांधी परिवार, सोनिया गांधी और राहुल गांधी की सेवा करते हैं।' बीजेपी के प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस भारतीय लोकतंत्र की 'सबसे कमजोर कड़ी' बन गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस 'चापलूसों की सेना' बन गई है, जो केवल गांधी परिवार की सेवा करती है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, 'रिपोर्ट से नियंत्रित होने वाले पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इतने लाचार हैं कि सब कुछ जानते हुए भी वह कांग्रेसी के वरिष्ठ नेताओं दिग्विजय सिंह और शशि थरूर द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों पर एक शब्द भी नहीं बोल पा रहे हैं। वे कह रहे हैं कि कांग्रेस की नींव हिल गई है।' भाटिया ने आरोप लगाया, 'सिंह और थरूर दोनों ने कहा है कि कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र नहीं है। मल्लिकार्जुन खरगे भी इससे अवगत हैं, लेकिन वह इतने बेबस हैं कि नकली गांधी परिवार के कांग्रेस के भीतर तानाशाही तरीके से काम करने के बारे में वह एक शब्द भी नहीं बोल सकते।

अदाणी की जीवन यात्रा मेहनती युवाओं के लिए प्रेरणा है: शरद पवार

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि उद्योगपति गौतम अदाणी की जीवन यात्रा बड़े सपने देखने वाले मेहनती युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। पवार ने पुणे जिले के बारामती में शरदचंद्र पवार कृत्रिम मेधा उत्कृष्टता केंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित किया। अदाणी समूह के अध्यक्ष द्वारा वित्त पोषित यह उत्कृष्टता केंद्र पवार परिवार द्वारा संचालित शिक्षण संस्थान विद्या प्रतिष्ठान के अंतर्गत स्थापित किया गया है। शरद पवार ने कहा कि अदाणी गुजरात के सूखा-प्रभावित बनासकांठा जिले से आते हैं। वह मुंबई आए और बिल्कुल शून्य से शुरुआत की तथा आज उनका व्यवसाय देश के 23 राज्यों में फैला हुआ है। उन्होंने कहा, ''अदाणी का यह सफर मेहनती युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो बड़े सपने देखते हैं।'' अदाणी ने शरद पवार को अपना मार्गदर्शक बताते हुए कहा कि वरिष्ठ नेता ने जमीनी हकीकत को राष्ट्रीय एजेंडे के साथ सफलतापूर्वक जोड़ा है। उन्होंने कहा, ''बारामती परिवर्तन और असीम संभावनाओं का प्रतीक है, जो उनके दूरदर्शी नेतृत्व के कारण संभव हुआ है।'' इस अवसर पर राकांपा (शप) प्रमुख शरद पवार, बारामती से सांसद सुप्रिया सुले, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार, उनकी पत्नी और राज्यसभा सदस्य सुनेत्रा पवार तथा पवार परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। राकांपा (शप) के विधायक रोहित पवार और विद्या प्रतिष्ठान के कोषाध्यक्ष युगेंद्र पवार भी कार्यक्रम में मौजूद थे। अदाणी इससे पहले पवार परिवार के गृह नगर बारामती में 2022 में गए थे जहां उन्होंने विज्ञान एवं नवोन्मेष गतिविधि केंद्र के उद्घाटन समारोह में भाग लिया था। पवार और अदाणी के बीच संबंध लगभग दो दशक पुराने हैं।

बीर बिलिंग में पैराग्लाइडिंग के दौरान दुर्घटना में पायलट की मौत

नई दिल्ली। कांगड़ा जिले में उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक 'टैंडम पैराग्लाइडर' के तकनीकी खराबी के कारण असंतुलित होकर नीचे गिर जाने से एक अनुभवी पायलट की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त बीर-बिलिंग पैराग्लाइडिंग स्थल पर हुई।दुर्घटना शुक्रवार शाम को उस समय हुई जब एक (प्रशिक्षित पायलट के साथ पैराग्लाइडिंग की सुविधा देने वाले) 'टैंडम पैराग्लाइडर' ने बिलिंग में उड़ान स्थल से उड़ान भरी थी।'बीर-बिलिंग पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन' के अधिकारियों के अनुसार, उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद पैराग्लाइडर में तकनीकी खराबी आ गई और वह हवा में संतुलन खो बैठा तथा उड़ान स्थल के नीचे सड़क के पास गिर गया।

जांच अधिकारी के खिलाफ प्राथमिकी की मांग को लेकर सीबीआई से किया संपर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ष 2017 के उन्नाव बलात्कार मामले की पीड़िता ने पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर के साथ मिलीभगत के लिए तत्कालीन जांच अधिकारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध करते हुए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से संपर्क किया है। इस मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को दोषी ठहराया गया था। पीड़िता ने यह भी दावा किया कि उसे और उसके परिवार को विभिन्न पक्षों से धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब सेंगर को दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा हाल ही में सशर्त जमानत दिए जाने और मामले में उसकी आजीवन कारावास की सजा निलंबित किए जाने के बाद कई हलकों में निराशा बढ़ गई है। हालांकि, सेंगर जेल में ही रहेगा, क्योंकि वह बलात्कार पीड़िता के पिता की हिरासत में हुई मौत मामले में 10 साल की सजा भी काट रहा है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि जांच अधिकारी ने दुर्भावना से और कपटपूर्ण तरीके से और इस तरह से जांच की, ताकि सेंगर और अन्य आरोपियों

को जानबूझकर की गई चूक और पेश किए गए तथ्यों में हेरफेर का लाभ मिल सके और एक अनुकूल परिणाम सुरक्षित हो सके।

उसने आरोप लगाया कि अधिकारी ने आरोप पत्र में जाली स्कूल दस्तावेजों का इस्तेमाल किया, जिसमें उसे एक सरकारी स्कूल की छात्रा के रूप में दिखाया गया और उसकी जन्मतिथि भी अलग दिखाई गई, जबकि वास्तव में, उसने कभी उस स्कूल में प्रवेश नहीं लिया था।

पीड़िता ने यह भी दावा किया कि अधिकारी ने आरोपपत्र में उल्लेख किया है कि वह हीरा सिंह नाम की एक महिला का मोबाइल फोन इस्तेमाल कर रही थी, जबकि उसने कभी उस फोन का इस्तेमाल नहीं किया। उसने दावा किया कि इसके अलावा, आरोप पत्र में कई बयानों को उसके हवाले से शामिल किया गया है। छह पन्नों की शिकायत में, पीड़िता ने दावा किया कि उसने पहले भी शिकायत की थी, लेकिन अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। पीड़िता 2017 में बलात्कार के समय नाबालिग थी। सेंगर को दोषी ठहराने वाली निचली अदालत के आदेश का हवाला देते हुए, जहां अदालत ने जांच अधिकारी द्वारा उसके बयान दर्ज करने पर सवाल उठाया, उसने अधिकारी पर उन्हें (सेंगर और अन्य) अभियोग से बचाने के लिए आरोपियों के साथ मिलीभगत करने का आरोप लगाया।

सीबीआई ने निचली अदालत की टिप्पणी को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। मुकदमे के दौरान, सीबीआई ने कहा था कि पीड़िता द्वारा इस्तेमाल किए गए मोबाइल फोन पर जांच अधिकारी के दावे महज राय थे, ना कि निर्णायक सबूत , और केवल उस आधार पर, ''कोई धारणा नहीं बनाई जा सकती कि अधिकारी आरोपी का पक्ष ले रहा था।

उत्तर प्रदेश का कानून-व्यवस्था मॉडल बना अन्य राज्यों के लिए मिसाल:योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि राज्य का कानून-व्यवस्था मॉडल अब अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण बन गया है और इस बात पर बल दिया कि सुरक्षा की भावना व कानून के शासन ने राज्य में निवेश तथा बुनियादी ढांचे के विकास को तेजी से आगे बढ़ाया है। पुलिस मुख्यालय में आयोजित दो दिवसीय 'पुलिस मंथन' सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमने उत्तर प्रदेश में यह दिखाया है कि (बेहतर कानून-व्यवस्था से) क्या हासिल किया जा सकता है। आज अन्य राज्यों में इसे एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। वहां का मीडिया भी कहता है कि 'यूपी मॉडल' आ गया है।' योगी आदित्यनाथ ने इस बदलाव का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित 'स्मार्ट पुलिसिंग' को दिया और कहा कि सम्मेलन के दौरान तैयार की गई रूपरेखा एक महत्वपूर्ण नीतिगत दस्तावेज के रूप में काम करेगी। एक्सप्रेसवे, हवाई संपर्क और रेल नेटवर्क का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, 'अगर सुरक्षा नहीं होती, तो बुनियादी ढांचे का विकास इस गति से संभव नहीं होता।' मुख्यमंत्री ने सम्मेलन के दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा, 'दो दिन अधिकारियों ने अपने समय और विषय का अनुशासन बनाए रखा। इसे आप ऐसे भी कह सकते हैं कि उत्तर प्रदेश पुलिस समय के प्रति प्रतिबद्ध है।' उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े आठ

वर्षों में उत्तर प्रदेश को लेकर जनता की धारणा में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा, 'आज लोग यह स्वीकार करते हैं कि प्रदेश में परिवर्तन हुआ है। सुरक्षा और कानून के शासन के कारण निवेश बढ़ा है। संवाद आधारित और जन-केंद्रित पुलिसिंग पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'मानवीय बुद्धिमत्ता हमारा सबसे बड़ा हथियार है।' उन्होंने पुलिस अधिकारियों से नागरिकों और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर संवाद और जुड़ाव बढ़ाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के दो दिवसीय सम्मेलन 'पुलिस मंथन' का उद्घाटन किया था।

इस सम्मेलन का उद्देश्य साइबर अपराध, मानव तस्करी और सोशल मीडिया से जुड़े उभरते मुद्दों जैसी प्रमुख पुलिसिंग चुनौतियों पर विचार-विमर्श करना था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सम्मेलन में 11 विषयगत सत्र आयोजित किए गए, जिनका मकसद उत्तर प्रदेश में पुलिसिंग की रणनीतिक प्राथमिकताओं और भविष्य की रूपरेखा को आकार देना था।

एक पुलिस अफसर ऐसा भीः डीएसपी/एसीपी नारायण वत्स ने दिखाई संवेदनशीलता, बुजुर्ग को भेंट की नई साइकिल

रिपोर्ट सुधांशु शर्मा

प्रयागराज। पुलिस की वर्दी सिर्फ कानून का प्रतीक नहीं, बल्कि संवेदनाओं की पहचान भी होती है– इसका जीवंत उदाहरण बने डीएसपी/एसीपी नारायण वत्स। आम लोगों से आत्मीय संबंध रखने वाले नारायण वत्स ने एक बुजुर्ग अनुयायी के प्रति ऐसी मानवीय पहल की, जो समाज के लिए मिसाल बन गई। डीएसपी नारायण वत्स के अनुसार, उनके परिचित और अनुयायी स्वामी दादा अक्सर उनका हालचाल लेते रहते हैं। खाना न खाने पर नाराज़ होना, स्वास्थ्य की चिंता करना–उनका अपनापन चर्चा का विषय है।

साइकिल चोरी की बात, दिल छू गया संवाद बीते दिन शाम के समय स्वामी दादा उनसे मिलने पहुंचे। बातचीत के दौरान दादा ने बताया कि भागवत कथा सुनने जाते समय गेंदघर से उनकी साइकिल चोरी हो गई। डीएसपी ने सहजता से पूछा– 'एफआईआर करवा दूं?' इस पर दादा मुस्कराते हुए बोले– 'जाई देवा जाय साहेब।' कागज़ी कार्रवाई से आगे बढ़ी इंसानियत डीएसपी नारायण वत्स ने बताया कि स्वामी दादा वाहन नहीं चला पाते और उनका पूरा आवागमन साइकिल से ही होता है। ऐसे में उन्होंने निर्णय लिया कि दादा को एक नई साइकिल भेंट की जाए।

उनके शब्दों में– 'थोड़ा खर्च और बदले में ढेर सारी मुस्कान और सुकून–यही सबसे अच्छा रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट है।' हरक्यूलस साइकिल पाकर खिल उठे दादा नई हरक्यूलस साइकिल पाकर स्वामी दादा के चेहरे की खुशी देखते ही बनती थी। यह दृश्य वहां मौजूद लोगों की आंखें नम कर गया। डीएसपी ने स्पष्ट किया कि चोरी गई साइकिल को लेकर पुलिस कार्रवाई जारी है, लेकिन मानवीय स्तर पर मदद करना भी उतना ही जरूरी है। पुलिसिंग का मानवीय चेहरा यह घटना साबित करती है कि जब पुलिस अफसर संवेदनशीलता और अपनत्व के साथ आगे बढ़ते हैं, तो कानून और जनता के बीच भरोसे की डोर और मजबूत होती है।

सिखों ने बांग्लादेश मे हिन्दुओ पर हिंसा की चिंता व्यक्त की

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह ने अपने सिख सहयोगियों के साथ आलोपीबाग चौराहा में बांग्लादेश मे हिन्दुओ पर हिंसा पर चिंता व्यक्त करते व सुरक्षा की मांग को लेकर आवाज बुलंद की। कि बांग्लादेश में सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की आवश्यकता पर बल दिया अल्पसंख्यकों और विशेष रूप से हिंदुओं के जान माल की रक्षा सुनिश्चित हो सके जब बांग्लादेश बना तब वहां करीब 15प्रतिशत से 16प्रतिशत हिंदु थे बांग्लादेशी मे हिन्दुओ पर हिंसा पर चिंता व्यक्ति करने वालो मे सर्वश्री परमजीत सिंह बग्गा, गुरुदीप सिंह सरना, सरदार पतविंदर सिंह, कुलदीप सिंह, परमिंदर सिंह बंटी,मनु सिंह चावला, लखविंदर सिंह,राजेंद्र सिंह ग्रोवर, जसवीर सिंह,हरजीत सिंह कथुरिया,रनदीप सिंह, त्रिलोचन सिंह, रौनक सिंह, हरमनजी सिंह सहित कई स्वयंसेवक राष्ट्रभक्ति उपस्थित रहे।

140वें स्थापना दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज का किया गया वंदन

देश की आन -वान और शान है हमारा तिरंगा-कौशलेश पाठक

शाहगंज, सोनभद्र। स्थानीय बाजार के श्री संकट मोचन तिराहे पर स्थित लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा के समक्ष देश के आन -वान-शान तिरंगा ध्वज वन्दन रविवार को कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष कौशलेश पाठक के नेतृत्व मे सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस तिरंगे की अस्मिता के लिए देश के लाखों स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी। यह सिर्फ कपड़े का झंडा ही नहीं देश की आन-वान और शान भी है। श्री पाठक ने कहा कि यह तिरंगा संवैधानिक राष्ट्रीय ध्वज के रूप में जाना और पहचाना जाता है। यहीं नहीं इस तिरंगे की छत्रछाया में भारतीय लोकतंत्र का सभी संबैधानिक ढांचा भी तैयार होता है। इसकी रक्षा और सुरक्षा हम सभी भारतीय नागरिकों का धर्म है। श्री पाठक ने आगे यह भी कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी का आज ही

141वां स्थापना दिवस भी है जो पुरे देश मे हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव देशवाशियों के हित मे कार्य करते हुए सांप्रदायिक सौहार्द एवं देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने पर बल देती है।

इस क्रम मे कॉग्रेस सेवादल शहर अध्यक्ष शैलेंद्र चतुर्वेदी ने कहा कि यह तिरंगा राष्ट्रीय ध्वज पूरे भारतीय लोकतंत्र की प्रक्रिया को सांप्रदायिक सौहार्द मजबूत करते हुए देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाने की प्रेरणा देता है। ध्वजारोहण करने के पश्चात राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान किया गया। इस मौके पर दिव्य ज्योति सच्चिदानंद, शिव पूजन विश्वकर्मा, संजय तिवारी, राहुल सिंह पटेल, सीबू पटेल, रामरुप शुक्ला, रोहित जायसवाल, एसके नागर, एनके विश्वकर्मा, जीडी कनौजिया आदि मौजूद रहे।

डीएम के निर्देशानुसार ठंड व शीतलहर के दृष्टिगत अधिकारियों ने भ्रमणशील रहकर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशानुसार जनपद की समस्त तहसीलों में अधिकारियों ने भ्रमणशील रहकर स्थाई और अस्थाई रैन बसेरों का निरीक्षण किया, साथ ही चिन्हित अलाव प्वाइंटों का भी जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने रैन बसेरों में ठहरने वाले लोगों की सुविधाओं और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) अमृता सिंह ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा जनपद में ठंड व शीतलहर के मद्देनजर व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। नगरीय क्षेत्र व जनपद की समस्त तहसीलों के अंतर्गत रैन बसेरा अलाव और कंबल वितरण की व्यवस्था की गई है। जनपद में आज अधिकारियों द्वारा

भ्रमणशील रहकर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया और संबंधित कार्मिकों को निर्देश दिए गए कि कोई भी व्यक्ति खुले स्थान पर न रहे, भ्रमणशील रहकर यह सुनिश्चित कराया जाए, यदि कही पर कोई ऐसा व्यक्ति दिखाई दे तो उसको पास के रैन बसेरा में आश्रय दिलाई जाए।इसके अतिरिक्त अलाव की व्यवस्था भी की गई है ताकि जरूरतमंद लोगों को ठंड से राहत मिल सके।कंबल वितरणः जनपद में आज विभिन्न स्थलों पर शीतलहर से बचाव हेतु जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किया गया, इसी क्रम में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल यादव ने लालगंज तहसील क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया व जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरित किए गए।

देश को नया आत्मविश्वास मिला 2025 में 'मन की बात' का ये आखिरी एपिसोड हैःडॉ धर्मवीर

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। नगर के बूथ संख्या 14 पर देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री की मन की बात भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष धर्मवीर तिवारी की नेतृत्व में सुनी गई पीएम नरेंद्र मोदी आज मन की बात कार्यक्रम में देश को संबोधित किया। मन की बात कार्यक्रम का आज 129वां एपिसोड था, जिसमें प्रधानमंत्री ने 2025 की उपलब्धियों का जिक्र किया और कहा कि इससे देश को नया आत्मविश्वास मिला। 2025 में 'मन की बात' का ये आखिरी एपिसोड है, अब हम साल 2026 में ऐसे ही उमंग और उत्साह के साथ, अपनेपन के साथ अपने 'मन की बातों' को करने के लिए 'मन की बात' के कार्यक्रम में जरूर जुड़ेंगे।

लोगों से मिलने वाले सुझाव और इस दिशा में उनके प्रयासों को देखकर ये विश्वास और मजबूत होता है और जब ये सब बातें मेरे तक पहुँचती हैं, तो 'विकसित भारत' का संकल्प जरूर सिद्ध होगा। ये विश्वास दिनों दिन मजबूत होता जाता है। साल 2026 इस संकल्प सिद्धि की यात्रा में एक अहम पड़ाव साबित हो, आपका और आपके परिवार का जीवन खुशहाल हो, इसी कामना के साथ इस एपिसोड में विदाई लेने से पहले मैं जरूर कहूँगा, 'फिट इंडिया श्दनसहू' आप को भी फिट रहना है। ठंडी का ये मौसम व्यायाम के लिए बहुत उपयुक्त होता है, व्यायाम जरूर करें। आप सभी को 2026 की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मणिपुर के चुराचांदपुर में मारग्रेट रामथरसेम जी के प्रयास ऐसे ही हैं। उन्होंने मणिपुर के पारंपरिक उत्पादों को, वहाँ के हैंडीक्राफ्ट को, बांस और लकड़ी से बनी चीजों को, एक बड़े विजन के साथ देखा और इसी विजन के कारण, वो एक हैंडीक्रफ्ट से लोगों के जीवन को बदलने का माध्यम बन गईं। आज मारग्रेट जी की यूनिट उसमें 50 से ज्यादा कलाकार काम कर रहे हैं और उन्होंने अपनी मेहनत से दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में, अपने उत्पादों का एक बाजार भी विकसित किया है। मणिपुर से ही एक और उदाहरण सेनापति जिले की रहने वाली चोखोने क्रिचेना जी का है। उनका पूरा परिवार परंपरागत खेती से जुड़ा रहा है। क्रिचेना ने इस पारंपरिक अनुभव को एक और विस्तार दिया। उन्होंने फूलों की खेती को अपना जुनून बनाया।

इन दिनों कच्छ के रण में उत्सव चल रहा है। इस साल कच्छ रणोत्सव का ये आयोजन 23 नवंबर से शुरु हुआ है, जो 20 फरवरी तक चलेगा। यहां कच्छ की लोक संस्कृति, लोक संगीत, नृत्य और हस्तशिल्प की विविधता दिखाई देती है। कच्छ के सफेद रण की भव्यता देखना अपने आप में एक सुखद अनुभव है। रात के समय जब सफेद रण के ऊपर चाँदनी फैलती है, वहां का दृश्य अपने आप में मंत्रमुग्ध कर देने वाला होता है। रण उत्सव का टेंट सिटी बहुत लोकप्रिय है। मुझे जानकारी मिली है कि पिछले एक महीने में अब तक 2 लाख से ज्यादा लोग रणोत्सव का हिस्सा बन चुके हैं और देश के कोने-कोने से आए हैं, विदेश से भी लोग आए हैं। समाज को सशक्त बनाने वाले लोगों का पीएम मोदी ने किया जिक्र

मेरे प्यारे देशवासियो, हमारी पारंपरिक कलाएं समाज को सशक्त करने के साथ ही लोगों की आर्थिक प्रगति का भी बड़ा माध्यम बन रही हैं। आंध्र प्रदेश के नारसापुरम जिले की र्पैम ष्ठि (लेस क्राफ्ट) की चर्चा अब पूरे देश में बढ़ रही है। ये लेस क्राफ्ट कई पीढ़ियों से महिलाओं के हाथों में रही है।

बहुत धैर्य और बारीकी के साथ देश की नारी-शक्ति ने इसका संरक्षण किया है। आज इस परंपरा को एक नए रंग रूप के साथ आगे ले जाया जा रहा है। आंध्र प्रदेश सरकार और नाबार्ड मिलकर कारीगरों को नए डिजाइन सिखा रहे हैं, बेहतर स्किल ट्रेनिंग दे रहे हैं और नए बाजार से जोड़ रहे हैं। नारसापुरम लेस को उघ्ढ्ढ़ भी मिला है। आज इससे 500 से ज्यादा उत्पाद बन रहे हैं और ढ़ाई-सौ से ज्यादा गांवों में करीब-करीब 1 लाख महिलाओं को इससे काम मिल रहा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप सेउत्कर्ष पांडे.संदेश पटेल .अजित पाल सिंह. .कृपा शंकर .शशिकान्त पाण्डेय. संतोष मोर्या. श्याम लाल सोनी.श्याम कुमार . सोनु बिनोद सोनी इत्यादि लोग शामिल हुए।

भरत चले चित्रकूट श्री राम को मनानेःआचार्य सूर्य लाल मिश्र

मानस पाठ के पांचवे दिन श्री राम दरबार का हुआ भव्य श्रृंगार

सोनभद्र। नगर के आर.टी.एस. क्लब मैदान में चल रहे श्री रामचरितमानस नवाह पाठ महायज्ञ के पांचवें दिन प्रभु श्री राम दरबार का भव्य श्रृंगार शिशु त्रिपाठी ने किया। इसके बाद समिति के अध्यक्ष सत्यपाल जैन एवं महामंत्री सुशील पाठक सहित मंच पर भारी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने प्रभु श्री राम दरबार की मंगला आरती की। वही पांचवें दिन पाठ करते हुए काशी से पधारे आचार्य सूर्य लाल मिश्र ने कहां कि भगवान राम के वनवास के बाद चक्रवर्ती सम्राट महाराजा दशरथ की मृत्यु के पश्चात ननिहाल से भरत एवं शत्रुघ्न को बुलवाया जाता है अयोध्या लौट कर दोनों भाई भगवान राम लक्ष्मण सीता के वनवास से अवगत होते हैं और मां कैकेई को अपशब्द कहते हुए बनवास की दोषी मंथरा को दंड देते हैं। इसके पश्चात चक्रवर्ती सम्राट महाराजा दशरथ का अंतिम संस्कार करते हैं।

इसके बाद माताओं एवं गुरु वशिष्ठ के परामर्श से भरत एवं शत्रुघ्न गुरु माताओं सहित चित्रकूट पहुंचते हैं, काफी अनुनय विनय के पश्चात जब राम अयोध्या लौटने के लिए तैयार नहीं होते हैं तो उनकी चरण पादुका लेकर भरत अयोध्या

के लिए प्रस्थान करते हैं।

वही एक दिन पूर्व आयोजित रात्रि प्रवचन में प्रसिद्ध कथावाचक हेमंत त्रिपाठी एवं वाराणसी से आए कथा व्यास विपिन बिहारी पाठक ने कहां कि कैकेई द्वारा राजा दशरथ से दो वरदान मांग कर भगवान राम को 14 वर्षों का वनवास दिला दिया गया उन्होंने कहा सुना हूं प्राण प्रिय भागव जी का। देहु एक वर भारतहि रोका। मांगहूं इसर कर जोरी। परवहु नाथ मनोरथ मोरी।

इस दोहे के अनुसार रामजी आजीवन वनवासी बन जाते हैं लेकिन शिव की कृपा से माने गए वरदान में परिवर्तन हो गया।

वहीं कथा के तीसरे सत्र में प्रसिद्ध कथावाचक प्रकाश चंद्र विद्यार्थी मानस के दोहे का वर्णन करते हुए कहा कि तापस वेष विशेष उदासी। चौदह वरिस राम वनवासी। यानी राम जी केवल 14 वर्ष के लिए ही वनवासी हो क्योंकि जिस दिन कैकई ने वरदान मांगा था उस दिन से रावण की आयु मात्र 14 वर्ष ही शेष बचा था।

आगे कहा कि जहां तहं मीर अगाधा। जिमी हरी शरण न एकउ बाधा।। बताएं कि संसार के सभी प्राणी सुख चाहते हैं लेकिन सुख मिलता कहां है। सब सुख लइई तुम्हारी सरना। तुम रक्षक काहू को डरना।। भगवान की शरण में जाने का तरीका आ जाए और उनको अपना रक्षक मान लेने से चारों तरफ सुखी हो जाता है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से एमएलसी विनीत सिंह, सदर विधायक भूपेश चौबे, इंद्रदेव सिंह, समिति के अध्यक्ष सत्यपाल जैन, महामंत्री सुशील पाठक, राहुल श्रीवास्तव, विजय जैन, शिशु त्रिपाठी, अशोक मिश्रा, विजय शंकर चतुर्वेदी, जय प्रकाश उर्फ़ चेखुर पाण्डेय, मोहन कुशवाहा, रचना तिवारी, रविन्द्र पाठक, अनूप तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नव वर्ष के प्रथम दिवस चंदापुर मंदिर में संपन्न होगा 108 बार रुद्राष्टकम का पाठ

बाबा जगमोहनेश्वर धाम, चंदापुर मंदिर रायबरेली में नववर्ष के प्रथम दिवस दिनांक 1 जनवरी 2026 को रामचरितमानस के उत्तर कांड दोहा नंबर 108 रुद्राष्टकम का पाठ 108 बार संपन्न किया जाएगा। दिनांक 1 जनवरी को पौष मास शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि है और प्रदोष तिथि है जो भगवान शिव को विशेष प्रिय तिथि है। प्रदोष तिथि पर प्रातः 9:30 बजे बाबा के दरबार में मुख्य यजमान डॉक्टर राजेश शुक्ला, उत्तम शुक्ला एवं डॉक्टर सृष्टि शुक्ला द्वारा संयुक्त रूप से पूजन अर्चन करते हुए रुद्राष्टकम का संकल्प लिया जाएगा।आचार्य पंडित नरेश चंद्र शास्त्री के द्वारा 108 बार रुद्राष्टकम का पाठ सायं काल 4:00 बजे तक संपन्न किया जाएगा त मंटू शुक्ला ने बताया कि दुर्लभ संयोग बना। नया वर्ष का शुभारंभ प्रदोष तिथि पर हो रहा है और प्रदोष बेला में शाम 4:00 से शाम 5:30 तक जनकल्याण हेतु एक सामूहिक हवन का कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा। जिसमें सभी भक्त सम्मिलित हो सकते हैं और आहुतियां डाल सकते हैं। शाम 5:30 बजे से रात्रि 7:30 बजे तक भजन संध्या का कार्यक्रम दृष्टि पांडे के द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। रात्रि 7:30 बजे बाबा की भव्य आरती होगी और महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा।

पुरातन और नूतन ही हमारी पहचान भूपेश

आधुनिक समाचार

विधायक खेल महाकुंभ 2025.26 के चौथे दिन कैनवस क्रिकेट मैच का हुआ मुकाबला सोनभद्र विधायक खेल महाकुंभ के चौथे दिन कैनवस क्रिकेट मैच का शानदार मुकाबला छह टीमों के बीच हुआ। कुछ पुरातन खेल भी आयोजित किए गए जो लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे इस मौके पर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि पुरातन और नूतन ही हमारी पहचान है पुरातन और नूतन जब मिलते हैं तो एक नयासृजन होता है। इसलिए युवाओं को यह जरूर ध्यान देना चाहिए की कभी भी पुरातन की उपेक्षा नहीं होनीचाहिएपहला मुकाबला संत जोसेफ कान्वेंट स्कूल व प्रकाश जीनियस स्कूल के बीच हुआ। इस मैच का टॉस पूर्व सांसद नरेंद्र कुशवाहा के द्वारा कराकर मैच का शुभारंभ किया गया ,प्रकाश जीनियस की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने निर्धारित 10 ओवर में चार विकेट खोकर शानदार प्रदर्शन करते हुए 154 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया, प्रकाश जीनियस की तरफ से हेमंत ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 4 चौके व 6 छक्के की मदद से 30 बाल पे 73 रन की शानदार पारी खेली जवाब में निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी संत जोसेफ कान्वेंट स्कूल की टीम 8 वे ओवर में 100 रनों पर सिमट गई ,संत जोसेफ कान्वेंट स्कूल के टीम की तरफ कुशाग्र ने शानदार 40 रन बनाए ,इसी तरह से प्रकाश जीनियस स्कूल की टीम 54 रन से विजई रही। दूसरा कैनवास क्रिकेट मैच खलियारी और चतरा के बीच पूर्व नगर पालिका परिषद सोनभद्र के अध्यक्ष विजय जैन व प्रतिष्ठित व्यवसाई कृष्णानंद गुप्ता ने टास कराकर शुभारंभ किया खलियारी की टीम टॉस जीतकर चतरा की टीम को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया चतरा की टीम अपने निर्धारित 10 ओवर में 64 रनों पर सिमट गई जवाब में निर्धारित लक्ष्य का पीछा करते हुए,46 रन पर ही खलियारी की टीम सिमट गई इस तरह से चतरा की टीम यह मुकाबला 18 रन से जीत हासिल की। तीसरा मैच रजधन और मारकुंडी के बीच खेला गया जिसमें रजधन की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 8 ओवर में 74 रन पर आउट हो गई जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी मारकुंडी की टीम 69 रन पर सिमट गई इसी तरह से रजधन की टीम इस मुकाबले को 5 रन से जीत कर आगामी के मैचों में अपनी जगह पक्की कर ली हैं।मैच के समापन में डा0 एच पी सिंह व वरिष्ठ क्रिकेटर संतोष सिंह के द्वारा प्रशस्ति पत्र दिया गया। खेल के चौथे दिन जनपद के तमाम खेल प्रेमी व संभ्रांत जन खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए खेल मैदान पर देर शाम तक डटे रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत पगिया वि.ख.करमा सोनभद्र

पत्रांक / सा0 आ0 2025-2026 दिनाकः

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की ग्राम पंचायत पगिया विकास खंड करमा सोनभद्र विगत वर्ष के अधूरे कार्य एम वितीय वर्ष 2025-2026 हेतु मरेगा/राज्य वित्त आयोग/पन्द्रहवां-सोलहवा वित्त आयोग/ एम0वि0एम/आर0जी0एस0ए0 अत्येष्टि स्थल एवं अन्य शासकी योजना के अंतर्गत कराये जाने वाले निर्माण कार्य हेतु सामग्री की आपूर्ति की जानी है जिसके लिए निस्रवत निविदा प्रकाशित की जा रही है।

1	कार्य की अनुमति लागत	विभिन कार्यों के लिए जी0 एस0टी0व अन्य कर सहित आगणन के अनुसार निर्धारित परियोजना लागत
2	आपूर्ति की अवधि	वितीय वर्ष 2025 2026
3	निविदा प्रपत्र का मूल्य	500 रु नगद
4	निविदा फार्म विक्री व जमा करने की तिथि	दिनाक-29/12/2005 से 05-01-2026को दो-2बजे तक
5	निविदा फार्म बिक्री जमा करने का स्थान	ग्राम पंचायत कार्यालय
6	निविदा खोले जाने की तिथि व स्थान	दिनाक-06/1/25 को 12 बजे ग्रा.पं.कार्यालय
7	जमानत हेतु धरोहर की धनराशी	रु0 का किसी राष्टिक्रिति बैंक से एफ0डी0आर0 विक ड्रॉफ्ट ग्राम पंचायत के बंधक कर मूल पति जमा करना अनिवार्य है

नोट - निविदा की शर्त निविदा फार्म के साथ संलग्न है एवं ग्राम पंचायत कार्यालय पर चस्पा/उपलब्ध है जिसे ग्राम प्रधान / सचिव से प्राप्त कर सकते है।

प्रधान नागेन्द्र सिंह
ग्राम पंचायत पगिया
करमा सोनभद्र

सचिव
ग्राम पंचायत पगिया
करमा सोनभद्र

ब्यौहारी पुलिस ने चोरी के लोहे के कबाड़ के अवैध परिवहन पर बड़ी कार्रवाई की चोरी का 44 क्विंटल लोहे का कबाड़ सहित ट्रक जब्त

ब्यौहारी से दुर्गेश कुमार गुप्ता

ब्यौहारी पुलिस ने ने चोरी के लोहे के कबाड़ के अवैध परिवहन पर बड़ी कार्रवाई करते हुए रीवा-शहडोल मुख्य मार्ग पर एक ट्रक को जब्त किया है। कार्रवाई में करीब 44 क्विंटल लोहे का कबाड़ बरामद किया गया, जिसे बिना किसी वैध दस्तावेज के परिवहन किया जा रहा था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 24 दिसंबर 2025 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि मोहम्मद सरीफ, निवासी वार्ड क्रमांक 02 मुंदरिया, ब्यौहारी द्वारा एक ट्रक में चोरी का लोहे का कबाड़ ले जाया जा रहा है। सूचना की तस्दीक हेतु प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक ऋषभ छारी, नरेन्द्र उपाध्याय एवं सुखेन्द्र त्रिपाठी के साथ ब्यौहारी थाना के सामने रीवा-शहडोल रोड पर ट्रक को रोका गया। जांच के दौरान ट्रक में भारी मात्रा में लोहे का कबाड़ लोड पाया गया। ट्रक चालक ने अपना नाम राजेश माली (43 वर्ष), निवासी ग्राम बोरदामांड़ा, थाना कयथा, जिला उज्जैन बताया। वहीं कबाड़ का मालिक मोहम्मद सरीफ (65 वर्ष), निवासी मुंदरिया, ब्यौहारी होना बताया गया। पूछताछ के दौरान दोनों

ही आरोपी ट्रक व लोड माल से संबंधित टीपी, बिल्टी, खरीदी रसीद अथवा नहीं कर सके। अन्य कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत वाहन की चेसिस सहित अन्य कबाड़ मिला इसके बाद ट्रक को थाना परिसर में सुरक्षित खड़ा कराया गया। 25 दिसंबर 2025 को गोपाल धर्मकांटा पर ट्रक का वजन कराया गया, जिसमें कुल वजन 14,215 किलोग्राम पाया गया। इसमें ट्रक का वजन 9,790 किलोग्राम तथा लोहे के कबाड़ का वजन 4,425 किलोग्राम दर्ज किया गया। बरामद कबाड़ में मोटी लोहे की पाइप, सेंटिंग प्लेट, मोटर साइकिल का चेसिस, ट्रॉली जैक, हैंडपंप की सरिया, चारपहिया वाहन के पार्ट्स, सरिया, लोहे के टुकड़े, प्लेट,चैन, नट-बोल्ट सहित अन्य सामान शामिल है। जरूरी दस्तावेज नहीं होना किया गया दर्ज बताया जाता है कि वैध दस्तावेज प्रस्तुत न कर पाने पर आरोपियों को बी.एन.एस.एस. के तहत नोटिस दिया गया, जिसमें दस्तावेज न होना दर्ज किया गया। पुलिस ने 25 दिसंबर 2025 को ट्रक सहित लोहे का कबाड़ विधिवत जप्त कर लिया। आरोपी मोहम्मद सरीफ एवं ट्रक चालक राजेश माली के विरुद्ध प्रथम दृष्टया बी.एन.एस. की धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। इस पूरी कार्रवाई में प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक ऋषभ छारी, थाना प्रभारी ब्यौहारी के नेतृत्व में नरेन्द्र उपाध्याय एवं सुखेन्द्र त्रिपाठी की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस की इस कार्रवाई से कबाड़ माफिया में हड़कंप मच गया है।

श्रद्धेय हरि प्रसाद उर्फ घमड़ी सिंह खरवार की 18वीं पुण्यतिथि मनाई जाएगी

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। आदिवासी जन पावर के तत्वाधान में श्रद्धेय हरि प्रसाद उर्फ घमड़ी सिंह खरवार पूर्व विधायक सदर राबर्ट्सगंज की 18वीं पुण्यतिथि 2 जनवरी 2026 को मनाई जाएगी। कार्यक्रम लोढ़ी पालीटेक्निक रोड आदिवासी आवास के पास आयोजित किया जाएगा। मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद छोटेलाल खरवार होंगे।

आदिवासी जन पावर के जिला अध्यक्ष शिव नारायण खरवार ने बताया कि कार्यक्रम में जिले के सभी समुदाय के लोगों की सहभागिता से सफल बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्रद्धेय हरि प्रसाद उर्फ घमड़ी सिंह खरवार एक महान नेता थे और उनकी पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में उनकी याद में श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आदिवासी जन पावर के कार्यकर्ता और पदाधिकारी जुट गए हैं।

राष्ट्र के सर्वांगीण उन्नति के लिए कार्य कर रहा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ-हर्ष अग्रवाल

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। जनपद में आज के हिंदू सम्मेलन क्रमशः विकासखंड छपका के सलखन न्याय पंचायत का रामलीला मैदान सलखन के प्रांगण में, विकासखंड घोरावल के डोमखरी न्याय पंचायत का डिबर में, विकासखंड करमा के सरंगा न्याय पंचायत का श्री राम पैलेस करमा में,नगर सोनभद्र के हनुमान बस्ती का अकड़हवा तालाब के पास में श्रीमती गुंजन नंदा, नंदलाल, बृजेश, हर्ष अग्रवाल के मुख्यातिथ्य में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता क्रमशः जगदीश शुक्ला, विपिन तिवारी, श्रीमती मीनू चौबे, पवन कुमार मिश्रा ने किया। हर्ष अग्रवाल ने हिन्दू सम्मेलन को सम्बोधित करते हुये कहा हां यह सत्य है कि हम कभी विस्तारवादी नहीं रहे किंतु आज वह समय आ गया है कि हमें विस्तारवादी भी होना होगा और ईंट का जवाब पत्थर से देते हुए हमारी संस्कृति पर बुरी नजर डालने वालों को सबक सिखाना होगा। समाज में बढ़ रही सामाजिक कुरीतियों पर भी उन्होंने गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं और समाज को नशे की लत से दूर रहने और इसका पूर्ण रूप से त्याग करने का आह्वान किया। साथ ही, बच्चों पर मोबाइल और डिजिटल उपकरणों के बढ़ते

दुष्प्रभावों को लेकर भी लोगों को जागरूक किया और अभिभावकों से बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने हिन्दू समाज को एकजुट रहने, अपनी संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि भारत एक हिन्दू राष्ट्र है और सदैव रहेगा। उन्होंने हिन्दू समाज से अपने सनातन धर्म के गौरव को पहचानने और उस पर गर्व करने का आह्वान किया।

आज के कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण का केंद्र सलाकन में आयोजित मातृशक्ति आधारित हिंदू सम्मेलन इस कार्यक्रम में मंच से लेकर श्रोता तक मातृशक्ति रही मातृशक्ति को संबोधित करते हुए श्रीमती गुंजन नंदा ने कहा कि राष्ट्र और समाज के लिए सदैव सर्वस्व न्योछावर कर देने वाली मातृशक्ति वंदनीय रही है और रहेगी।कार्यक्रम में जिला संयोजक आलोक कुमार चतुर्वेदी,सह संयोजक राजीव मिश्रा, खण्ड संयोजक सतेन्द्र, राहुल, संकल्प, मीनू चौबे, संजय केशरी, संगीता, देवंती, सुनीता, किरण, सुमन, चांदनी, गीता, रानी,मीना, लक्ष्मण, पिंकी, नीलम,सूरज तिवारी, कामेश सिंह, भूपेंद्र सिंह, ब्रह्मानंद तिवारी, गोपाल सिंह वैद्य, विशाल सिंह ,राज कुमार , वी रामदुलारे शुक्ल, विजयनाथ शुक्ल, रामपति पटेल , शिवकुमार, रमेश चौहान, बालेंद्र सिंह,विपिन तिवारी क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा आदि लोग उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन जिला संयोजक आलोक कुमार चतुर्वेदी ने किया।

जन्म शताब्दी समारोह पर अटल स्मृति विधानसभा सम्मेलन राबर्ट्सगंज का हुआ आयोजन

आधुनिक समाचार

भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र द्वारा विधानसभा राबर्ट्सगंज की विधानसभा सम्मेलन विवेकानन्द प्रेक्षागृह में सम्पन्न हुआ। बैठक मे बतौर मुख्यअतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष मिर्जापुर मनोज जायसवाल जी मौजूद रहे। बैठक का शुभारंम्भ श्रद्धेय प0 अटल बिहारी वाजपेई जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। सम्मेलन की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल व संचालन जिला उपाध्यक्ष अशोक मौर्या व यादवेंद्र दत्त द्विवेदी ने किया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि मनोज जायसवाल ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय पं. अटल बिहारी जी के जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर कहा कि विराट व्यक्तित्व और मर्म को महसूस कर नाप-तौल कर शब्द रखने वाले वाक पटु हमारे परम स्नेही हमारे गौरव के प्रतीक पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी बाजपेयी जी को हम सभी भारत वासियों की ओर से उनके जन्म शताब्दी पर श्रद्धा सुमन समर्पित करते हैं। 1999 का कारगिल युद्ध इस दृष्टि का ऐतिहासिक साक्ष्य बनकर सामने आया। हिमालय की बर्फीली चोटियों पर जब भारतीय सैनिकों ने अद्वितीय साहस का परिचय दिया, तब पूरा राष्ट्र उनके साथ खड़ा दिखाई दिया। युद्ध के दौरान और उसके पश्चात वाजपेयी सरकार ने जिस प्रकार शहीदों को सार्वजनिक सम्मान प्रदान किया।

वर्ष 2000 के आसपास शहीदों और सैनिकों के कल्याण से जुड़ी नीतियों में एक अधिक संगठित और दीर्घ कालीन दृष्टि दिखाई देने लगी। इसी कालखंड में सैनिकों के परिजनों के लिए पेट्रोल पंप और एलपीजी गैस एजेंसी जैसी व्यवस्थाओं को विशेष महत्व मिला। सम्मेलन को संबोधित करते हुए सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि भाजपा अपने सिद्धांतों पर चलने वाली पार्टी है। इन सिद्धांतों के निर्माण एवं पोषण में डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं अटल बिहारी वाजपेयी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। समय के साथ पार्टी में नए कार्यकर्ता जुड़ते रहते हैं। सभी कार्यकर्ताओं को वाजपेयी के जीवन व उनके विचार के बारे में जानकारी देकर संगठनात्मक चरित्र निर्मित करने के उद्देश्य से अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन कि अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में श्रद्धेय अटल जी ने सुशासन, राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थिक सुदृढ़ता तथा भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाया। पोखरण परीक्षण से लेकर ग्राम सड़क योजना तक उनके निर्णयों ने आत्मनिर्भर और सशक्त भारत की नींव रखी। उनकी वाणी में कविता थी और कर्म में राष्ट्र। उन्होंने सेवा के लिए सत्ता का मंत्र राष्ट्र को दिया। इस मौके पर प्रदेश कार्य समिति सदस्य रामलखन सिंह नागेश्वर पांडे, पूर्व जिला अध्यक्ष अजीत चौबे, नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद, नगवा ब्लॉक प्रमुख आलोक सिंह, ब्लाक प्रमुख अजीत रावत, जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश दुबे, उदयनाथ मौर्य, कुसुम शर्मा, ओम प्रकाश यादव, संतोष शुक्ला, अनूप तिवारी, बृजेश श्रीवास्तव, विनय श्रीवास्तव, योगेंद्र बिन्द, दिलिप चौबे, लक्षन खरवार, रामलाल चेरो, दीपक दुबे, पुष्पा सिंह, रजनीश रघुवंशी, अनुपम तिवारी, अजय पांडेय, आलोक रावत, धनंजय पंडित, बलराम सोनी, सुनिल सिंह, अनिल सिंह, विनय श्रीवास्वत सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समग्र मानवाधिकार एसोसिएशन में मची खलबलीः नगर उपाध्यक्ष राजू अग्रहरी ने पद और संगठन से नाता तोड़ा

आधुनिक समाचार

राबर्ट्सगंज, सोनभद्र। समग्र मानवाधिकार एसोसिएशन के पूर्व नगर उपाध्यक्ष राजू अग्रहरी ने संगठन की कार्यप्रणाली और नीतियों से क्षुब्ध होकर अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राजू अग्रहरी ने प्रेस को जारी बयान में बताया कि उन्होंने बीते 26 दिसंबर को ही अपना इस्तीफा संगठन के आला पदाधिकारियों को सौंप दिया था।

इस्तीफे के बाद की औपचारिकताओं को पूरा करते हुए आज उन्होंने अपना आधिकारिक पहचान पत्र (ƐƐ-ई) जिला कोषाध्यक्ष ईश्वर चंद्र के पुत्र को सुपुर्द कर दिया। राजू अग्रहरी का कहना है कि वे संगठन के भीतर चल रही गतिविधियों और कार्यशैली से काफी समय से परेशान और दुखी थे, जिसके चलते उन्होंने यह कड़ा कदम उठाया है। उनके इस फैसले से स्थानीय स्तर पर संगठन की कार्यशैली पर गंभीर सवालिया निशान खड़े हो गए हैं।

बिना नंबर के ट्रैक्टर-ट्रॉली बेलगाम, आरटीआई से खुली विभाग की पोल

झाँसी। जनपद में प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में ट्रैक्टर ट्राली बिना नंबर के अवैध रूप से बालू, गिट्टी, सरिया, गुम्मा आदि का परिवहन करते हुए दिखाई देते हैं। आश्चर्य की बात यह है कि यह सभी वाहन बिना नंबर प्लेट के सड़कों पर दौड़ रहे हैं जिससे कई बार इनके द्वारा दुर्घटनाओं के बाद उनकी पहचान कर पाना मुश्किल हो जाता है। आमतौर पर यातायात पुलिस जनपद के बाहर की गाड़ियां देखकर तुरंत उन्हें साइड लगवा देते हैं और चालान के नाम पर कई बार वसूली भी हो जाती है लेकिन जब भी बिना नंबर के ट्रैक्टर ट्राली दिखाई देती हैं तब यातायातकर्मी उनकी अनदेखी कर देते हैं।सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत प्राप्त दस्तावेजों ने झांसी में परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरटीआई के जवाब में जो तथ्य सामने आए हैं, वे यह दर्शाते हैं कि जिले में बिना रजिस्ट्रेशन नंबर के ट्रैक्टर-ट्रॉली खुलेआम सड़कों पर दौड़ रही हैं, लेकिन उनके खिलाफ कार्रवाई नाममात्र की ही की जा रही है।

आरटीआई में मांगी गई जानकारी के अनुसार जनवरी 2024 से नवंबर 2025 के बीच परिवहन विभाग ने बिना नंबर के केवल 28 ट्रैक्टर-ट्रॉली पर ही चालान/निरोध की कार्रवाई की,

जबकि इसी अवधि में 380 ट्रैक्टर-ट्रॉली वाहनों पर सामान्य कार्रवाई दर्शाई गई है। सवाल यह है कि जब जिले में अवैध खनन, बालू, गिट्टी और ईंटों का परिवहन बड़े पैमाने पर हो रहा है, तो बिना नंबर वाहनों की संख्या इतनी कम कैसे हो सकती है।सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह है कि अवैध बालू, गिट्टी और ईंट परिवहन रोकने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली के संबंध में कोई विशेष अभियानात्मक निर्देश ही परिवहन विभाग को प्राप्त नहीं हुए। यानी अवैध परिवहन पर लगाम लगाने के लिए विभाग के पास कोई ठोस योजना या निर्देश मौजूद ही नहीं हैं।आरटीआई के जवाब में यह भी स्पष्ट हुआ कि इस गंभीर मुद्दे पर खनन विभाग या पुलिस विभाग को कोई सूचना या पत्राचार नहीं किया गया, जिसे जवाब में सीधे-सीधे 'शून्य' दर्शाया गया है। इससे विभागों के बीच समन्वय की पूरी तरह कमी उजागर होती है। जानकारों का कहना है कि बिना नंबर के ट्रैक्टर-ट्रॉली न केवल राजस्व को नुकसान पहुंचा रही हैं, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं, ओवरलोडिंग और अवैध खनन को भी खुला संरक्षण दे रही हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों की निष्क्रियता यह संकेत देती है कि या तो जमीनी हकीकत से आंखें मूंदी जा रही हैं, या फिर सब कुछ जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है।आटीआई से सामने आए ये तथ्य प्रशासन और परिवहन विभाग के दावों की हकीकत उजागर करते हैं।

यातायात माह के समय बिना हेलमेट लगाए दोपहिया वाहन और कार चालकों के बड़ी संख्या में चालान किए जाते हैं लेकिन अगर बात ट्रैक्टर ट्राली की हो तो प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं करता। अब देखना यह है कि इस खुलासे के बाद जिला प्रशासन और शासन स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई होती है या यह मामला भी दबकर रह जाएगा।

भरत चले चित्रकूट श्री राम को मनाने,श्रद्धालुओं ने की श्री राम दरबार की मंगला आरती

मानस पाठ के पांचवे दिन श्री राम दरबार का हुआ भव्य श्रृंगार - श्रद्धालुओं ने की श्री राम दरबार की मंगला आरती

सोनभद्र। नगर के आर.टी.एस. क्लब मैदान में चल रहे श्री रामचरितमानस नवाह पाठ महायज्ञ के पांचवें दिन प्रभु श्री राम दरबार का भव्य श्रृंगार शिशु त्रिपाठी ने किया। इसके बाद समिति के अध्यक्ष सत्यपाल जैन एवं महामंत्री सुशील पाठक सहित मंच पर भारी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने प्रभु श्री राम दरबार की मंगला आरती की।

वही पांचवें दिन पाठ करते हुए काशी से पधारे आचार्य सूर्य लाल मिश्र जी ने कहां कि भगवान राम के वनवास के बाद चक्रवर्ती सम्राट महाराजा दशरथ की मृत्यु के पश्चात ननिहाल से भरत एवं शत्रुघ्न को बुलवाया जाता है अयोध्या लौट कर दोनों भाई भगवान राम लक्ष्मण सीता के वनवास से अवगत होते हैं और मां कैकेई को अपशब्द कहते हुए बनवास की दोषी मंथरा को दंड देते हैं। इसके पश्चात चक्रवर्ती सम्राट महाराजा दशरथ का अंतिम संस्कार करते हैं।

इसके बाद माताओं एवं गुरु वशिष्ठ के परामर्श से भरत एवं शत्रुघ्न गुरु माताओं सहित चित्रकूट पहुंचते हैं, काफी अनुनय विनय के पश्चात जब राम अयोध्या लौटने के लिए तैयार नहीं होते हैं तो उनकी चरण पादुका लेकर भरत अयोध्या के लिए प्रस्थान करते हैं।

वही एक दिन पूर्व आयोजित रात्रि प्रवचन में प्रसिद्ध कथावाचक हेमंत त्रिपाठी एवं वाराणसी से आए कथा व्यास विपिन बिहारी पाठक ने कहां कि कैकेई द्वारा राजा दशरथ से दो वरदान मांग कर भगवान राम को 14 वर्षों का वनवास दिला दिया गया उन्होंने कहा सुना हूं प्राण प्रिय भागव जी का। देहु एक वर भारतहि रोका। मांगहूं इसर कर जोरी। परवहु नाथ मनोरथ मोरी।इस दोहे के अनुसार रामजी आजीवन वनवासी बन जाते हैं लेकिन शिव की कृपा से माने गए वरदान में परिवर्तन हो गया।

वहीं कथा के तीसरे सत्र में प्रसिद्ध कथावाचक प्रकाश चंद्र विद्यार्थी मानस के दोहे का वर्णन करते हुए कहा कि तापस वेष विशेष उदासी। चौदह वरिस राम वनवासी। यानी राम जी केवल 14 वर्ष के लिए ही वनवासी हो क्योंकि जिस दिन कैकई ने वरदान मांगा था उस दिन से रावण की आयु मात्र 14 वर्ष ही शेष बचा था। आगे कहा कि जहां तहं मीर अगाधा। जिमी हरी शरण न एकउ बाधा।। बताएं कि संसार के सभी प्राणी सुख चाहते हैं लेकिन सुख मिलता कहां है। सब सुख लइई तुम्हारी सरना। तुम रक्षक काहू को डरना।। भगवान की शरण में जाने का तरीका आ जाए और उनको अपना रक्षक मान लेने से चारों तरफ सुखी हो जाता है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से एमएलसी विनीत सिंह, सदर विधायक भूपेश चौबे, इंद्रदेव सिंह, समिति के अध्यक्ष सत्यपाल जैन, महामंत्री सुशील पाठक, राहुल श्रीवास्तव, विजय जैन, शिशु त्रिपाठी, अशोक मिश्रा, विजय शंकर चतुर्वेदी, चेखुर पाण्डेय, मोहन कुशवाहा, रचना तिवारी, रविन्द्र पाठक, अनूप तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जिला अपराध निरोधक कमेटी ने मेला पुलिस के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने का लिया संकल्प

आधुनिक समाचार

पुलिस अधीक्षक माघ मेला श्री नीरज कुमार पाण्डेय ƐइƐ के दिशा-निर्देशों पर आज दिंनाक 28.12.2015 को रिजर्व पुलिस लाइन्स माघ मेला के तीर्थराज सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक/नोडल पुलिस अधिकारी माघ मेला श्री विजय आनंद की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि क्षेत्राधिकारी परेड श्री जगदीश कालीरमन की उपस्थिति में जिला अपराध निरोधक समिति के सदस्यों की गोष्ठी आयोजित की गई ।

सर्वप्रथम संस्था के सचिव संतोष कुमार श्रीवास्तव व उनकी टीम ने विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी माघ मेला-2026 को सकुशल संपन्न कराने हेतु पुलिस व प्रशासन के साथ सामंजस व समन्वय बनाकर कार्य करने का संकल्प लिया गया एवं संस्था के लगभग 1000 सदस्य पुलिस बल के साथ मिलकर माघ मेला के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करेंगे । गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे अपर पुलिस अधीक्षक माघ मेला द्वारा संस्था के सदस्यों द्वारा पूर्व में किए गए सराहनीय कार्य हेतु आभार व्यक्त करते हुए बताया गया कि हम लोगों का मूल उद्देश्य मुख्यतः सुगम आवागमन, सुरक्षित प्रवास व सुरक्षित स्नान संपन्न करना होता है । इसके उपरांत मुख्य अतिथि क्षेत्राधिकारी परेड द्वारा बताया गया कि तीर्थराज प्रयाग में आयोजित होने वाले माघ मेला-2026 को सकुशल व निर्विघ्न संपन्न कराए जाने में पुलिस व प्रशासन के साथ अन्य सामाजिक संगठनों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है । कार्यक्रम का संचालन संगठन प्रभारी सतीश चंद्र मिश्रा द्वारा किया गया । इस मौके पर संस्था के सचिव संतोष कुमार श्रीवास्तव, विधिक सलाहकार लक्ष्मीकांत मिश्र, कैंप शिविर प्रभारी भावना त्रिपाठी के साथ प्रयागराज जनपद थाना सेआऐ कई पदाधिकारी एवं सदस्य गण के साथ नैनी यमुनानगर से यूथ टीम से

क्षेत्रीय कमेटी प्रभारी विमल सक्सेना, विनोद केसरवानी, रोहित सिंह, कार्यक्रम अधिकारी,सक्षम शर्मा, जनसंपर्क अधिकारी संदीप चंद्र श्रीवास्तव, गौरव विश्वकर्मा , अतुल सिंह, शिव प्रताप सिंह, नीरज मिश्रा,अजीत प्रताप सिंह, आकाश सिंह, अश्वनी कुशवाहा, राम प्रकाश प्रजापति,पत्रकार राम जी केसरवानी, के साथ यूथ टीम प्रभारी मनीष विश्वकर्मा और महिला टीम के साथ रेनू सक्सेना के साथ अन्य स्वयंसेवक उपस्थित रहे ।

अटल जी ने सेवा के लिए सत्ता का मंत्र राष्ट्र को दियाः मनोज जायसवाल

जन्म शताब्दी समारोह पर अटल स्मृति विधानसभा सम्मेलन का आयोजन

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र द्वारा विधानसभा राबर्ट्सगंज की विधानसभा सम्मेलन विवेकानन्द प्रेक्षागृह में सम्पन्न हुआ। बैठक मे बतौर मुख्यअतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष मिर्जापुर मनोज जायसवाल मौजूद रहे। बैठक का शुभारंम्भ श्रद्धेय प0 अटल बिहारी वाजपेई जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। सम्मेलन की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल व संचालन जिला उपाध्यक्ष अशोक मौर्या व यादवेंद्र दत्त द्विवेदी ने किया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि मनोज जायसवाल ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय पं. अटल बिहारी जी के जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर कहा कि विराट व्यक्तित्व और मर्म को महसूस कर नाप-तौल कर शब्द रखने वाले वाक पटु हमारे परम स्नेही हमारे गौरव के प्रतीक पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी बाजपेयी को हम सभी भारत वासियों की ओर से उनके जन्म शताब्दी पर श्रद्धा सुमन समर्पित करते हैं। 1999 का कारगिल युद्ध इस दृष्टि का ऐतिहासिक साक्ष्य बनकर सामने आया। हिमालय की बर्फीली चोटियों पर जब भारतीय सैनिकों ने अद्वितीय साहस का परिचय दिया, तब पूरा राष्ट्र उनके साथ खड़ा दिखाई दिया। युद्ध के दौरान और उसके पश्चात वाजपेयी सरकार ने जिस प्रकार शहीदों को सार्वजनिक सम्मान प्रदान किया। वर्ष 2000 के आसपास शहीदों और सैनिकों के कल्याण से जुड़ी नीतियों में एक अधिक संगठित और दीर्घ कालीन दृष्टि दिखाई देने लगी। इसी कालखंड में सैनिकों के परिजनों के लिए पेट्रोल पंप और एलपीजी गैस एजेंसी जैसी व्यवस्थाओं को विशेष महत्व मिला। सम्मेलन को संबोधित

करते हुए सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि भाजपा अपने सिद्धांतों पर चलने वाली पार्टी है। इन सिद्धांतों के निर्माण एवं पोषण में डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं अटल बिहारी वाजपेयी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। समय के साथ पार्टी में नए कार्यकर्ता जुड़ते रहते हैं। सभी कार्यकर्ताओं को वाजपेयी के जीवन व उनके विचार के बारे में जानकारी देकर संगठनात्मक चरित्र निर्मित करने के उद्देश्य से अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन कि अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में श्रद्धेय अटल जी ने सुशासन, राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थिक सुदृढ़ता तथा भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाया। पोखरण परीक्षण से लेकर ग्राम सड़क योजना तक उनके निर्णयों ने आत्मनिर्भर और सशक्त भारत की नींव रखी। उनकी वाणी में कविता थी और कर्म में राष्ट्र। उन्होंने सेवा के लिए सत्ता का मंत्र राष्ट्र को दिया। इस मौके पर प्रदेश कार्य समिति सदस्य रामलखन सिंह नागेश्वर पांडे, पूर्व जिला अध्यक्ष अजीत चौबे, नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद, नगवा ब्लॉक प्रमुख आलोक सिंह, सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत, जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश दुबे, उदयनाथ मौर्य, कुसुम शर्मा, ओम प्रकाश यादव, संतोष शुक्ला, अनूप तिवारी, बृजेश श्रीवास्तव, विनय श्रीवास्तव, योगेंद्र बिन्द, दिलिप चौबे, लक्षन खरवार, रामलाल चेरो, दीपक दुबे, पुष्पा सिंह, रजनीश रघुवंशी, अनुपम तिवारी, अजय पांडेय, आलोक रावत, धनंजय पंडित, बलराम सोनी, सुनिल सिंह, अनिल सिंह, विनय श्रीवास्वत सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

व्यावसायिक इमारत में आग लगी कोई हताहत नहीं

मुम्बई। मुंबई की छह मंजिला एक व्यावसायिक इमारत में देर रात आग लग गई।अधिकारियों ने बताया कि सांताक्रूज पूर्व के कलीना इलाके में 'एमजीन चैंबर्स' की छठी मंजिल पर देर रात करीब 2.30 बजे आग लगी, हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। नगर निकाय के एक अधिकारी ने बताया कि दमकल की चार गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और आग पर दो घंटे में काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि आग इमारत की छठी मंजिल पर लगी जिसके बाद पुलिस, एंबुलेंस, एक बिजली कंपनी के कर्मचारी और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे।

पलक्कड से लापता लड़के का शव गांव के तालाब में मिला

नई दिल्ली। उत्तरी केरल के पलक्कड जिले से लापता हुए छह वर्षीय लड़के का शव रविवार सुबह गांव के एक तालाब में मिला। पुलिस ने बताया कि सुहान शनिवार की दोपहर लापता हो गया था और सूचना मिलने पर पुलिस और अग्निशमन बल के कर्मियों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान खोजी कुत्तों की भी मदद ली गई। चित्तूर पुलिस ने बताया सुहान दिव्यांग था और भाई के साथ झगड़ा होने के बाद घर से बाहर निकला था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शनिवार रात को तलाशी अभियान अंधेरा होने की वजह से रोक दिया गया था। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह तलाशी अभियान दोबारा शुरू किया गया और सुहान का शव तलाब में मिला। सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने सुहान की मौत पर शोक व्यक्त किया है।

गुरु गोबिंद सिंह जयंती मुख्यमंत्री हिमंत ने अरुण जेटली की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली की जयंती पर रविवार को उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके योगदान लोगों को प्रेरित करते रहेंगे। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''अरुण जेटली को उनकी जयंती पर याद कर रहा हूं। दूरदर्शी नेता, असाधारण सांसद और भारत के सार्वजनिक जीवन की मार्गदर्शक शक्ति रहे जेटली के योगदान देशभर में अनगिनत लोगों को प्रेरित करते रहेंगे।'' उन्होंने कहा, ''उनकी जयंती पर हम उनकी विरासत, उनकी बुद्धिमत्ता और देश के प्रति उनकी अटूट निष्ठा को याद करते हैं।

अमृतसर सतर्कता ब्यूरो के एसएसपी कदाचार के आरोप में निलंबित

नई दिल्ली। पंजाब सरकार ने सतर्कता ब्यूरो के एक वरिष्ठ अधिकारी को गंभीर कदाचार और कर्तव्य में लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया है। 26 दिसंबर को जारी एक आदेश में यह जानकारी दी गई है। हालांकि, आदेश में अधिकारी की ओर से किए गए कदाचार की प्रकृति का खुलासा नहीं किया गया है। आदेश के मुताबिक, 'पंजाब के अमृतसर स्थित सतर्कता ब्यूरो के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लखबीर सिंह (पीपीएस) को पंजाब सिविल सेवा (दंड और अपील) नियम 1970 के नियम 4 (1) (क) के तहत गंभीर कदाचार और कर्तव्य में लापरवाही के लिए तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है।' इस बीच, एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि अधिकारी के खिलाफ एक आंतरिक शिकायत प्राप्त हुई थी और इसके जवाब में उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है। बयान के अनुसार, लखबीर सिंह को उनके आधिकारिक अधिकार क्षेत्र से बाहर के मामलों में अनाधिकृत हस्तक्षेप के लिए निलंबित कर दिया गया है। बयान में बताया गया कि अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू कर दी गई है और मानक प्रक्रियाओं के अनुसार मामले की गहन जांच की जा रही है।

बांग्लादेश में 6 महीने में ईशनिंदा के बहाने हिंदुओं पर 71 हमले, रिपोर्ट में सनसनीखेज खुलासे

ढाका। बांग्लादेश अल्पसंख्यक मानवाधिकार कांग्रेस (एचआरसीबीएम) की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, जून से दिसंबर 2025 के बीच बांग्लादेश भर में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ ईशनिंदा के आरोपों से जुड़ी कम से कम 71 घटनाएं दर्ज की गईं। ये निष्कर्ष पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ भारत द्वारा वर्णित लगातार शत्रुता को लेकर बढ़ती चिंता के बीच आए हैं। एचआरसीबीएम की रिपोर्ट में रंगपुर, चांदपुर, चटोग्राम, दिनाजपुर, लालमोनिरहाट, सुनामगंज, खुलना, कोमिला, गाजीपुर, तंगेल और सिलहट सहित 30 से अधिक जिलों के मामलों का दस्तावेजीकरण किया गया है। मानवाधिकार समूहों का कहना है कि इन मामलों का प्रसार और समानता अलग-थलग घटनाओं की बजाय धार्मिक रूप से गढ़े गए आरोपों के प्रति अल्पसंख्यकों की व्यवस्थित संवेदनशीलता की ओर इशारा करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ईशनिंदा के आरोपों के चलते अक्सर पुलिस कार्रवाई, भीड़ हिंसा और सामूहिक दंड जैसी घटनाएं हुईं। 19 जून, 2025 को, पैगंबर मोहम्मद के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी के आरोप में तमाल बैद्य (22) को अगलझारा, बारीसाल में गिरफ्तार किया गया। ठीक तीन दिन बाद, इसी तरह के आरोपों के बाद शांतो सूत्रधार (24) को मतलाब, चांदपुर में विरोध प्रदर्शनों और अशांति का सामना करना पड़ा। सबसे हिंसक घटनाओं में से एक 27 जुलाई को दर्ज की गई, जब रंजन रॉय (17) को रंगपुर के

बेतगरी यूनियन में गिरफ्तार किया गया। उसकी गिरफ्तारी के बाद, 22 हिंदू घरों में तोड़फोड़ की गई, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कैसे आरोप अक्सर व्यक्ति विशेष तक सीमित न रहकर पूरे समुदाय को निशाना बनाते हैं। कुल मिलाकर, रिपोर्ट में जून 2025 से दिसंबर 2025 के बीच हुई 71 अलग-अलग घटनाओं का उल्लेख है, जिनमें पुलिस द्वारा गिरफ्तारी और एफआईआर, भीड़ द्वारा मारपीट, हिंदू घरों में तोड़फोड़, शिक्षण संस्थानों से निलंबन और निष्कासन, और भीड़ के हमलों के बाद हुई मौतें शामिल हैं। इसमें यह भी बताया गया है कि नामजद आरोपियों में से 90इ से अधिक हिंदू हैं, जिनमें 15 से 17 वर्ष की आयु के नाबालिग भी शामिल हैं। एचआरसीबीएम का कहना है कि कई मामले कथित फेसबुक पोस्ट से जुड़े हैं, जिन पर अक्सर विवाद होता है, वे मनगढ़ंत होते हैं या हैक किए गए खातों से जुड़े पाए जाते हैं। अन्य घटनाएं बिना फोरेंसिक सत्यापन के लगाए गए मौखिक आरोपों पर आधारित हैं। कई मामलों में, औपचारिक जांच से पहले ही भीड़ के दबाव में गिरफ्तारियां की गईं। साइबर सुरक्षा अधिनियम के तहत बड़ी संख्या में शिकायतें दर्ज की गईं, विशेष रूप से छात्रों के खिलाफ। विश्वविद्यालय और कॉलेज तनाव के केंद्र के रूप में उभरे, जहां प्रणय कुंडू (पीयूएसटी), बिकोर्नो दास दिव्या, टोनॉय रॉय (खुलना विश्वविद्यालय) और अपूर्बो पाल (नॉर्थ साउथ यूनिवर्सिटी) जैसे छात्रों को इस्लाम का अपमान करने के आरोपों के बाद निलंबन, निष्कासन या पुलिस हिरासत का सामना करना पड़ा।

कुलदीप सेंगर की रिहाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची सीबीआई कल जस्टिस सूर्यकांत की बेंच करेगी याचिका पर सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सीबीआई की उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें बीजेपी के निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर की सजा सस्पेंड करने के फैसले को चुनौती दी गई है। दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल ही में सेंगर की उम्रकैद की सजा पर रोक लगाते हुए उसे जेल से बाहर आने का रास्ता साफ कर दिया था, जिसे अब सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की वेकेशन बेंच करेगी, जिसमें चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह शामिल हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट ने 23 दिसंबर को कुलदीप सिंह सेंगर की सजा को सस्पेंड कर दिया था। कोर्ट का तर्क था कि सेंगर पहले ही सात साल और पांच महीने जेल में बिता चुका है। सेंगर फिलहाल उन्नाव रेप केस में उम्रकैद की सजा काट रहा है। सीबीआई का मानना है कि ऐसे

जघन्य अपराध के दोषी को जेल से बाहर रखना न्याय के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले पीड़िता ने अपनी सुरक्षा और न्याय को लेकर गहरी चिंता जताई है। समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए पीड़िता ने कहा, 'मेरे पिता और परिवार के सदस्यों को मार दिया गया। अब मेरे और गवाहों की सुरक्षा हटा दी गई है, मेरे बच्चे घर पर असुरक्षित हैं।' पीड़िता ने कहा, 'मुझे पूरा भरोसा है कि सुप्रीम कोर्ट मुझे न्याय देगा। उसकी जमानत खारिज होनी चाहिए, उसने न केवल मेरा बलात्कार किया बल्कि मेरे पूरे परिवार को तबाह कर दिया।' पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि उसके पति को नौकरी से निकाल दिया गया है और वह हर उस महिला के लिए आवाज उठा रही है जिसके साथ अन्याय हुआ है।

दिल्ली में डीडीए की हॉट एयर बैलून राइड पड़ी ठंडी, स्मॉग और प्रदूषण ने बिगाड़ा खेल

नई दिल्ली। यमुना किनारे 'बांसरा पार्क' में बड़े जोर-शोर से शुरू की गई हॉट एयर बैलून राइड उम्मीद के मुताबिक भीड़ नहीं जुटा पा रही है। 29 नवंबर को इसे एक बड़े 'इको-एडवेंचर' के तौर पर लॉन्च किया गया था, लेकिन दिल्ली की जहरीली हवा और धुंध ने पर्यटकों का मजा किरकिरा कर दिया है।

शुरुआत में इस राइड का किराया 3,000 रुपये प्रति व्यक्ति रखा गया था, लेकिन लोगों की कम दिलचस्पी को देखते हुए इसे घटाकर 2,300 रुपये कर दिया गया है। आंकड़ों के मुताबिक, वीकेंड पर औसतन केवल 20 टिकट ही बिक पा रहे हैं। अब आयोजक ज्यादा लोगों को जोड़ने के लिए ऑनलाइन बुकिंग सिस्टम शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं।

दिल्ली में सर्दियों के दौरान एयर क्वालिटी इंडेक्स 'बहुत खराब' श्रेणी में रहा है। आसमान में छाई धुंध के कारण लोग ऊंचाई से शहर का नजारा नहीं देख पा रहे हैं। इस प्रोजेक्ट की शुरुआत से ही आलोचना हो रही है।

अरावली पहाड़ी परिभाषा विवाद : सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। अरावली पहाड़ियों की परिको लेकर उठे विवाद के बीच उच्चतम न्यायालय ने इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लिया है और वह सोमवार को मामले की सुनवाई करेगा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली अवकाशकालीन पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी जिसमें न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह शामिल हैं। उच्चतम न्यायालय ने 20 नवंबर को अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक

समान परिको स्वीकार करते हुए, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में फैले अरावली क्षेत्रों में विशेषज्ञों की रिपोर्ट आने तक नए खनन पट्टों के आवंटन पर रोक लगा दी थी। अदालत ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक समिति की सिफारिशों को स्वीकार किया था। समिति के अनुसार, ''अरावली पहाड़ी'' को उन चिह्नित अरावली जिलों में मौजूद किसी भी भू-आकृति के रूप में परिभाषित किया जाएगा, जिसकी ऊंचाई स्थानीय निचले बिंदु से 100 मीटर या उससे अधिक हो। वहीं, ''अरावली पर्वतमाला'' एक-दूसरे से 500 मीटर के भीतर दो या अधिक ऐसी पहाड़ियों का समूह होगा।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत 'बेहद गंभीर': चिकित्सक

कोलकाता। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री एवं बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया की हालत 'बेहद नाजुक' बनी हुई है। उनके निजी चिकित्सक ने यह जानकारी दी। कई स्वास्थ्य जटिलताओं से जूझ रही 80 वर्षीय खालिदा जिया 23 नवंबर से ढाका के 'एवरकेयर' अस्पताल में उपचाराधीन हैं और उन्हें 11 दिसंबर को वेंटिलेटर पर रखा गया था।

डॉ. ए.जेड.एम. जाहिद ने शनिवार को मध्यरात्रि के बाद एवरकेयर अस्पताल के बाहर बिना पूर्व सूचना के आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'यह नहीं कहा जा सकता कि उनकी हालत में सुधार हुआ है। फिलहाल उनकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।'' अनुसार, डॉ. जाहिद ने देशवासियों से खालिदा जिया के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना

करने की अपील भी की। उन्होंने कहा, 'अगर अल्लाह की रहमत से वह इस नाजुक दौर से बाहर निकल जाती हैं, तो हमें कुछ सकारात्मक खबर सुनने को मिल सकती है।' पार्टी सदस्यों के मुताबिक, खालिदा जिया के बेटे एवं बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने अस्पताल में दो घंटे से अधिक समय बिताया और आधी रात के आसपास रवाना हुए। स्थानीय और विदेशी दोनों चिकित्सक उनकी देखभाल में लगे हैं। उनकी बहू डॉ. जुबैदा रहमान भी उपचार प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं।

बीएनपी ने पहले संकेत दिया था कि वह खालिदा जिया को उन्नत चिकित्सा उपचार के लिए विदेश ले जाना चाहती है। हालांकि, उनकी वर्तमान शारीरिक स्थिति हवाई यात्रा की अनुमति नहीं देती, इसलिए उनका इलाज फिलहाल देश में ही जारी है।

उत्तर प्रदेश के एक पर्वतारोही की मौत

नई दिल्ली। सिक्किम के प्रसिद्ध गोएचाला पर्वतारोहण मार्ग पर उत्तर प्रदेश के 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृतक की पहचान सूरज कुमार तिवारी के रूप में हुई है। वह अपने दो दोस्तों के साथ यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल खांगचेंदजोंगा राष्ट्रीय उद्यान में आठ दिन की गोएचाला पर्वतारोहण यात्रा पर गया था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उसने बृहस्पतिवार को चढ़ाई शुरू की थी तभी सुबह करीब नौ बजे कोक्चुरोंग शिविर के पास अचानक उसकी तबीयत खराब हो गई और उसमें लकवे जैसे लक्षण दिखाई देने लगे। उन्होंने बताया कि साथी पर्वतारोहियों और गाइड ने उसे प्राथमिक उपचार दिया।

20 हजार जवान संभालेंगे नए साल का मोर्चा नियमों का उल्लंघन करने पर होगी कठोर कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए साल के स्वागत के लिए राष्ट्रीय राजधानी पूरी तरह तैयार है, लेकिन इस दौरान सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस ने विशेष इंतजाम किए हैं। शनिवार को पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शराब पीकर गाड़ी चलाने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर इस बार कड़ी नजर रखी जाएगी।

नए साल की पूर्व संध्या पर दिल्ली की सड़कों, बाजारों और मॉल के आसपास दिल्ली पुलिस, ट्रैफिक पुलिस और अर्धसैनिक बलों के लगभग 20,000 जवान तैनात रहेंगे। हरियाणा और उत्तर प्रदेश से आने वाली भीड़ को देखते हुए दिल्ली की सीमाओं पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रवेश द्वारों पर हर वाहन की जांच की जाएगी। कनॉट प्लेस, हौज खास और प्रमुख शॉपिंग मॉल्स के आसपास विशेष नाकेबंदी की गई है। रणनीतिक स्थानों पर त्वरित

प्रतिक्रिया टीमें तैनात रहेंगी।

ट्रैफिक पुलिस ने खतरनाक ड्राइविंग और स्टंटबाजी रोकने के लिए सख्त योजना बनाई है। शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की पहचान के लिए पुलिस बड़े पैमाने पर ब्रेथ एनालाइजर का इस्तेमाल करेगी। अधिकारियों ने साफ किया है कि शराब पीकर वाहन चलाने या खतरनाक स्टंट करने पर वाहन को तुरंत जब्त कर लिया जाएगा। कनॉट प्लेस के 'इनर सर्कल' में केवल वैध स्टिकर वाले वाहनों को ही प्रवेश की अनुमति मिलेगी।

सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस होटल, गेस्ट हाउस और रैन बसेरों की लगातार चेकिंग कर रही है। बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर भी विशेष अभियान चलाया जा रहा है ताकि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की पहचान की जा सके। सभी थाना प्रभारियों को पूरी रात सड़कों पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

लंदन में बांग्लादेशी हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ प्रदर्शन खालिस्तानी समर्थक बांग्लादेश सरकार के बचाव में उतरे

वाशिंगटन। ब्रिटेन में रहने वाले हिंदू समुदाय ने लंदन स्थित बांग्लादेशी हाई कमीशन के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। 'हिंदुओं के लिए न्याय' नाम से आयोजित इस प्रदर्शन में बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप की मांग की गई। हालांकि, इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान उस समय तनाव बढ़ गया जब कुछ खालिस्तानी समर्थक बांग्लादेशी सरकार के समर्थन में वहां पहुंच गए।बंगाली हिंदू आदर्श संघ और अन्य भारतीय संगठनों के सदस्यों ने 'हिंदू जीवन मायने रखते हैं' के नारे लगाए और सड़क पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ किया।प्रदर्शनकारियों ने एक डिजिटल वैन का उपयोग किया, जिस पर बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हुई हिंसा के आंकड़े और

तस्वीरें प्रदर्शित की गईं। प्रदर्शनकारियों ने इस्कॉन संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी और ईशनिंदा के झूठे आरोप में दीपू दास की सार्वजनिक लिंचिंग (भीड़ द्वारा हत्या) की कड़ी निंदा की।अनुसार, हिंदू समुदाय के प्रदर्शन के कुछ ही देर बाद वहां खालिस्तानी समर्थक भी पहुंच गए। वे बांग्लादेशी सरकार के समर्थन में झंडे लहराते और नारेबाजी करते देखे गए, जिससे माहौल काफी संवेदनशील हो गया। लंदन में यह गुस्सा बांग्लादेश में हाल ही में हुई दो जघन्य हत्याओं के बाद फूटा है। दीपू चंद्र दास को ईशनिंदा के फर्जी आरोप में भीड़ ने उन्हें आग लगा दी थी। अमृत मंडल की 24 दिसंबर को राजबाड़ी जिले में भीड़ ने पीट-पीटकर उनकी हत्या कर दी थी।भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी इन घटनाओं पर गहरी चिंता जताई है। मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और बौद्धों के खिलाफ चरमपंथियों द्वारा बढ़ती हिंसा एक गंभीर वैश्विक मुद्दा है।

एक करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अफीम और तस्करी की गई सिगरेट जब्त

लखनऊ। असम के कार्बी आंगलोंग जिले में अफीम समेत एक करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की प्रतिबंधित सामग्री जब्त की गई है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। शर्मा ने हालांकि यह नहीं बताया कि इस दौरान किसी को गिरफ्तार किया गया या नहीं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''चाहे आप कार्बी आंगलोंग के 'हाइजेनबर्ग' हों जिसके पास 1.2 करोड़ रुपये कीमत की 19 किलोग्राम अफीम है या आपके पास संदिग्ध रूप से म्यांमा की सिगरेट की 40 पेटियां हैं, असम पुलिस आपको ढूंढ लेगी और पकड़ लेगी।

लोकतंत्र का दिखावा? बंदूकों के साये में हो रहे मतदान पर उठा सवाल

बीजिंग। म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के पांच साल बाद रविवार को कड़ी सुरक्षा और पाबंदियों के बीच मतदान शुरू हुआ। जहां सत्ताधारी सैन्य जुंटा इसे 'लोकतंत्र की वापसी' बता रहा है, वहीं विपक्षी दलों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इसे एक 'दिखावा' करार दिया है। **लोकप्रिय नेता जेल में:** देश की सबसे बड़ी नागरिक नेता आंग सान सू की अभी भी 27 साल की सजा काट रही हैं। उनकी पार्टी को भंग कर दिया गया है और वह इस चुनाव का हिस्सा नहीं है।

वोटरों की बेरुखी: 2020 के चुनावों में जहां लंबी कतारें लगी थीं, वहीं इस बार मतदान केंद्रों पर सन्नाटा पसरा रहा। यांगून और मांडले जैसे बड़े शहरों में वोटरों से ज्यादा सुरक्षाकर्मी और पत्रकार नजर आए। **अधूरा चुनाव:** देश गृह

युद्ध की चपेट में है। विद्रोही समूहों के कब्जे वाले इलाकों में मतदान नहीं हो रहा है। सेना ने खुद माना है कि निचले सदन की लगभग 20इ सीटों पर चुनाव कराना संभव नहीं है। **दमन और पाबंदियां:** संयुक्त राष्ट्र और पश्चिमी देशों ने इस चुनावी प्रक्रिया की कड़ी निंदा की है। मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क के अनुसार, यह चुनाव 'हिंसा और दमन' के माहौल में हो रहा है। जुंटा सरकार ने चुनाव का विरोध करने या आलोचना करने के आरोप में 200 से अधिक लोगों पर मुकदमा चलाया है। **क्या कह रहे हैं लोग?:** यांगून के एक केंद्र पर वोट देने पहुंचे 63 वर्षीय बो सॉ ने कहा, 'हमारी पहली प्राथमिकता शांति और सुरक्षा बहाल करना होनी चाहिए।'वहीं, जंगलों में छिपे विद्रोही समूहों और विस्थापित लोगों में भारी गुस्सा है। हवाई हमलों से बचकर भाग रही 40 वर्षीय मो मो म्यिंट ने कहा, 'जब इस सेना ने हमारी जिंदगी बर्बाद कर दी है, तो हम उनके चुनाव का समर्थन कैसे कर सकते हैं? यह चुनाव कभी निष्पक्ष नहीं हो सकता।' **क्या है सेना का इरादा?:** विशेषज्ञों का मानना है कि यह चुनाव सैन्य समर्थक 'यूनियन सॉलिडेरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी' को सत्ता दिलाने का एक जरिया है। इसे 'मार्शल लॉ' को नया रूप देने की कोशिश कहा जा रहा है। सैन्य प्रमुख मिन आंग हलिंग ने इसे सुलह का रास्ता बताया है, लेकिन विपक्षी गुटों ने साफ कर दिया है कि वे अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। **अगले चरण:** यह चुनाव तीन चरणों में होना है। दूसरा चरण दो हफ्ते बाद होगा, जबकि आखिरी चरण 25 जनवरी को निर्धारित है।

नयी परिभाषा से अरावली और अन्य छोटी पहाड़ियां नष्ट हो जाएंगी : जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरावली पर्वतमाला को पुनः परिभाषित किए जाने को लेकर जारी विवाद के बीच कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से रविवार को चार सवाल पूछे और दावा किया कि इस कदम से अरावली सहित कई छोटी पहाड़िया और अन्य भू आकृतियां नष्ट हो जाएंगी।

यादव को लिखे पत्र में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अरावली पहाड़ियों की पुनर्परिको लेकर व्यापक चिंताएं होना स्वाभाविक है, क्योंकि इसके तहत इन्हें 100 मीटर या उससे अधिक की ऊंचाई वाले भू-आकृतियों तक सीमित कर दिया गया है।

उन्होंने कहा, ''इस संदर्भ में कृपया मुझे आपके विचारार्थ चार विशिष्ट प्रश्न पूछने की अनुमति दें। पहला प्रश्न- क्या यह तथ्य नहीं है कि राजस्थान में 2012 से अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की परि28 अगस्त 2010 की भारतीय वन सर्वेक्षण की रिपोर्ट पर आधारित रही है, जिसमें निम्नलिखित बातें कही गई हैं: सभी इलाके जिनका ढलान तीन डिग्री या उससे अधिक है, उन्हें पहाड़ियों के रूप में निरूपित किया जाएगा।'' रमेश ने कहा, ''इसके साथ ही ढलान की दिशा में एक समान 100 मीटर चौड़ा बफर जोड़ा जाएगा, ताकि 20 मीटर ऊंचाई की पहाड़ी के अनुरूप संभावित विस्तार को ध्यान में रखा जा सके, जो 20 मीटर के 'कंटूर इंटरवल' (समोच्च अंतराल) के बराबर है। इन निरूपित क्षेत्रों के भीतर आने वाले समतल इलाके, गड्ढे और घाटियों भी पहाड़ियों का हिस्सा मानी जाएंगी।'' उन्होंने दूसरा सवाल किया कि क्या यह सच नहीं है कि

भारतीय वन सर्वेक्षण ने 20 सितंबर 2025 को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भेजे गए अपने एक पत्र में यह कहा था- ''अरावली की छोटी पहाड़ी संरचनाएं मरुस्थलीकरण के खिलाफ प्राकृतिक अवरोध के रूप में काम करती हैं, क्योंकि वे भारी रेत कणों को रोकती हैं-इस प्रकार दिल्ली और आसपास के मैदानी इलाको को रेत के तूफानों से बचाती हैं।'' रमेश ने कहा, ''चूंकि हवा के साथ उड़ने वाली रेत के विरुद्ध किसी अवरोध की सुरक्षा क्षमता सीधे उसकी ऊंचाई के अनुपात में बढ़ती है, इसलिए 10 से 30 मीटर ऊंचाई वाली मामूली पहाड़ियां भी मजबूत प्राकृतिक हवा अवरोधकों के रूप में काम करती हैं।'' उन्होंने कहा, ''तीसरा सवाल- क्या यह तथ्य नहीं है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) ने अपनी सात नवंबर 2025 की रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला था कि राजस्थान में 164 खनन पट्टे उस समय प्रचलित भारतीय वन सर्वेक्षण की परिके अनुसार अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं के अंदर स्थित थीं?'' रमेश ने कहा, ''चौथा सवाल-क्या यह सच नहीं है कि इस नयी परिसे कई छोटी पहाड़ियां और अन्य भू-आकृतियां नष्ट हो जाएंगी और चार राज्यों में फैली पूरी अरावली पहाड़ियों एवं पर्वतमालाओं की भौगोलिक और पारिस्थितिक अखंडता टूटकर खत्म हो जाएगी?'' विपक्षी कांग्रेस का दावा है कि अरावली पर्वतमाला की नयी परिके तहत 90 प्रतिशत से अधिक भाग संरक्षित नहीं रहेगा और खनन एवं अन्य गतिविधियों के लिए खुल जाएगा। इस मुद्दे पर विवाद के बाद केंद्र ने राज्यों को निर्देश जारी कर पर्वत श्रृंखला के भीतर नए खनन पट्टे देने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने को कहा है।

बनारस स्टेशन पर पार्किंग शुल्क नहीं अनुबंध निरस्त होने का बोर्ड लगा

वाराणसी। बनारस रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को बड़ी राहत देते हुए कार पार्किंग शुल्क को समाप्त कर दिया गया है। स्टेशन के दूसरे प्रवेश द्वार पर दोपहिया साइकिल स्टैंड बंद होने के बाद यहां कार और ऑटो की पार्किंग अस्थायी रूप से कराई जा रही है, जिसके लिए कोई शुल्क नहीं लिया जा रहा है। स्टेशन प्रशासन के अनुसार यह व्यवस्था फिलहाल निःशुल्क रखी गई है, जिससे यात्रियों और उनके परिजनों को सुविधा मिल सके। पार्किंग का अनुबंध निरस्त होने का बोर्ड लगाया गया है।

बनारस रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन 100 से अधिक ट्रेनों का संचालन होता है और प्लेटफॉर्म नंबर 8 से लेकर बाहर जाने के लिए कार एवं ऑटो का आवागमन इसी दूसरे प्रवेश द्वार से होता है। पहले यहां दोपहिया वाहन स्टैंड संचालित था, जिसे हाल ही में बंद कर दिया गया है। इसके बाद इस स्थान का उपयोग कार पार्किंग के लिए किया जा रहा है। हालांकि पार्किंग गेट पर स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि पार्किंग शुल्क नहीं लिया जाएगा।

इस बीच रेलवे द्वारा स्टेशन की क्षमता बढ़ाने के लिए बुनियादी ढांचे के विस्तार का कार्य भी तेज कर दिया गया है। बनारस स्टेशन पर एक अतिरिक्त रेल लाइन बिछाई जा रही है, जिससे कुल लाइनों की संख्या बढ़ेगी। इसके अलावा वाराणसी सिटी स्टेशन पर भी दो अतिरिक्त रेल लाइनों का निर्माण प्रस्तावित है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार इन कार्यों के पूरा होने से ट्रेनों के संचालन में सुगमता आएगी और भविष्य में यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। भारतीय रेलवे वर्ष 2030 तक 48 गंतव्य स्थलों तक ट्रेनों के संचालन का लक्ष्य लेकर चल रहा है, जिसके तहत वाराणसी जंक्शन और वाराणसी सिटी स्टेशन का विस्तार किया जा रहा है।

स्टेशन प्रशासन का कहना है कि पार्किंग व्यवस्था में यह बदलाव अस्थायी है और भविष्य में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्थायी समाधान किया जाएगा। फिलहाल निःशुल्क पार्किंग की सुविधा से यात्रियों को राहत मिली है, वहीं स्टेशन विस्तार कार्य पूरा होने के बाद आवागमन और अधिक सुचारू होने की उम्मीद है।

चोरी का आरोपी सामान समेत गिरफ्तार

चित्रकूट। पहाड़ी थाना क्षेत्र के गोसाईपुर गांव में कारखाना की दुकान में चोरी करने वाले एक आरोपी को पहाड़ी पुलिस ने चोरी की एक कटर मशीन, एक हैमर व मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया है। पहाड़ी थाना प्रभारी प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि राजापुर के नांदिन कुर्मियान निवासी अरविन्द कुमार पुत्र बल्लू प्रसाद ने थाने में सूचना दी कि गोसाईपुर स्थित उसकी कारखाना की दुकान से तीन बिल्डिंग मशीन, एक बड़ी कटर मशीन, दो ग्लैन्डर, एक हैमरड्रिल, एक ड्रिलमशीन, चार ई-रिक्शा कि बैटरी, एक चार्जर व 24,500 रुपये सहित एक मोबाईल चोरी हो गया है। वादी ने शीलू पाण्डेय नामक व्यक्ति पर चोरी की आशंका जाहिर की। जिस पर सम्बन्धित धाराओं में मामला पंजीकृत किया गया। पूछताछ करने पर आरोपी ने बताया कि उसने अपने साथी सुनैफ, अशरफ, ओसामा निवासीगण उमरी थाना एअरपोर्ट प्रयागराज के साथ गोसाईपुर स्थित दुकान से एक मोबाइल, चार बैटरी, एक कटर मशीन, ग्लाइंडर, हैमर, ड्रिल मशीन की चोरी की थी। पकड़े जाने के डर से बड़ी कटर मशीन, हैमर ड्रिल गांव के बाहर एक पेड़ के नीचे छुपाकर रख दिया गया था। जिसे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बरामद भी किया।

गुल्फ पादतल पादपृष्ठ शक्ति विकासक क्रिया से मजबूत होते है पैरों के पंजे- योगाचार्य

चित्रकूट। जिला मुख्यालय के कुबेर गंज योगाचार्य रमेश सिंह राजपूत ने बताया कि संपूर्ण शरीर का आधार पैर के पंजे शरीर का पूरा भार सहन करते हैं। जिससे पैर के टखनों (गुल्फ), तलुओं (पाद तल), पैर के ऊपरी भाग (पाद पृष्ठ) और मांसपेशियां, पैर की उंगलियों व जोड़ों में दर्द की समस्या होती है। गुल्फ पादतल पादपृष्ठ शक्ति विकासक योग क्रिया के अभ्यास से इस समस्या से राहत मिलती है। साथ ही पैर मजबूत, सुंदर, सुडौल, पुष्ट और लचीले बनते हैं।

अभ्यास कराते हुए बताया कि यह योग क्रिया मोच को दूर करने के लिए भी बहुत उपयोगी है। इसके नियमित अभ्यास से अधिक चलने या दौड़ने से आई थकावट दूर होती है। यह योग क्रिया विशेष कर खिलाड़ियों और अधिक दौड़ने वालों के लिए फायदेमंद और उपयोगी है। बताया कि इसे करने के लिए साम्यावस्था में सीधे खड़े होकर चार भागों में करते हैं। प्रथम भाग में बाएं पैर को घुटने से सीधा रखते हुए सामने की ओर जमीन से 9 इंच ऊपर उठकर पंजे से क्लाकवाइज जीरो के आकार में 5 बार घूमाते हैं, और एंटीक्लाकवाइज जीरो को मिटाते हैं। दूसरे भाग में बाएं पैर को पीछे की ओर घुटने से सीधा रखते हुए 9 इंच उठाकर पांच बार प्रथम भाग की तरह जीरो बनाते हैं और मिटाते हैं। पैर वापस दाएं पैर के बगल में जमीन पर रखते हैं। तीसरे भाग में दाएं पैर से आगे की ओर प्रथम भाग की तरह पांच बार क्रिया करते हैं। और चौथे भाग में पीछे की ओर भाग दो की तरह पांच बार क्रिया करते हैं और पैर वापस बाएं पैर के बगल में रखते हैं। इसके बाद शिथिल ताड़ासन में आंखे बंद करके पैर के पंजों में हुए परिवर्तन को अनुभव करते हैं। सावधानी के तौर पर पैरों में चोट मोच की दशा में विशेषज्ञ की देखरेख में इसे करें।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के 100 साल पूरे होने पर गरीबों को वितरित किए कंबल

चित्रकूट। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के स्थापना दिवस के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं व समाजसेवियों ने का. मैयादीन यादव की पुण्य स्मृति पर इटखरी गांव में गरीबों, असहायों को कम्बल वितरण किया। कार्यक्रम में पार्टी के जिला सचिव कामरेड अमित यादव ने कहा कि गरीबों की सहायता व सहयोग करने की शुरुआत कम्युनिस्ट पार्टी ने ही की थी। पार्टी की स्थापना का उद्देश्य अंग्रेजी साम्राज्य को उखाड़ कर स्वतंत्र भारत में आर्थिक बराबरी सामाजिक न्याय को लाकर देश को विश्व में अग्रणी बनाना था। वर्तमान में भाजपा सरकार में अमीर और अमीर हो रहा है तथा गरीब और गरीब होता जा रहा है। इस मौके परं समाजसेवी केशव प्रसाद यादव, भजनाश्रम प्रबंधक राम औतार, शारदा प्रसाद यादव, का. राजेंद्र कुमार यादव आदि मौजूद रहे।

नफरत, अन्याय एवं तानाशाह के खिलाफ जारी रहेगा कांग्रेस का संघर्ष- कुशल

चित्रकूट।जिला मुख्यालय स्थित पार्टी कार्यालय में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस जिला अध्यक्ष कुशल सिंह पटेल एडवोकेट की अध्यक्षता में मनाया गया। इसी प्रकार जनपद की दोनों विधानसभाओं के सभी मंडलों में भी कांग्रेस पार्टी का स्थापना दिवस मनाया गया।

पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश महासचिव कुंवर पुष्पेंद्र सिंह ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान सामूहिक राष्ट्रगान भी किया गया। कार्यक्रम में पार्टी के जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल ने कहा कि कांग्रेस केवल एक राजनीतिक दल नहीं है बल्कि भारत की आत्मा की आवाज है, जो हर कमजोर, वंचित एवं मेहनतकश के साथ खड़ी रही है। कौंग्रेस का संकल्प है कि नफरत अन्याय एवं तानाशाह के खिलाफ सत्य साहस एवं संविधान की रक्षा की लड़ाई और अधिक मजबूती के साथ लड़ेंगे। कुंवर पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 28 दिसंबर 1885 को गोकुलदास तेजपाल संस्कृत महाविद्यालय मुंबई में 72 प्रतिनिधियों ने की थी। जिसकी अध्यक्षता डब्लू सी बनर्जी ने की था। महात्मा गांधी के विचारों को याद करते हुए उन्होंने युवाओं को सत्य व अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा पर जोर दिया। कहा कि कांग्रेस हमेशा भारतवासियों के कल्याण सशक्तिकरण एवं समावेशी विकास के लिए काम करती रहेगी। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेसी दुर्गेश खंगार, जगजाहिर पटेल, राम कृपाल, महेश सिंह, सुरेंद्र पांडेय को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष रंजना बराती लाल पांडे, अवधेश करवरिया, जिला प्रवक्ता चुनवाद प्रसाद, जिला महासचिव विजय मणि त्रिपाठी, जिला सचिव कार्यालय प्रभारी राजेश सिंह, कोषाध्यक्ष महेंद्र सिंह पटेल, जिला सचिव यमुना प्रसाद शुक्ला, पहाड़ी ब्लाक अध्यक्ष रामकृपाल वर्मा, कर्वी ब्लाक अध्यक्ष जग जाहिर सिंह पटेल, वरिष्ठ कांग्रेसी दुर्गेश खंगार, महेश सिंह एडवोकेट, राकेश वर्मा, शिव गुलाम वर्मा, वार रूम इंचार्ज वीरेंद्र सिंह, सोशल मीडिया इंचार्ज योगेंद्र कुमार, महेंद्र सिंह, रामबालक, सुभाष, बृजलाल, मनोज कुमार, बच्चा लाल, धीरज कुमार, प्रिंस कुमार, अशोक कुमार, बाबूलाल, राम प्रकाश, देवनारायण, नाथू प्रसाद, मइयादीन,, छोटेलाल, नत्थू, जय कुमार, रामसेवक, सुंदरलाल, विकास कुमार, अवलोकिता कुमार, अनुज कुमार, शिवम, प्रीमीलाल, सुरेंद्र कुमार, जगदीश प्रसाद, संतोष सिंह, विक्रम नारायण, भगवानदीन, बउरा, चुन्नू, छोटे लाल पाल, अवधेश कुमार त्रिपाठी, चंद्रशेखर सिंह, कृष्णराज सिंह, रामनरेश सिंह पटेल, भाऊराम कुशवाहा, मंधीर वर्मा, प्रीमीलाल सोनकर, मोहनलाल सिंह, अनिल साहू, कामता द्विवेदी आदि मौजूद रहे ।

पायनियर क्लब ने ठंड से बचाव के लिए गरीबों को बांटे कंबल

चित्रकूट। राजापुर थाना क्षेत्र के बेराउर ग्राम पंचायत में सोमवार को पायनियर क्लब द्वारा ठंड से बचाव के दृष्टिगत 200 बेसहारा, निराश्रित, विकलांग तथा गरीब लोगों को कम्बल वितरण किया गया। इस दौरान सभी को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देकर लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। बेराउर स्थित स्व. सूर्यभान सिंह फिलिंग में आयोजित कंबल वितरण कार्यक्रम में पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल ने सरकार द्वारा चलाई जा रही सरकारी योजनाओं विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, मुफ्त राशन वितरण, प्रधानमंत्री आवास योजना आदि की जानकारी दी। पायनियर क्लब के अध्यक्ष केशव प्रसाद शिवहरे ने बताया कि संस्था द्वारा लगभग 27 वर्षों से गांव-गांव जाकर गरीब तबके के लोगों की जरूरत के दृष्टिगत जनहति के कार्य किए जा रहे है। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों समाजसेवियों द्वारा 200 गरीब जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरित किए गए।

कांग्रेसियों ने हर्षोल्लास मनाया पार्टी का स्थापना दिवस

जौनपुर। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 140 वर्ष पूरे होने के अवसर पर जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन पर जिलाध्यक्ष डा. प्रमोद कुमार सिंह ने पार्टी का झंडा रोहण कर कांग्रेस अध्यक्ष डा. प्रमोद सिंह ने कहा कि कांग्रेस देश वासियों के रंग रंग में बसी हुई है। भारत का स्वाधीनता आंदोलन कांग्रेस के नेतृत्व में लडा गया और अंग्रेजी हुकूमत की गुलामी से देश को कांग्रेस के नेतृत्व में आजादी मिली। प्रमोद सिंह ने कहा कि आजादी के बाद भारत का हर स्तर पर विकास करने का काम कांग्रेस की सरकारों ने किया, पूरे देश को एकता के सूत्र में बांधने का काम कांग्रेस ने किया। जौनपुर में झंडारोहण के बाद बरसठी ब्लॉक के कांटी न्याय पंचायत के घनापुर गांव मे कांग्रेस पार्टी के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ो लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण किया।जिलाअध्यक्ष डा. प्रमोद कुमार सिंह जी के द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत किया, साथ ही अपने वक्तव्य में जिला अध्यक्ष ने कांग्रेस का अपना के गौरवशाली इतिहास की चर्चा की?। डॉ प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि आजादी की लड़ाई से लेकर अब तक कांग्रेस देश ने को बहुत कुछ दिया, स्कूल, अस्पताल, कालेज, कृषि के क्षेत्र में, उद्योग धंधों के क्षेत्र में कांग्रेस की सरकारों ने भारत को आत्म निर्भर बनाया।

कार्यक्रम को संबोधित करने वालों में वरिष्ठ कांग्रेस नेता पूर्व प्रमुख देवेंद्र बहादुर सिंह, किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर डॉक्टर आरसी पांडेय, शहर अध्यक्ष मो.आरिफ खान, उपाध्यक्ष शेर बहादुर सिंह, सेवादल अध्यक्ष आरिफ सलमानी ,प्रवक्ता अनिल दुबे, सभासद शाहनवाज मंजूर ,इरसाद खां राजू, केपी प्रजापति इकबाल हुसैन, विजय यादव, मो. सैफ, जब्बर अली सलमानी सहित आदि लोग ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता श्री देवेंद्र बहादुर सिंह, बंशराज मिश्रा ,कुंवर शिव बहादुर सिंह, पूर्व प्रधान सुनीता देवी और विजय तिवारी का अंग वस्त्रम और मेमोंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश सचिव अशोक सैनी ने किया और संचालन पिछड़ा वर्ग विभाग के जिला अध्यक्ष संजय माली द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री मोहन यादव से मिलकर भाजपा नेता ने बताईं क्षेत्रीय समस्याएं

चित्रकूट।मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के सतना आगमन पर भाजपा प्रदेश कार्य समिति के सदस्य चंद्र कमल त्रिपाठी ने उनसे मुलाकात कर क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं, विकास से जुड़े मुद्दों तथा जनहित से संबंधित विषयों को विस्तार से रखा। साथ ही क्षेत्रीय जनता की भावनाओं और अपेक्षाओं से अवगत कराया। मुलाकात के दौरान नगरीय विकास, बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री व नगरीय विकास मंत्री ने प्रस्तुत विषयों को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस संवाद को क्षेत्रीय विकास की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

बड़ा जगदीश मंदिर में किया गया बैकुण्ठ उत्सव का आयोजन

चित्रकूट। धर्मनगरी स्थित रामघाट के बड़ा जगदीश मन्दिर में रविवार को बैकुण्ठ उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें युवराज स्वामी रामप्रपन्नाचार्य महराज का महंती पट्टाभिषेक भी किया गया। धर्मनगरी के बड़ा जगदीश मन्दिर में चल रहे कार्यक्रम के तहत बीती 26 दिसम्बर को बैकुण्ठ उत्सव के तहत कलश स्थापना, देवाराधना और बीती 27 दिसम्बर को प्रबंध पाठादि के बाद रविवार को पूर्णाहुति एवं भण्डारे का आयोजन किया गया। इस दौरान सातों अखाड़ों के महंतों के समक्ष युवराज स्वामी रामप्रपन्नाचार्य महराज का महन्ती पट्टाभिषेक किया गया। बताया गया कि अनंत विभूषित त्रिदण्डी स्वामी हरिप्रपन्नाचार्य महराज के परम पद को प्राप्त हो जाने के बाद इस त्रिदिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें दिगम्बर अखाड़ा भरत मन्दिर के महंत दिव्यजीवन दिवस व संतोषी अखाड़े के महंत रामजी दास ने कहा कि सभी अखाड़े हिन्दू धर्म और सनातन परम्पराओं के साथ भारतीय संस्कृति के विस्तार के लिए काम कर रहे है।

कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर बैनामा कराने का आरोप

चित्रकूट। जनपद चित्रकूट के सदर तहसील से एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिसने रजिस्ट्री विभाग की कार्य प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए है। शिकायतकर्ता विजय किशोर ने जिलाधिकारी को दी गई शिकायत में आरोप लगाया है कि कर्वी तहसील के निबंधक और कर्मचारियों की मिलीभगत से एक भूमाफिया ने सुनियोजित साजिश के तहत महंगी भूमि की फर्जी रजिस्ट्री करा ली है। शिकायतकर्ता ने बताया कि निधंबन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी आम नागरिकों को डराने व धमकाने के लिए फर्जी स्टाम्प चोरी की नोटिस भेजते है और बाद में सौदेबाजी कर ली जाती है।

डीआरएम का झूंसी-रामबाग स्टेशन पर सघन निरीक्षण,भीड़ प्रबंधन व सुरक्षा पर खास जोर

माघ मेला से पहले रोडमैप तैयार रेल महकमा अलर्ट मोड में

वाराणसी। माघ मेला-2026 की तैयारियों को परखने और यात्रियों की सुविधा-सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन ने 28 दिसंबर 2025 को बनारस-प्रयागराज रामबाग रेल खंड का विंडो ट्रेलिंग संरक्षा निरीक्षण किया। इस क्रम में उन्होंने झूंसी और प्रयागराज रामबाग रेलवे स्टेशनों का गहन निरीक्षण कर भीड़ प्रबंधन, यात्री सुविधाओं और सुरक्षा इंतजामों की बारीकी से समीक्षा की।

विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए डीआरएम झूंसी स्टेशन पहुंचे, जहां उन्होंने मेला यात्रियों की अनुमानित संख्या के अनुरूप व्यवस्थाओं, दैनिक यात्रियों के सुचारु आवागमन और स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पैसेंजर होल्डिंग एरिया में सीसीटीवी कवरेज सुदृढ़ करने, यात्री आश्रयों में कचरा प्रबंधन दुरुस्त रखने तथा माघ मेला से जुड़े कार्यों को तय समय में पूरा करने के स्पष्ट निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों को मिलने वाले कंबल, चादर और बेडरोल की भी जांच की गई, ताकि ठंड में किसी तरह की असुविधा न हो। इसके बाद मेला कंट्रोल रूम से भीड़ प्रबंधन को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श कर व्यवस्थाओं को और पुख्ता करने पर जोर दिया गया।

झूंसी के बाद निरीक्षण स्पेशल यान से डीआरएम प्रयागराज रामबाग स्टेशन पहुंचे। यहां प्लेटफार्म, यात्री आश्रय, पैदल उपरिगामी पुल, प्रतीक्षालय, वाटर बूथ, यूटीएस व पीआरएस टिकट काउंटर, स्टेशन भवन, सर्कुलेटिंग एरिया, प्रवेश-निकास मार्गों सहित परिचालनिक और सुरक्षा व्यवस्थाओं की विस्तार से जांच की गई। माघ मेला के दौरान यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए महाकुंभ काल में निर्मित यात्री आश्रय केंद्रों में आवश्यक सुविधाओं की पुनः बहाली का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। यात्रियों की सुरक्षा के लिए आश्रय केंद्रों, टिकट काउंटरों तथा प्रवेश-निकास मार्गों पर सीसीटीवी निगरानी बढ़ाने, बेंचों की संख्या में इजाफा करने और स्टेशन परिसर व पैसेंजर होल्डिंग एरिया की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए। डीआरएम ने वरिष्ठ अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के साथ बैठक कर माघ मेला के दौरान मेला विशेष ट्रेनों के संचालन, रेक हैंडलिंग, शंटिंग, वाशिंग लाइन, बैरिकेडिंग, कर्मचारियों की तैनाती, भीड़ नियंत्रण और आपात स्थिति में आपदा प्रबंधन को लेकर समन्वित कार्ययोजना तैयार करने तथा उसके सख्त अनुपालन पर बल दिया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा) अजय सिंह, अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीरज कुमार, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) विकास कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर-छ्छ आयुष कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (ईएनएचएम) अभिषेक राय, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (कैरेज एवं वैगन) अनुभव पाठक, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त एस. रामाकृष्णन, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर रजत प्रिय, वरिष्ठ मंडल संरक्षा सह परिचालन प्रबंधक बालेंद्र पाल, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य) पंकज केशवानी, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (आप) धर्मेंद्र यादव, सहायक मंडल वाणिज्य प्रबंधक डी.के. सिंह, सहायक मंडल इंजीनियर ममता सिंह सहित वरिष्ठ पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।यह जानकारी जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने मीडिया को दी।

बच्चों को बांटे पाठ्य सामग्री और गर्म कपड़े

चित्रकूट। प्रयास सामाजिक संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आजमगढ़ के रणजीत सिंह द्वारा धर्मनगरी के रामघाट स्थित तोता मुखी हनुमान मंदिर के मंहत मोहित दास को संस्था का उपाध्यक्ष मनोनित किया है। साथ ही घनश्याम सिंह को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस दौरान संस्था के कार्यकर्ताओं द्वारा पाठा क्षेत्र की आदिवासी बस्तियों में कंबल वितरित किए गए। साथ ही बच्चों को स्वेटर, जूते, मोजे, कॉपी, पेंसिल, रबर, कटर आदि का वितरण किया गया। संस्था के कार्यकर्ताओं द्वारा पुरुषों को कंबल, महिलाओं को साड़ी व बच्चों को पाठ्य सामग्री आदि का वितरण किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष रणजीत सिंह ने कहा कि चित्रकूट की धरती बहुत ही पावन है, यहां आकर कामतानाथ के दर्शन करने के बाद सामाजिक कार्य करने में बहुत ही खुशी महसूस होती है। नव नियुक्त उपाध्यक्ष महंत मोहित दास ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए जिला इकाई द्वारा निरंतर असहायों की सेवा करने का संकल्प लिया। इस मौके पर जिला इकाई के अध्यक्ष वनवासी आश्रम के धनीराम दास सहित आदि मौजूद रहे।

चित्रकूट के गौरव शशि शेखर मिश्र को मिला दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मान

चित्रकूट।मऊ नगरपंचायत के मूल निवासी डॉ. शशि शेखर मिश्र जोकि वर्तमान में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय सिद्धार्थ नगर के सम्बद्ध संस्थान में बीएड विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में सेवारत हैं, उनके द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदान के लिए नेपाल सरकार के केंद्रीय संस्थान राजर्षि जनक विश्वविद्यालय जनकपुरधाम द्वारा एक्सीलेंट टीचर अवार्ड प्रदान किया गया। इसके पूर्व डॉ. शशि शेखर को त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू नेपाल द्वारा बेस्ट टीचर अवार्ड प्रदान किया गया था। इस अवसर पर राजर्षि जनक विश्वविद्यालय जनकपुर के कुलपति प्रो. अमर प्रसाद यादव, राजर्षि विश्वविद्यालय के रिसर्च केंद्र के प्रमुख प्रो. मनोज यादव, विदेशी भाषा केंद्र प्रमुख डॉ. विनोद शाह, राजर्षि जनक विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार सत्य नारायण शाह, लाल बहादुर शास्त्री पीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. राम पाण्डेय, गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय की शिक्षाविद प्रो. ज्योति वर्मा, जे.आर.डी. विश्वविद्यालय चित्रकूट की शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नीतू तिवारी, कालिंदी प्रकाशन के प्रमुख डॉ. अमित दुबे एवं अन्य विद्वतजन उपस्थित रहे।

रेल मंत्रालय राजभाषा हिंदी प्रयोग करने के बूते वाराणसी मंडल वैजयंती पुरस्कार से सम्मानित!

मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी ने अधिकारियों व कर्मचारियों को दी बधाई

वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे का वाराणसी मंडल एक बार फिर अपनी कार्यकुशलता और हिंदी के सशक्त प्रयोग के कारण राष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित हुआ है। राजभाषा हिंदी के उत्कृष्ट, प्रभावी और नवाचारी कार्यान्वयन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए वाराणसी मंडल ने एक स्वर्णिम उपलब्धि अपने नाम की है। रेल मंत्रालय के अधीन रेलवे बोर्ड द्वारा आचार्य महावीर प्रसाद चल वैजयंती पुरस्कार योजना (आधार वर्ष 2024) के अंतर्गत वाराणसी मंडल को आदर्श मंडल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। रेलवे बोर्ड के राजभाषा निदेशालय ने वर्ष 2024 के दौरान हिंदी में किए गए गुणवत्तापूर्ण, रचनात्मक और प्रभावशाली प्रशासनिक कार्यों के आधार पर यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया। पुरस्कार स्वरूप वाराणसी मंडल को आदर्श मंडल राजभाषा शील्ड दी गई, जो हिंदी को कार्यसंस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाने के सतत प्रयासों की पहचान है। यह सम्मान 26 दिसंबर 2025 को अपराह्न 15:30 बजे रेल भवन स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित रेलवे बोर्ड राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के दौरान रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार द्वारा प्रदान किया गया।मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन ने इस गौरवपूर्ण सम्मान पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई देते हुए इसे टीमवर्क, निरंतर प्रयास और हिंदी के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि वाराणसी मंडल भविष्य में भी राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक और प्रभावी प्रयोग के लिए नई पहल करता रहेगा।

सम्पादकीय

दिल्ली में नहीं चलेगा चाइनीज प्लान, पेइचिंग ने वायु प्रदूषण पर नियंत्रण पाया, हमारी चुनौतियां अलग

दिल्ली के वायु प्रदूषण पर चीन के सुझावों को लेकर शोधकर्ताओं ने पेइचिंग मॉडल का अध्ययन किया है। चीन ने कम समय में वायु गुणवत्ता में सुधार किया है। भारत को चीन के अनुभवों से सीखना चाहिए, लेकिन अपनी परिस्थितियों के अनुसार समाधान खोजना होगा। पेइचिंग मॉडल की नकल भारत में संभव नहीं है। दिल्ली के प्रदूषण को लेकर सोशल मीडिया पर आजकल खूब चुटकी ली जा रही है। चीनी दूतावास की एक प्रवक्ता का हालिया ट्वीट भी ऐसा ही है। उन्होंने कहा कि पेइचिंग को जिन तरीकों से वायु प्रदूषण से मुक्ति मिली, वे तरीके वह दिल्ली को बता सकती हैं। मगर यह बिना मांगे और बेकार का सुझाव है। मैंने और भारत के कई दूसरे रिसर्चर्स ने भी पेइचिंग के प्रदूषण और उसमें आई कमी को देखा है। हमने 'पेइचिंग मॉडल' का अध्ययन किया है। इसकी कामयाबी और सीमाओं को समझा है। सबसे पहले तो यह मानना जरूरी है कि चीन से आने वाली सूचना कभी पूरी नहीं होती और उस पर सख्त सरकारी नियंत्रण होता है। पेइचिंग के बारे में जानकारी नहीं मिलती कि प्रदूषण नियंत्रण पर उसे कितना पैसा खर्च करना पड़ा। प्राइवेट सेक्टर पर कैसी जिम्मेदारी डाली गई? प्रदूषण कम करने के लिए नियमों का पालन कैसे कराया गया और इन सबकी सामाजिक लागत क्या रही? इसमें कोई संदेह नहीं कि पेइचिंग ने कम वक्त में एयर क्वॉलिटी में काफी सुधार किया। भारत उसके अनुभवों से सीख सकता है और सीखना भी चाहिए, लेकिन इसका मतलब नकल करना नहीं है। हमें साफ तौर पर समझना होगा कि क्या लागू किया जा सकता है और क्या नहीं। यह भी देखना होगा कि भारत की समस्या किस तरह से अलग है और उसके लिए कौन-से समाधान चाहिए। चीन ने पेइचिंग-तिआनजिन-हेबेई में एक साथ काम किया। यह इलाका करीब 2.2 लाख वर्ग किमी में फैला है। इसके तहत दो केंद्र शासित क्षेत्र हैं - पेइचिंग और तिआनजिन, जबकि हेबेई प्रांत में 11 शहर आते हैं। इसलिए इस काम के लिए आपसी तालमेल चुनौतीपूर्ण था, लेकिन वहां प्रशासनिक ढांचा सरल है इसलिए यह मुमकिन हो पाया। दिल्ली में इसी तरह का मॉडल लागू करना कहीं ज्यादा मुश्किल है। यहां योजना को असरदार बनाने के लिए 150 किमी का एरिया शामिल करना होगा। इसमें दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान के इलाके आ जाएंगे। दिल्ली में ही तीन स्तरों पर शासन चलता है - केंद्र, राज्य और स्थानीय निकाय। ऐसे में यहां नया प्रशासनिक मॉडल बनाना पड़ेगा। पब्लिक ट्रांसपोर्ट और ईं के मामले में भी पेइचिंग से कुछ सबक सीखा जा सकता है। उसने उत्सर्जन मानक कड़े कर दिए, साफ ईंधन अपनाया और पुराने वाहनों को हटा दिया। दिल्ली में भी ये उपाय किए जा रहे हैं, पर उतनी सफलता नहीं मिली है। एक बड़ा फर्क यह है कि पेइचिंग ने निजी वाहनों की बढ़ोत्तरी पर सख्ती से रोक लगाई। पेइचिंग ने कोयले का इस्तेमाल 90प्रतिशत तक घटा दिया और पावर प्लांट पर सख्त नियंत्रण लगाया है।

रंपरा से खिलवाड़! पुरी जगन्नाथ मंदिर ने मोदी का खींचा ध्यान

रेनू तिवारी

श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाढ़ी ने कहा, हमारी जानकारी के अनुसार, गजपति महाराजा ने इस्कॉन द्वारा गैर निर्धारित समय पर रथ यात्रा निकाले जाने की जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय को दे दी है।

पुरी के नाममात्र के राजा, गजपति महाराजा दिब्यसिंह देव ने सोमवार को इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस पर श्री जगन्नाथ संस्कृति के खिलाफ 'गलत जानकारी' फैलाने का आरोप लगाया और धार्मिक विद्वानों और भक्तों से 'असमय' रथ यात्रा आयोजित करने का विरोध करने का आह्वान किया। 'जगन्नाथ संस्कृति' का मतलब ओडिशा के मुख्य देवता भगवान जगन्नाथ की पूजा से जुड़ी परंपराएं, रीति-रिवाज और दार्शनिक मान्यताएं हैं। पुरी के प्रतीकात्मक राजा गजपति महाराजा दिब्यसिंह देब ने अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) द्वारा भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा 'गैर परंपरागत तिथियों पर' आयोजित करने की ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ध्यान आकर्षित किया। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस्कॉन ने गजपति महाराजा को सूचित किया है कि व्यवस्थागत

समस्याओं के कारण विभिन्न देशों में एक ही तिथि पर रथ यात्रा आयोजित करना संभव नहीं है। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाढ़ी ने कहा, हमारी जानकारी के अनुसार, गजपति महाराजा ने इस्कॉन द्वारा गैर निर्धारित समय पर रथ यात्रा निकाले जाने की जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय को दे दी है। वे भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथ यात्रा आयोजित करने के संबंध में शास्त्रों द्वारा निर्धारित नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। महाराजा दिब्यसिंह देब ने सोमवार को इस्कॉन पर श्री जगन्नाथ संस्कृति के खिलाफ गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया और धार्मिक विद्वानों एवं श्रद्धालुओं से रथयात्रा के तय समय के अलावा आयोजन का विरोध करने का आह्वान किया। जगन्नाथ संस्कृति से तात्पर्य ओडिशा के प्रमुख देवता भगवान जगन्नाथ की पूजा से संबंधित परंपराओं, अनुष्ठानों और दार्शनिक मान्यताओं से है। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंधन समिति (एसजेटीएमसी) के अध्यक्ष और पुरी मंदिर के सर्वोच्च निर्णय लेने वाले निकाय के अध्यक्ष देब ने कहा कि शास्त्रों द्वारा स्वीकृत तिथियों के अलावा अन्य तिथियों पर रथ यात्रा का आयोजन करना स्थापित परंपरा से गंभीर विचलन है और जगन्नाथ संस्कृति की पवित्रता के लिए खतरा पैदा करता है। भगवान जगन्नाथ के पहले सेवक माने जाने वाले देब की ये टिप्पणियां इस्कॉन के उस बयान के संदर्भ में आई हैं जिसमें कहा गया है कि रसद संबंधी समस्याओं के कारण विभिन्न देशों में एक ही तिथि पर रथ यात्रा आयोजित करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा, समय से पहले रथ यात्रा का आयोजन करना एक गंभीर विचलन है। इस्कॉन, शास्त्रों और श्री जगन्नाथ परंपरा का उल्लंघन कर रहा है। इसने एक बहुत ही खतरनाक प्रवृत्ति को जन्म दिया है जिसका अनुसरण अब अन्य लोग भी कर रहे हैं, जिससे जगन्नाथ संस्कृति की पवित्रता कमजोर हो रही है। गजपति महाराजा रविवार शाम को यहां श्री जगन्नाथ चेतना अनुसंधान संस्थान की एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने ओडिशा और पूरे देश के लोगों को जगन्नाथ संस्कृति के प्रचार के नाम पर शास्त्रों के निर्देशों से विचलन के रूप में वर्णित कार्यों के प्रति आगाह किया। शास्त्रों के अनुसार, भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा प्रतिवर्ष आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वितीया तिथि (जून-जुलाई) को आयोजित की जाती है। हालांकि, इस्कॉन ने एसजेटीएमसी को लिखे पत्र में कहा है कि विश्व स्तर पर मनाई जाने वाली इस रथ यात्रा को किसी एक निश्चित तिथि पर आयोजित करना संभव नहीं होगा।

हालांकि, संगठन ने पुरी के मूल पीठ की परंपरा के अनुरूप विश्व स्तर पर एक ही दिन स्नान पूर्णिमा का अनुष्ठान मनाने पर सहमति व्यक्त की। देब ने कहा, शास्त्रों द्वारा स्वीकृत न की गई तिथियों पर रथ यात्रा आयोजित करने की प्रथा श्री जगन्नाथ संस्कृति के खिलाफ सबसे गंभीर गलत सूचना अभियानों में से एक के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा, जगन्नाथ संस्कृति के प्रचार के नाम पर व्यापक उल्लंघन और गलत सूचनाओं का प्रसार हो रहा है। इस वर्ष अक्टूबर में इस्कॉन ने यह स्पष्ट किया कि वह शास्त्रों में निर्धारित तिथि के अनुसार रथ यात्रा का आयोजन नहीं करेगा।

ओड़िया लोगों को शांतिप्रिय और सहिष्णु मानते हुए प्रतीकात्मक राजा ने कहा कि धार्मिक विद्वानों और भक्तों के लिए अपने विचार दृढ़ता से व्यक्त करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, चुप रहने से विचलन को और बढ़ावा मिल सकता है। यदि कड़ा विरोध नहीं किया गया तो अनियमित अनुष्ठान धीरे-धीरे सामान्य हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इस्कॉन के साथ कई दौर की बातचीत से कोई परिणाम नहीं निकला है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रथ यात्रा का पालन शास्त्रों में दिए गए निर्देशों और पुरी के श्री जगन्नाथ मंदिर की सदियों पुरानी परंपराओं के अनुसार ही किया जाना चाहिए। एसजेटीएमसी को 19 अक्टूबर को लिखे एक पत्र में इस्कॉन गवर्निंग बॉडी कमीशन के अध्यक्ष गोवर्धन दास ने कहा कि संगठन ने भारत और विदेश में स्थित अपने सभी मंदिरों में ज्येष्ठ पूर्णिमा की निर्धारित तिथि पर स्नान यात्रा मनाने पर सहमति व्यक्त की है। हालांकि, उन्होंने कहा कि शास्त्रों और परंपरा द्वारा निर्धारित तिथि पर भारत के बाहर रथ यात्रा निकालने के एसजेटीएमसी के निर्णय से इस्कॉन सहमत नहीं हो सका।

अमेरिका की खनिजों को लेकर साम्राज्यवादी सोच

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नजर अब दुनिया के खनिज संपदा संपनन्न देशों की और है। ट्रम्प का यह अब यह छिपा एजेण्डा भी नहीं रहा क्योंकि यूक्रेन को सहायता के बदले उसकी खनिज संपदा के प्रबंधन का जिम्मा अमेरिका लेने के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की पर लगातार दबाव ड़ाल रहे हैं। यूक्रेन 500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की खनिज संपदा को लेकर अमेरिका के साथ समझौता करने को भी लगभग तैयार हो गया पर पिछले दिनों जेलेंस्की की अमेरिका यात्रा के दौरान ट्रम्प और जेलेंस्की में जिस तरह की कड़बाहट भरी नोकझोंक हुई है उसने इस डील को फिलहाल तो कमजोर कर दिया है। हांलाकि यूक्रेन के जेलेंस्की ने यूरोप यात्रा के दौरान राष्ट्रहित में अमेरिका के साथ समझौता करने पर लगभग सहमति वाली बात कही है। उधर रुस नहीं चाहता कि इस तरह का कोई समझौता अमेरिका व रुस के बीच हो, यही कारण है कि रुस ने भी रुस की खनिज संपदा को लेकर अमेरिका से समझौते के लिए खुला निमंत्रण दे दिया है। दरअसल अमेरिका स्वय खनिज संपदा संपनन्न देष है। इसके साथ ही खनिज संपदा के मामलें में देखा जाए तो अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता देश है। इसके साथ ही अमेरिका खनिजों खासतौर से दुर्लभ खनिजों के मामलें में चीन का बर्चस्व चीन पर निर्भरता खत्म या यों कहे कम करना चाहता है। इसी कारण से दुनिया के खनिज संपदा संपनन्न देशों पर ट्रम्प की ललचाई नजर साफ दिखाई दे रही है। अभी पिछले दिनों ही ट्रम्प ने कनाडा को अमेरिका 51 वां राज्य कहकर संबोधित किया है। उधर कनाडा के राष्ट्रपति जस्टिन ट्रूडो साफ साफ कह चुके है कि अमेरिका की नजर कनाड़ा की खनिज संपदा पर है और वह कनाड़ा को अमेरिका का 51वां राज्य बनने के लिए दबाव बनाये हुए है। हांलाकि जस्टिन ट्रूडो इसको ट्रम्प का दिवा स्वपन ही बता रहे हैं। उधर अमेरिका एन केन प्रकारेण अफगानिस्तान में प्रवेश करना चाहता है जहां की खनिज संपदा को वह हथिया सके। हांलाकि तालिबानियों के रहते फिलहाल तो ऐसा संभव नहीं लग रहा है। यह दूसरी बात है कि अमेरिका-रुस के बीच बन रहे नए समीकरणों का भविष्य क्या रहता

है? इस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। देखा जाए तो अर्वाचिन काल से ही खनिज संपदा का अपना महत्व रहा है। पर इलेक्ट्रोनिक युग में दुनिया के देशों के लिए खनिज संपदा का महत्व और मांग तेजी से बढ़ गई है। आज विकास की परिकल्पना को खनिजों की उपलब्धता के आधार पर ही साकार किया जा सकता है। नए युग की आवश्यकताओं की पूर्ति इन रेयर खनिजों से ही संभव हो पा रही है। एक समय था जब सोना, चांदी, तांबा आदि की और अधिक ध्यान केन्द्रीत होता था आज उसका स्थान दुर्लभतम खनिज लेते जा रहे हैं। इसका कारण भी साफ है। उर्जा के क्षेत्र में लगभग 90 प्रतिशत, औद्योगिक क्षेत्र में करीब 80 प्रतिशत, कृषि क्षेत्र में 70 प्रतिषत तक कच्चे माल या सहायक के रुप में भूगर्भ की खनिज संपदा की भागीदारी है। आज दुनिया के 90 प्रतिशत रेयर अर्थ पर चीन की मोनोपोली है। दुनिया में खनिज संपदा के क्षेत्र में चीन शीर्ष पर है। चीन में 4.6 बिलियन टन प्रतिवर्ष, दूसरे नंबर में अमेरिका 2.2 बिलियन टन, तीसरे नंबर पर रुस 1.7 बिलियन टन और चौथे नंबर पर आस्ट्रेलिया 1.4 बिलियन टन सालान खनिज संपदा का उत्पादन कर रहे हैं। चीन की संपनन्ता का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि दूसरे नंबर के अमेरिका की तुलना में चीन में लगभग दो गुणा अधिक खनिज संपदा का उत्पादन हो रहा है। कनाडा और यूक्रेन के प्रति अमेरिकी नीति से यह साफ हो जाता है। अमेरिका यूक्रेन की रेयर अर्थ एलिमेंट संपदा के नियंत्रण के माध्यम से खनिजों के क्षेत्र में चीन को पीछे छोड़कर स्वयं का नियंत्रण बनाना चाहता है। यूक्रेन में ग्रेफाइट, लिथियम, आदि रेयर अर्थ के भण्डार है। लिथियम के 19 मिलियन टन भण्डार होने के साथ ही विष्व के प्रमुख पांच ग्रेफाइट उत्पादक देशों में यूक्रेन है। यूक्रेन में आरईई के 17 तत्वों के समूहों वाले खनिजों में से बहुतायत में भण्डार है। अफगानिस्तान के साथ अमेरिका 2017 में समझौता कर चुका है पर तालिबान के प्रवेश के कारण अमेरिका का सपना अधूरा रह गया। हांलाकि 2021 में भी अफगानिस्तान से समझौते की पहल अमेरिका से कर चुका है। अभी भी अमेरिका की अफगानिस्तान की खनिज संपदा पर पूरी नजर है और अमेरिकी-रुस नजदीकी के प्रयास इस दिशा में आगे बढ़ेंगे। यह साफ है कि आज रिचार्जेबल बेटरी, मोबाईल, कम्प्यूटर चिप, हवाई जहाज के उपकरणों में उपयोग होने वालों के साथ ही उर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपयोग के खनिज भण्डार है। चीन पर निर्भरता कम करने के साथ ही अमेरिका अपना वर्चस्व बनाने के लिए संभावित सभी देशों पर योजनावद्ध तरीके से दबाव बना रहा है ताकि बदलती औद्योगिक सिनेरियों में अमेरिका की तूंती और अधिक तेजी से बज सके और अन्य देश अमेरिका पर निर्भर हो सके। अमेरिका खनिज संपदा का आर्थिक सामाजिक और औद्योगिक विकास का प्रमुख आधार बनाना चाहता है और इस तरह से वह अपना वर्चस्व कायम करने के लिए योजनावद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है।

बिहार में हिंदुत्व की समां बंधने से सियासी दलों की बेचैनी बढ़ी

कमलेश पांडे

बिहार में विधानसभा चुनाव इसी वर्ष अक्टूबर-नवम्बर महीने में होंगे। हालांकि, उससे महीनों पहले राज्य में धार्मिक और राजनीतिक सरगमियां तेज हो चुकी हैं। कहीं एनडीए और यूपीए एक दूसरे के खिलाफ ताल ठोकते प्रतीत हो रहे हैं तो कहीं उनके गठबंधन के अपने ही साथी एक-दूसरे को रणनीतिक मात देते हुए अपनी सीटें बढ़ाने को लेकर बेताब नजर आ रहे हैं। इस नजरिए से भाजपा-जदयू की धींगामुश्ती और राजद-कांग्रेस की अंदरूनी कुश्ती के बीच चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी सबके बने बनाए खेल बिगाड़ रही है। एक तरफ जहां धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय के वोटों का बिखराव तय माना जा रहा है, वहीं हिंदुत्व का नया जनज्वार यहां भी पैदा होती दिखाई दे रही है। इससे जदयू के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कम, लेकिन पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और उनके समर्थक ज्यादा परेशान हैं। इस बीच बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री जब अपने हिंदू राष्ट्र के एजेंडे के साथ बिहार पहुंचे, तो रही सही कसर पूरी हो गई। क्योंकि उनका हुर्मुठ धार्मिक अंदाज बिहारियों पर भी अपना छाप छोड़ेगा ही। उधर, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत सुपौल में और आर्ट ऑफ लिविंग के श्रीश्री रविशंकर भी पटना में यानी राज्य में मौजूद हैं। इससे धीरेंद्र शास्त्री के गोपालगंज में पांच दिवसीय हनुमंत कथा की समां बंध चुकी है। वहीं, बिहार में हिंदुत्व की समां बंधने से सियासी दलों की बेचैनी भी बढ़ चुकी है। दरअसल, अपने हिंदुत्व का बिगुल फूंकते हुए बागेश्वरधाम सरकार धीरेंद्र शास्त्री ने कहा है कि वह किसी राजनीतिक दल के प्रचारक नहीं बल्कि हिन्दू धर्म के विचारक हैं।

पंडित शास्त्री का यह कहना कि वह अब सनातनियों को झुकने नहीं देंगे, हिंदुओं की आबादी घटने नहीं देंगे, और भारत के पहले ही बहुत टुकड़े हो चुके हैं, इसलिए अब भारत के और टुकड़े होने नहीं देंगे, को सुनकर हिन्दू गदगद हैं। वहीं, पंडित शास्त्री ने सवालिया लहजे में यह पूछकर अपना धार्मिक एजेंडा स्पष्ट कर दिया है कि ईसाइयों के हितचिंतक 95 देश हैं, इस्लामी मतावलंबियों यानी मुसलमानों के हितचिंतक 65 देश हैं, लेकिन हिंदुओं का हितचिंतक कौन देश है?

उन्होंने अपनी चिंता प्रकट करते हुए आगे कहा कि भारत, पाकिस्तान, बंगलादेश, नेपाल, भूटान, फिजी, मॉरीशस, सूरीनाम आदि देशों में जो 150 करोड़ हिन्दू हैं, जो दुनिया की तीसरी बड़ी धार्मिक आबादी है, उनका हितचिंतक तो अखंड भारत के ही देशों को होना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है। यदि ये ऐसा नहीं करेंगे तो हम डंके की चोट पर उनसे हिंदुत्व से जुड़े ये कार्य करवाएंगे, लेकिन हिंदुओं का अहित नहीं होने देंगे। उन्होंने दो टूक लहजे में कहा कि हम हिंदुओं के लिए ही जीयेंगे और हिंदुओं के लिए ही मरेंगे। इसलिए हम पूरे भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में घूम-घूम कर हिंदुत्व का अलख जगा रहे हैं।मुझे बिहार के लोगों से ज्यादा उम्मीद है। हिन्दू राष्ट्र की मजबूत हुंकार इसी क्रांतिकारी भूमि से भरी जाएगी।

स्वाभाविक है कि बिहार में बागेश्वर धाम सरकार धीरेंद्र शास्त्री का एक धार्मिक नेता वाला अवतार दिखा। इससे पहले वह उड़ीसा, झारखंड, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान आदि राज्यों को भी हिंदुत्व और भारतीयता के लिहाज से जगाते चले आ रहे हैं। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने आगे कहा कि जिंदगी कितनी भी अच्छी हो, यदि इसमें भक्ति ना हो तो वह किसी काम की नहीं। जीवन में भक्त और भक्ति एक दूसरे के बिना सफलता की कामना संभव नहीं है। इसलिए पुरुषार्थ करते रहिए, जीवन में सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने कहा, जीवन में सबका सम्मान करें। छोटे से छोटे व्यक्ति भी सम्मान के पात्र होते हैं। जीवन के कर्तव्यों के साथ-साथ भक्ति भी जरूरी है। भक्ति के बिना सफल जीवन की कामना बेकार है।

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर ने कहा, भारत को बंटने नहीं देंगे, हिंदुओं को घटने नहीं देंगे, हम हिंदू राष्ट्र बनाने आए हैं। उन्होंने कथा के दौरान ही कहा, हम किसी पार्टी के प्रचारक नहीं, बल्कि हिंदुत्व के विचारक हैं। यह देश हमारा है, यह बिहार हमारा है। हम हिंदुत्व जगाने आए हैं। हिंदू राष्ट्र बनाने आए हैं। उन्होंने दुनिया में अलग-अलग देश में रह रहे अलग-अलग समुदाय के साथ हिंदुत्व पर चर्चा करते हुए भारतवर्ष को एक महान राष्ट्र बताया। उन्होंने कहा, हम हिंदू को एकजुट करने आए हैं। आप हमें रामनगर में जब तक रखेंगे

हम तब तक रहेंगे। पांच दिवस ही क्या, पांच महीने तक हम हिंदुत्व के लिए कथा करते रहेंगे। विदेश से भी श्रद्धालु कथा का श्रवण करने पहुंचे हैं। इससे बागेश्वरधाम सरकार श्री शास्त्री की लोकप्रियता और भी परवान चढ़ने लगीहै।

चूंकि बिहार राज्य में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसको लेकर सभी दलों ने जोर आजमाइश भी शुरू कर दी है। इस लिहाज से मार्च के पहले-दूसरे सप्ताह में, वो भी होली से ठीक पहले बिहार में एक साथ आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, बागेश्वर सरकार धीरेंद्र शास्त्री और आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर का दौरा करना महत्वपूर्ण है। इससे सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता के लिहाज से सजग रहे बिहार में हिंदुत्व का एक नया उफान पैदा होगा, जिससे सूबे में भाजपा की जड़ें और मजबूती से जमेंगी। चूंकि उड़ीसा विधानसभा चुनाव में जीत चुकी भाजपा झारखंड विधानसभा चुनाव में मुँहकी खा चुकी है। इसलिए आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को वह हर हाल में जीतना चाहती है। चूंकि वह यहां पर जदयू के साथ चुनाव लड़ती आई है, इसलिए वह विपक्षी पार्टी राजद और कांग्रेस को इतना कमजोर कर देना चाहती है कि उसके सहयोग से जदयू पुरानी बारगेनिंग करने लायक नहीं बचे। इसलिए वह इस बार जदयू की सीटों की संख्या को भी कतरने का मन बना चुकी है। यह सबकुछ करना इसलिए बेहद जरूरी है कि 2026 के पूर्वार्द्ध में ही पश्चिम बंगाल विधानसभा के चुनाव भी होने वाले हैं। जहां चुनाव जीतना दिल्ली के बाद मोदी सरकार की हिट लिस्ट में है।

समझा जाता है कि एक के बाद एक यानी हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली जैसी मुश्किल विधानसभा चुनावों में अपनी जीत का परचम लहरा चुकी भाजपा अब बिहार में भी वही प्रयोग करने जा रही है। आरएसएस और अपनी आनुषंगिक इकाइयों के माध्यम से वह जन जन को साधना चाहती है, ताकि नीतीश कुमार पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना रहे और सीटों के बंटवारे में वो कम सीट पर चुनाव लड़ने को राजी हो जाएं। वहीं, यदि इसमें को अप्रत्याशित बाधा भी आए तो राज्य में हिंदुत्व की लहर इतनी प्रचंड हो जाए कि धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय जैसी जातिवादी और धार्मिक सोच हवा-हवाई हो जाए। यही वजह है कि गोपालगंज में बागेश्वर सरकार धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के 5 दिवसीय हनुमंत कथा के आयोजन से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पूर्व मुख्यमंत्री राजद नेता तेजस्वी यादव की सियासी नींद उड़ चुकी है। वहीं, प्रयागराज महाकुंभ के बाद भाजपा की राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय हवा बनी है, उससे भी ये नेता भीतर ही भीतर परेशान हैं।तेजस्वी यादव और उनके समर्थक तो इस आयोजन को लेकर उटपटांग बयानबाजी भी तेज कर चुके हैं। वहीं, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद के गृह जनपद गोपालगंज के भोरे प्रखंड के रामनगर स्थित श्रीराम जानकी मठ इन दिनों हिंदुत्व व सनातनियों की आस्था का केंद्र बना हुआ है। यहां भारी संख्या में श्रद्धालु धीरेंद्र शास्त्री की कथा सुनने के लिए पहुंचे हुए हैं। इस श्रीराम जानकी मठ में धीरेंद्र शास्त्री ने कथा से पहले हिन्दुओं के अस्तित्व और उनकी सुरक्षा को लेकर बहुत बड़ा बयान दिया है। गुरुवार की देर शाम कथा वाचक धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि वे यहां अपने लिए थोड़े आए हैं, वे इस देश के हिन्दुओं को जगाने के लिए आए हैं। उन्होंने कहा वे अपनी लड़ाई नहीं लड़ रहे हैं बल्कि दुनिया के 150 करोड़ हिन्दुओं की लड़ाई लड़ने आए हैं। उन्होंने कथा के दौरान यहां तक कह दिया कि, वे किसी पार्टी के लिए थोड़े आते हैं। वे किसी के लिए वोट मांगने थोड़े आते हैं। वे तो सिर्फ हिन्दुओं के अलख को जगाने आते हैं। बागेश्वर धाम सरकार ने साफ-साफ अंदाज में कहा कि छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं। यानी उनके खिलाफ जगह जगह बयान देने वालों के लिए धीरेंद्र शास्त्री ने दो टूक शब्दों में 'सेम टू यू' वाला मुहावरा दुहरा दिया।

बता दें कि कुछ दिनों पहले ही उन्होंने अपने प्रवचन में हिंदुत्व और हिंदु राष्ट्र को लेकर एक बड़ा बयान दिया था और दो टूक कहा था कि देश में सिर्फ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) नहीं बल्कि हिंदुत्व इंटेलिजेंस (एच आई) भी होना चाहिए। तब मीडिया से मुखातिब होते हुए पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने यहां तक कहा था कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए हमारा प्रयतन जारी है। भारत हिंदू राष्ट्र बने। उन्होंने आगे कहा कि हिंदू राष्ट्र का मतलब किसी मजहब के खिलाफ नहीं है बल्कि हिंदू राष्ट्र का मतलब सबको लेकर चलना, जैसे दुबई में अलग-अलग संस्कृति के लोग एक साथ रहते हैं। उसी तरह भारत में भी सबको रहने का अधिकार है। यह भारत किसी का एक नहीं बल्कि सबका है। इससे उनके श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ी। इस मौके पर ही पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने यह भी कहा था कि सबके दादा-परदादाओं ने आजादी के लिए युद्ध लड़े हैं, अपने प्राणों की आहुतियां दी हैं। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व का मतलब है जीवन जीने की सही विचार धारा। हिंदुत्व का मतलब अहिंसावादी जीवन है। हिंदुत्व का मतलब सबको लेकर चलने और भारत को विश्व गुरु बनाने की पहल है।

वहीं, इससे पहले एक कार्यक्रम में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा था कि वहां (संभल में) सदियों से बंद पड़े हनुमान मंदिर, शिव मंदिर खोज कर और खुदाई के बाद निकले हैं। जहां जहां रह गए हैं, वहां भी निकलेंगे। उन्होंने कहा कि ये सनातन का युग है, स्वर्ण युग है। हमारे देश में आक्रांताओं ने जिनमें ब्रिटिश, मुगल और चंगेज खान जैसे धुर्तों ने भारतीय सनातन संस्कृति की धरोहर को तोड़कर मस्जिदों को बनाया है, अब वहां दोबारा मंदिर स्थापित हो रहे हैं।

बच्चों में ब्लड इंफेक्शन होने पर दिखाई पड़ते हैं ये लक्षण

हेल्थ एक्सपर्ट्स से जानिए बचाव के तरीके

सेहतमंद बने रहने के लिए इम्यून सिस्टम को स्ट्रांग बनाना बहुत जरूरी होता है। वहीं छोटे बच्चों की इम्यूनिटी काफी कमजोर होती है, ऐसे में उनको इंफेक्शन का अधिक खतरा होता है। इसमें सेप्सिस भी शामिल किया जाता है, जिसको ब्लड इंफेक्शन कहा जाता है। ब्लड इंफेक्शन होने पर बच्चे को थकान और कमजोरी हो सकती है। छोटे बच्चों में ब्लड इंफेक्शन होने का खतरा अधिक होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए बताने जा रहे हैं कि ब्लड इंफेक्शन की समस्या होने पर छोटे बच्चों में क्या लक्षण नजर आते हैं। साथ ही यह भी जानेंगे इससे कैसे बच्चे का बचाव करना चाहिए। **सेप्सिस के कारण:** सेप्सिस एक गंभीर रोग है, इसमें बैक्टीरिया व जीवाणु से संक्रमण होने का खतरा होता है। यह किसी भी संक्रमण के कारण से हो सकता है। इसमें आप यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन, लंग्स इंफेक्शन, स्किन इंफेक्शन और पेट से जुड़ी समस्याओं को शामिल कर सकते हैं। यह बच्चों के शरीर के अंगों को प्रभावित कर सकती है। सेप्सिस

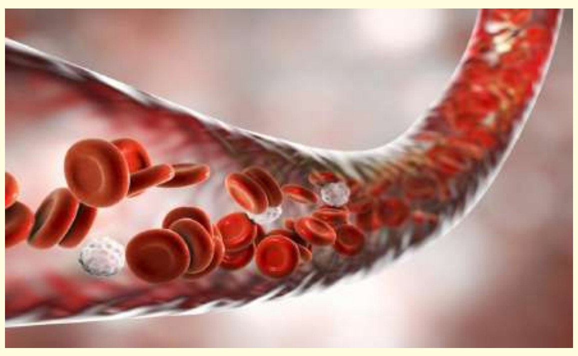

विश्व स्तर पर बाल मृत्यु दर का एक बड़ा कारण माना जा सकता है। विकासशील देशों के बच्चों में सेप्सिस से मृत्यु की दर करीब 50 प्रतिशत से अधिक देखने को मिली है। **बच्चों में ब्लड कैंसर के लक्षण-बुखार आना:** ब्लड इंफेक्शन होने पर बच्चे को बार-बार बुखार आ सकता है। बच्चे को लगातार तेज बुखार आ सकता है। तीन साल से कम उम्र के बच्चों को इसका विशेष जोखिम अधिक होता है। **बच्चों में सुस्ती और चिड़चिड़ापन:** बच्चों में ब्लड संक्रमण होने पर सुस्ती या चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। इस कारण बच्चे सुस्त और थके दिखाई देते हैं। बच्चों के व्यवहार में यह बदलाव इस तरफ संकेत करता है कि आपको फौरन डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। **सांस लेने में परेशानी या तेजी से सांस लेना:** बच्चों को ब्लड इंफेक्शन की समस्या होने पर रेस्पिरेटरी से जुड़ी समस्या हो सकती है। ऐसे में बच्चों को सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। ब्लड इंफेक्शन के कारण कई बार बच्चा तेजी से सांस लेता है, या फिर सांस लेते समय घरघराहट की आवाज हो सकती है। **स्किन में असामान्य परिवर्तन:** ब्लड संक्रमण वाले बच्चों की त्वचा में कई तरह के बदलाव देखने को मिल सकते हैं। बच्चों की स्किन में लालिमा और चकत्ते हो सकते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को बच्चों की त्वचा पर होने वाले बदलावों पर भी नजर रखनी चाहिए। **खाने में आनाकानी करना:** रक्त संक्रमण होने पर बच्चे को भूख लगना कम हो जाती है। ऐसे में भूख न लगने से बच्चा खाना खाने में आनाकानी करने लगता है। वहीं बच्चे का तेजी से वजन भी कम हो सकता है। अगर बच्चा खाना-खाने से मना करता है, तो यह किसी समस्या की ओर संकेत हो सकता है। **बचाव के उपाय:** बच्चों को साफ-सफाई की आदत डालें। बच्चों द्वारा दूध पीने वाली बोतल को डिसइंफेक्टेड जरूर करें। समय-समय पर बच्चे को स्तनपान कराएं। इससे शिशु को सभी पोषक तत्व मिलते हैं और उनमें इंफेक्शन की संभावना भी कम होती है। इंफेक्शन से बचाव के लिए शिशु को समय पर टीका जरूर लगवाएं। बच्चों को बीमार व्यक्तियों के संपर्क में आने से बचाना चाहिए।

सर्दियों में ड्राई स्किन से छुटकारा पाएं अपनाएं ये 5 आसान टिप्स,चेहरा करेगा ग्लो

सर्दियों के मौसम में ठंडी हवा, कम नमी और गरम पानी से नहाने के कारण स्किन जल्दी ड्राई होने लगती है। जिस कारण इस मौसम में चेहरा रूखा, बेजान और खिंचाव वाला दिखने लगता है। लेकिन अगर आप रोजाना आसान स्किन केयर टिप्स को फॉलो करती हैं, तो सर्दियों के मौसम में भी नरम, हेल्दी और ग्लोइंग स्किन पा सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सर्दियों में ड्राई स्किन को ग्लोइंग रखने के 5 आसान टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप भी इन टिप्स को फॉलो करके अपनी ड्राई स्किन को सॉफ्ट और ग्लोइंग बना सकती हैं।

हल्के क्लींजर से साफ करें चेहरा: सर्दियों के मौसम में हार्श फेसवॉश या साबुन त्वचा की नेचुरल नमी को खींच लेते हैं। इसलिए हमेशा क्रीम बेस्ड फेसवॉश या मॉइस्चराइजिंग क्लींजर का इस्तेमाल करें। दिन में कम से कम 2 बार से ज्यादा फेस को नहीं धोना चाहिए। ऐसा करने से आपकी स्किन अधिक ड्राई कर सकती है।

एक्सफोलिएशन: ड्राई स्किन में डेड स्किन जमा होने से फेस रूखा दिखता है। इसलिए सप्ताह में 1-2 बार हल्के स्क्रब से एक्सफोलिएट करें। दही, चीनी, ओट्स या बेसन जैसी माइल्ड नेचुरल चीजों से भी त्वचा को धीरे-धीरे साफ कर सकते हैं। इस दौरान ध्यान रखें कि ओवर स्क्रबिंग स्किन को नुकसान पहुंचा सकती है।

मॉइस्चराइजर लगाएं: सर्दियों के मौसम में मॉइस्चराइजर त्वचा के लिए दवा की तरह काम करता है। फेस धोने के 30 सेकेंड के अंदर फेस पर मॉइस्चराइजर लगाएं। ग्लिसरिन, हायल्यूरोनिक एसिड, शीया बटर या सेरामाइड्स वाली क्रीम सबसे अच्छी रहती है। कम से कम दिन में 2-3 बार क्रीम लगाएं। वहीं रात को थोड़ा भारी क्रीम का इस्तेमाल करना चाहिए।

सनस्क्रीन: सर्दियों में धूप कम होने के बाद भी यूवी किरणें हमारी त्वचा को नुकसान पहुंचाती हैं। इसलिए रोजाना बाहर निकलने से पहले एसपीएफ 30 या फिर इससे भी ऊपर वाला सनस्क्रीन लगाएं। अगर आप लंबे समय तक घर से बाहर रहती हैं, तो हर 3 घंटे बाद सनस्क्रीन री-अप्लाई करें। सनस्क्रीन के इस्तेमाल से स्किन ड्राइनेस, टैनिंग और एजिंग से बचती है। **स्किन को रखें हाइड्रेट:** बता दें कि सिर्फ ऊपर से क्रीम लगाने से काम नहीं चलता है। शरीर में पानी की कमी होने पर भी ड्राइनेस बढ़ती है। इसलिए दिनभर में 8-10 गिलास पानी जरूर पीना चाहिए। आप सूप, नारियल पानी, गर्म पानी और हर्बल टी का सेवन कर सकती हैं। इससे भी हाइड्रेशन मिलता है। वहीं खाने में सब्जियां, फल और ओमेगा-3 वाली चीजों को शामिल करना चाहिए। इसके लिए आप अखरोट, बादाम, एवोकाडो और अलसी के बीज आदि का सेवन करें।

अबॉर्शन के बाद इन चीज़ों से करें परहेज़, रिकवरी को मिलेगी गति, शरीर रहेगा स्वस्थ

अबॉर्शन के बाद एक महिला को कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याओं से गुजरना पड़ता है। अबॉर्शन के बाद महिला को काफी लंबे समय तक कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस दौरान महिला के शरीर में करीब 2 सप्ताह पेट में ऐंठन, दर्द, शरीर में कमजोरी और अधिक ब्लीडिंग जैसी कई समस्याओं का अनुभव हो सकता है। शारीरिक तौर पर महिला को इस परेशानी से निपटने में थोड़ा सा समय लग सकता है।

अबॉर्शन के बाद लक्षणों को मैनेज करने के लिए हेल्दी डाइट लेना चाहिए। ऐसे में जरूरी है कि महिला सभी पोषक तत्वों का सेवन करें और डाइट से जुड़ी कुछ खास बातों का ध्यान रखें। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि अबॉर्शन के बाद महिला को क्या खाना चाहिए और किन चीजों से परहेज करना चाहिए।

करें इन चीजों का सेवन- प्रोटीन युक्त डाइट: अबॉर्शन के बाद पर्याप्त प्रोटीन वाली डाइट लेने से आपकी मांसपेशियों के निर्माण में सहायता मिलती है। यह गर्भपात के बाद शरीर को तेजी से ठीक होने में सहायता करता है।

लिक्विड डाइट: अबॉर्शन के बाद खूब सारे तरल पदार्थों का सेवन करने से बॉडी में खून की कमी नहीं होती है। इसलिए अपनी सेहत को बेहतर बनाने के लिए नारियल पानी, डिटॉक्स ड्रिंक्स और अनार के जूस का सेवन करना चाहिए।

कैल्शियम वाले आहार: प्रेग्नेंट महिला के शरीर में कैल्शियम की कमी होने की संभावना होती है। इसलिए अबॉर्शन के बाद कैल्शियम से भरपूर फूड्स को डाइट में शामिल करना चाहिए।

इन चीजों का न करें सेवन: अबॉर्शन के बाद शुगर वाले प्रोडक्ट्स और जंक फूड्स का सेवन करने से बचना चाहिए। अबॉर्शन के बाद अगर आप बहुत ज्यादा मीठे का सेवन करती हैं, तो आपके ब्लड शुगर का लेवल बढ़ सकता है।

अबॉर्शन के बाद शराब का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे आपके स्वास्थ्य पर गलत प्रभाव पड़ता है। अबॉर्शन के बाद जंक फूड का सेवन सही नहीं है। इसलिए आपको बर्गर, पिज्जा और फ्रेंच फ्राइज जैसे फूड आइटम्स को खाने से बचना चाहिए।

गर्मियों के मौसम में चीनी छोड़कर गुड़ को अपने आहार में शामिल करें

जैगरी जिसे 'गुड़' भी कहा जाता है, इसका उपयोग प्राचीन काल से भारतीय खाना में किया जाता है। कच्चे गन्ने के रस को उबालकर बनाया गया गुड़, यह कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। डॉ. वेदिका प्रेमानी, आहार विशेषज्ञ, सर एच.एन. रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल, मुंबई, का कहना है कि गर्मियों के दौरान गुड़ के सेवन का समर्थन करती हैं, लेकिन सीमित मात्रा में। 'सबसे पहले, गुड़ में कुछ मात्रा में इलेक्ट्रोलाइट्स जैसे पोटेशियम, मैग्नीशियम और सोडियम होते हैं, जो शरीर के तरल पदार्थ के संतुलन को बनाए रखने और डिहाइड्रेशन को रोकने के लिए आवश्यक हैं।' वह सुझाव देती हैं कि रिफाइन चीनी की जगह गुड़ का उपयोग करना चाहिए क्योंकि इसमें आयरन और कैल्शियम जैसे खनिज थोड़ी मात्रा में मौजूद होते हैं। हड्डियों के स्वास्थ्य को बनाए रखने और ऊर्जा चयापचय को सुविधाजनक बनाने के लिए शरीर को इन खनिजों की आवश्यकता होती है।गर्मियों के लिए, डॉ. प्रेमानी कहते हैं, यह आयुर्वेद के अनुसार शरीर को ठंडा करने में सहायता करता है, 'इसे गर्मी से संबंधित बीमारियों जैसे हीटस्ट्रोक और घमौरियों को कम करने के लिए विशेष रूप से फायदेमंद बनाता है'। **पनाकम:** यह लोकप्रिय पारंपरिक दक्षिण भारतीय पेय गुड़, पानी, अदरक, नींबू का रस और इलायची को मिलाकर बनाया जाता है। डिगा ऑर्गेनिक्स और एग्रो फार्म, उत्तर प्रदेश के संस्थापक और कृषक आलोक सिंह कहते हैं, 'यह अपने शीतलन गुणों के लिए जाना जाता है और अक्सर त्योहारों के दौरान या गर्मियों में कूलर के रूप में इसका सेवन किया जाता है।' डॉ प्रेमानी कहते हैं, 'इसे तैयार करने के लिए, गुड़ को पानी में घोलें और उसमें थोड़ा सा अदरक, इलायची और थोड़ा सा नींबू का रस मिलाएं। **नोलेन गुड़ आइसक्रीम:** डॉ. प्रेमानी द्वारा सुझाई गई यह रेसिपी निश्चित रूप से युवाओं के बीच हिट होने वाली है। डॉ. प्रेमानी बताते हैं कि पश्चिम बंगाल से शुरू होने वाली, नोलेन गुड़ आइसक्रीम दूध, क्रीम और एक चुटकी नमक के साथ नोलेन गुड़ (खजूर गुड़) को मिलाकर मलाईदार आधार बनाकर बनाई जाती है। इसे सख्त होने तक फ्रीज में रखें, और भरपूर, कारमेल जैसे स्वाद का आनंद लें जो गर्मी में शरीर को तुरंत आराम पहुंचाता है। **तिल के लड्डू:** हममें से ज्यादातर लोगों की तिल के लड्डू से जुड़ी यादें हैं। पूजा और त्योहारों के दौरान खाई जाने वाली एक आम मिठाई, यह तिल के बीज और गुड़ के साथ बनाई जाती है, जिसे हमारी माताओं और दादी के प्यार भरे हाथों से गोले बनाकर बनाया जाता है। आलोक का कहना है कि ये पौष्टिक और शीतल दोनों हैं। **गुड़ का शरबत:** गर्मियां ठंडे और ताजगी देने वाले पेय के बिना अधूरी हैं। अपने सोडा को गुड़ के शरबत से बदलें। यह पेय पानी में नींबू और जीरा डालकर और तीखे स्वाद के लिए गुड़ और काला नमक मिलाकर बनाया जाता है। इसे 'एक बेहतरीन हाइड्रेटर और शर्करा युक्त सोडा का एक स्वस्थ विकल्प' के रूप में बढ़िया हैं। डॉ. प्रेमानी कहते हैं, 'इसका खट्टा-मीठा स्वाद से डिहाइड्रेशन प्रभावी ढंग से निपटता है।' **गुड़ की कुल्फी:** कुल्फी डेयरी स्वादिष्टता का प्रतीक है। डॉ. प्रेमानी के अनुसार, कुछ कसा हुआ गुड़ के साथ दूध उबालने की सलाह दी हैं, इसे गाढ़ा होने तक कम करें और कुल्फी के सांचों में डालें। 'तैयार होने तक फ्रीज करें, और मलाईदार भोग का स्वाद लें, जो गर्म गर्मी के दिनों में ठंडक देने के लिए बिल्कुल उपयुक्त है।'

पार्लर जैसा ग्लो मिनटों में, घर बैठे ये 5 आसान स्टेप्स, अब हर फंक्शन पर दिखें सबसे खूबसूरत

हर फंक्शन के लिए लड़कियों को मेकअप करना बेहद पसंद होता है। किसी भी पार्टी में जाने से कई दिन पहले से लड़कियां तैयारियां शुरूकर देती हैं। अब हर फंक्शन के लिए पार्लर जाकर मेकअप कराना तो मुमकिन नहीं होता है। क्योंकि पार्लर में जाकर मेकअप कराने में काफी पैसे खर्च हो जाते हैं। वहीं हर किसी को मेकअप करना नहीं आता है। ज्यादातर लड़कियां कंफ्यूज रहती हैं कि कौन से मेकअप प्रोडक्ट इस्तेमाल करने हैं और क्या पहले अप्लाई किया जाए, जिससे कि उनका मेकअप परफेक्ट नजर आए। ऐसे में अगर आप भी अक्सर पार्टी में जाती रहती हैं और आपको मेकअप करना नहीं आता है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मेकअप के पांच स्टेप्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको आप भी आसानी से कर सकती हैं और इन मेकअप स्टेप्स को आप मिनटों में पूरा करने एकदम पार्लर जैसा ग्लो पा सकती हैं। **प्राइमर बेस:** मेकअप करने के लिए सबसे पहले हमें बेस की जरूरत होती है। जिससे कि स्किन फ्लॉलेस बनी रहे। इसके लिए फेस पर पहले प्राइमर अप्लाई करें। इसको आपको ब्रश या हाथ की मदद से पूरे फेस पर हल्के हाथों से लगाएं।

कंसीलर: आपने नोटिस किया होगा कि मेकअप करने के बाद आंखों और चिन के आसपास डार्कनेस नजर आने लगती है। इस डार्कनेस को हटाने के लिए कंसीलर का इस्तेमाल करें। इसको सिर्फ आपको आंखों के नीचे, चिन और माथे के फ्रंट पर अप्लाई करना है। फिर ब्यूटी ब्लेंडर की मदद से कंसीलर को थपथपाएं।

फाउंडेशन: कंसीलर अप्लाई करने के बाद आपको अपने हाथों पर फाउंडेशन लेकर ब्रश की सहायता से पूरे चेहरे पर लगाना है। फिर ब्यूटी ब्लेंडर की सहायता से आपको फाउंडेशन को पूरे फेस पर अप्लाई करते हुए ईवन करना है।

लूज पाउडर: फाउंडेशन के बाद आपको ब्रश की मदद से पूरे फेस को लूज पाउडर से कवर करना है। इससे आपका फेस और मेकअप बिलकुल एक समान नजर आएगा।

ब्लश: आजकल मार्केट में लिप्स पर लगाने वाले टिंट को भी गालों पर ब्लश की तरह यूज किया जा रहा है। इससे आपके गाल नेचुरली पिंक नजर आते है और फेस पर ग्लो भी आता है। आप इसको ब्लश वाले ब्रश से अप्लाई करें। इन पांच स्टेप्स को पूरा करने के बाद आपका चेहरे का बेस मेकअप तैयार हो चुका है। इसके बाद आप लाइनर, मस्कारा, लिपस्टिक और आई मेकअप आदि अप्लाई करें।

एक बार हाईलाइटर लगाने से पहले जान लें ये जरुरी बातें, तभी खूबसूरत दिखेंगा चेहरा

महिलाओं को सबसे ज्यादा श्रृंगार करना बेहद प्रिय होता है। आजकल तो ब्यूटी को एनहान्स करने के लिए तरह-तरह के मेकअप टिप्स को ट्राई किया जाता है। अगर आपको मेकअप करना पसंद है, तो इस चीज का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। मेकअप ट्रेंड्स में हाईलाइटर आज का जरूरी पार्ट बन चुका है। इसके बिना फेस भी डल नजर आता है। हाईलाइटर आपके फेस के खास हिस्सों पर चमक बढ़ाता है। जिससे सुंदरता में भी निखार आता है। हालांकि, कुछ लड़कियां हाईलाइटर का गलत इस्तेमाल करती है। जिस वजह से चेहरे की शाइन चली जाती है। अगर आप भी चेहरे की एक्स्ट्रा चमक चाहते हैं, तो इस तरह से चेहरे पर हाईलाइटर का प्रयोग करें। **फ्लैट ब्रश चुनने की गलती ना करें:** जब भी आप हाईलाइटर अप्लाई करें तो कभी भी फ्लैट ब्रश का इस्तेमाल ना करें। फ्लैट डिजाइन वाले हाईलाइटर का प्रयोग करनी की गलती ना करें। ध्यान रहे कि हाईलाइटर लगाने के लिए फ्लपी बिग आईशैडो

ब्रश का इस्तेमाल करें। **ब्रश पकड़ने का तरीका:** अक्सर कुछ लड़कियों को हाईलाइटर ब्रश को गलत तरीके से पकड़ते हैं। हाइलाइटर को स्मूद फिनिश के साथ लगाना है तो हमेशा ब्रश को सही एंगल से पकड़ना जरूरी है। ब्रश को हमेशा सेंटर से पकड़ें, जिससे सही एंगल में हाईलाइटर लगाया जाए।

चिकबोन पर लगाएं: जब भी आप हाईलाइटर लगाएं तो गाल के सही हिस्से को चुनें। आंख के नीचे और गालों के ऊपर जिस जगह पर हड्डी होती है, उसे ही चिकबोन बोलते हैं। सबसे पहले आप ब्रश पर हाईलाइटर को हल्का झटक दें फिर सर्कुलर मोशन में लगाएं। ऐसा करने से आपका फेस नेचुरल ग्लो जैसा दिखेगा। **बड़े फोरहेड पर हाईलाइटर कैसे लगाएं:** यदि आपका फेस में फोरहेड़ बड़ा है तो हमेशा फोरहेड के दोनों साइड पर घुमाते हुए हाईलाइटर लगाते हैं। यदि आपका फोरहेड छोटा है तो सेंटर में लगाना चाहिए। **पूरी नाक पर हाईलाइटर कभी ना लगाएं:** इस बात का विशेष ध्यान रखें कि कभी भी हाईलाइटर को पूरी नाक पर ना लगाएं। अगर आपको नेचुरली शाइन जैसा हाईलाइटर का ग्लो चाहिए, तो नाक की टिप और थोड़ा-सा नाक के स्टार्टिंग प्वाइंट यानी दोनों आंख के बीच में नाक पर लगाएं। इसके अलावा, थोड़ा-सा हाईलाइटर चिन पर लगाना चाहिए। इस तरीके से आप फेस पर हाईलाइटर लगाएंगी तो यह ग्लोइंग इफेक्ट देगा।

भुने चने छिलके सहित खाना फायदेमंद या नुकसानदायक? जानिए विशेषज्ञ की राय

भुना चना एक ऐसा स्नैक है जिसे लोग सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन और कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को स्वस्थ और ऊर्जावान बनाए रखते हैं। अक्सर स्वाद के कारण हम इसे ज्यादा मात्रा में खा लेते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि भुने चने को उसके छिलके के साथ खाना सही है या नहीं? आइए जानते हैं कि छिलके सहित भुने चने खाने से सेहत पर क्या प्रभाव पड़ता है।

भुने चने छिलके सहित क्यों खाने चाहिए: स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, भुने चनों का सेवन हमेशा उनके छिलके के साथ करना ज्यादा फायदेमंद होता है। छिलके में मौजूद पोषक तत्व शरीर को कई तरह से लाभ पहुंचाते हैं। आइए जानते हैं इसके मुख्य फायदे।

पाचन तंत्र को मिलती है मजबूती: अगर आपको पाचन से जुड़ी दिक्कतें रहती हैं, तो छिलके समेत भुने चने खाना फायदेमंद हो सकता है। इसमें भरपूर फाइबर होता है, जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करता है। **नर्वस सिस्टम रहता है संतुलित:** छिलके सहित भुने चने खाने से नर्वस सिस्टम को भी लाभ मिलता है। इसमें राइबोफ्लेविन, नियासिन, थायमिन, फोलेट और विटामिन-बी कॉम्प्लेक्स अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं, जो नर्वस सिस्टम को संतुलित रखने में सहायक होते हैं। **एनर्जी बढ़ाने में सहायक:** अगर आपको अक्सर थकान या कमजोरी महसूस होती है, तो छिलके सहित भुने चने का सेवन लाभकारी हो सकता है। यह शरीर को तुरंत ऊर्जा देता है और दिनभर एक्टिव बने रहने में मदद करता है। **हीमोग्लोबिन बढ़ाने में मददगार:** भुने चनों में प्रोटीन के साथ-साथ आयरन और अन्य जरूरी पोषक तत्व भरपूर होते हैं। इनके नियमित सेवन से शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ सकता है, जिससे खून की कमी दूर करने में सहायता मिलती है। **दिल की सेहत के लिए फायदेमंद:** छिलके सहित भुने चने खाने से दिल को भी लाभ होता है। यह हार्ट हेल्थ को बेहतर बनाए रखने में मदद करता है और दिल से जुड़ी कई समस्याओं के जोखिम को कम कर सकता है।

महिलाओं में क्यों होता है सर्वाइकल कैंसर का अधिक जोखिम, इन लक्षणों को न करें अनदेखा

महिलाओं को होने वाले कैंसर में सर्वाइकल कैंसर का जोखिम भी शामिल किया जाता है। महिलाओं के प्रजनन अंग को यह कैंसर प्रभावित कर सकता है। वहीं सर्वाइकल कैंसर के मामलों में हर साल तेजी से बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। महिलाओं को पीरियड्स, मासिक धर्म और प्रजनन स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के किसी भी संकेत को अनदेखा करने की गलती नहीं करनी चाहिए। वहीं समय के साथ ही कैंसर के लक्षण अधिक गंभीर हो सकते हैं। अन्य कैंसरों की तरह सर्वाइकल कैंसर भी महिलाओं के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। आज हम आपको सर्वाइकल कैंसर के जोखिम कारकों के बारे में बताने जा रहे हैं। **महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के जोखिम कारक:** महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा की कोशिकाएं सर्वाइकल कैंसर में अनियंत्रित हो रूप से बढ़ने लगती है। डॉक्टर के मुताबिक जिस भी अंग में कोशिकाओं के जीन में बदलाव होता है, उसी अंग के नाम से कैंसर पहचाना जाता है। हांलाकि इस दौरान महिलाओं को कई तरह के लक्षण महसूस हो सकते हैं। आपको बता दें कि वजाइना के निचले भाग से सर्वाइकल कैंसर शुरु होता है और यह ऊपरी वजाइना तक फैल सकता है। गर्भाशय के सबसे नीचे हिस्से का घातक ट्यूमर होता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि सर्वाइकल कैंसर से जोखिम कारक क्या हो सकता है।

कमजोर इम्यूनिटी: कुछ महिलाओं की इम्यूनिटी कमजोर होती है। उनको कैंसर होने की संभावना अधिक होती है। वहीं जो महिलाएं इम्यूनोसप्रेसिव थेरेपी कराती हैं। उनको भी सर्वाइकल कैंसर का खतरा ज्यादा होता है। कमजोर इम्यूनिटी वाली महिलाओं को डाइट में पोषक तत्वों को शामिल करना चाहिए। इसके साथ ही रोजाना व्यायाम भी करना चाहिए। रोजाना व्यायाम करने से

गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का खतरा अधिक होता है। **एचपीवी संक्रमण:** एचपीवी इंफेक्शन सर्वाइकल कैंसर का एक मुख्य जोखिम कारक हो सकता है। वहीं, एचपीवी के कुछ प्रकार विशेष रूप जैसे एचपीवी 16 और एचपीवी 18 सर्वाइकल कैंसर से जुड़े होते हैं। एचपीवी एक यौन संचारित संक्रमण है। इससे बचने के लिए सुरक्षित यौन संबंध और एचपीवी वैक्सीन लेनी चाहिए। **धूम्रपान:** जो महिलाएं नियमित रूप से सिगरेट का सेवन करती हैं, उनको सर्वाइकल कैंसर का जोखिम ज्यादा होता है। क्योंकि सिगरेट के तंबाकू और धुएं के कैमिकल के गर्भाशय ग्रीवा की कोशिकाएं डैमेज होने का खतरा अधिक हो सकता है। साथ ही एचपीवी इंफेक्शन होने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं जो महिलाएं सिगरेट का सेवन नहीं करती हैं, उनको सर्वाइकल कैंसर का जोखिम कम रहता है। **नियमित रूप से चेकअप न कराना:** सर्वाइकल कैंसर की जांच के लिए महिलाओं को नियमित रूप से पैप टेस्ट या एचपीवी टेस्ट कराना चाहिए। इससे प्रजनन अंगों से जुड़े कैंसर का खतरा कम होता है। वहीं नियमित जांच के चलते कैंसर की समय रहते पहचान भी की जा सकती है। जिससे इसके इलाज में आसानी होती है। **एचपीवी वैक्सीन:** आपको बता दें कि एचपीवी वैक्सीन न लगावाने वाली महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर का जोखिम सबसे ज्यादा होता है। महिलाओं को गर्भाशय से जुड़ी समस्याओं व इंफेक्शन से बचने के लिए एचपीवी वैक्सीन लगानी चाहिए। इस समस्या से बचने के लिए महिलाएं स्त्री रोग विशेषज्ञ से परामर्श कर सकती हैं। महिलाओं को प्रजनन अंग से जुड़े रोगों से अपना बचाव करने के लिए जागरुक होने की जरूरत होती है। सर्वाइकल कैंसर और अन्य कैंसर के जोखिम से बचने के लिए लाइफस्टाइल और डाइट में जरूरी बदलाव करना चाहिए। वहीं पीरियड से जुड़ी किसी भी तरह की समस्या का सामना करने पर फौरन डॉक्टर से जांच करवानी चाहिए।

एक्टर कभी फ्लॉप नही होता : सुनील दत्त

फिल्म नागिन की शूटिंग में जब सुनील दत्त से मेरी मुलाकात हुई तो उनके पीछे पूरी फौज लगी हुई थी। इनमें से कुछ उनकी फिल्मों के निर्माता थे जो डेटें लेने आए थे। कुछ चमचे थे जो खुद को दत्त साहब का चमचा हूं मैं कहलाने में गर्व का अनुभव करते हैं। चमचों और भीड़ के इस जंगल से होता हुआ मैं दत्त साहब के पास पहुंचा तो वे देखते ही उठ खड़े हुए और हाथ मिलाकर बोले, आजकल जर्नलिस्टस ज्यादातर यही काम कर रहे हैं। बीवी से हसबैंड की बातें पूछते हैं और हसबैंड से बीवी की, इस समय आपके पास करीब 50 फिल्में है आप इतनी सारी फिल्में कैसे मैनेज करते हैं ? सुनील दत्त मुस्कुरा कर खूबसूरत और प्यारा झूठ बोलने में अपना अंदाज रखते हैं। ऐसा अंदाज जो झूठ को सच में बदल देता है। आदमी के तौर पर फिल्म संसार में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जो दत्त साहब को प्यार न करता हो। अभिनेता के रूप में सुनील दत्त जितने सुंदर व्यक्ति हैं उतने ही व्यक्तिगत जीवन में भी यही कारण था कि वे जिस सीढ़ी से कुछ समय के लिए नीचे गए थे, उसी से फिर ऊपर आ गए।दरअसल एक्टर कभी फ्लॉप नही होता। एक्टिंग एक कला है और कला के लिए कोई भी निश्चित मुकाम तय नही किया जा सकता। कला कभी फ्लॉप होने से स्टार फ्लॉप नही होते। चाहे वह शम्मी कपूर हो, राजेन्द्र कुमार हो या सुनील दत्त हो। निस्संदेह डायरेक्टर की जिम्मेदारियां एक्टर से कहीं ज्यादा है। सारी यूनिट को संभालना एक डायरेक्टर के लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी का काम है। इससे भी बड़ी जिम्मेदारी यह है कि निर्माता की हिदायत के अनुसार उसे ऐसी फिल्म बनानी होती है जिसे वितरक देखते ही खरीद लें जो दर्शकों को पसंद आए जहां तक मेरा जातीय संबंध है मुझे कठिनाई तो महसूस नही होती, हां, मजा जरूर आता है। इसकी वजह यह है कि एक्टिंग मेरा प्रोफेशन है लेकिन डायरेक्शन मेरा शौक डायरेक्टर के तौर पर मैंने यादें बनाई थी जिसकी तारीफें खूब हुई लेकिन फिल्म जैसी चलनी चाहिए थी नही चली फिर मैं यानि डायरेक्टर कैसे चलता। इसीलिए मैंने फिर एक बार शौंक छोड़कर प्रोफेशन पर ज्यादा ध्यान देना शुरू किया। अब मैं डाकू और जवान का निर्देशन कर रहा हूं। इसी बीच सुनील दत्त का फोन आ गया। वे फोन सुनने चले गए। उनके इंतजार में खड़ी भीड़ मुझे घूर घूर कर देखने लगी। दो या तीन मिनट के बाद दत्त जी वापिस आ गए। आकर बैठे ही थे कि निर्माता-निर्देशक राजकुमार कोहली का सहायक आ गया। शॉट रेडी है चलिए सहायक ने कहा। आइये, आप भी सेट पर चलिए। सुनील दत्त ने मुझसे कहा। हम दत्त जी के मेकअप रूम से निकलकर सेट पर पहुंच गए। सेट पर रेखा मौजूद थी। सुनील जी ने देखते ही रेखा से हैलो कहा हैलो के जवाब में रेखा ने एक मदभरी मुस्कुराहट होंठो पर फैला दी। शॉट हो जाने के बाद रेखा और सुनील दत्त के कुछ रंगीन फोटो लिए गए जो करीब करीब रोमांटिक थे फोटो खिंच जाने के बाद रेखा अपने मेकअप रूप की ओर चली गई। सुनील जी अपनी कुर्सी पर बैठ गए। डेटें लेने वाले निर्माता और उनके आदमी फिर दत्त जी की कुर्सी को घेरकर खड़े हो गए। सुनील जी ने जल्दी जल्दी तीन चार को निपटाया। हां, कल रात मैं आखिरी गोली की शूटिंग कर रहा था। आज शाम को बैंगलोर जाना है। वहां मैं अपनी फिल्म नेहले पर देहला की शूटिंग कर रहा हूं यह करीब-करीब पूरी है। थोड़ा-सा काम बाकी रह गया है। सुनील दत्त ने एक जोरदार ठहाका लगाया और बोले ऐसे सवाल सुनकर मुझे बड़ा मजा आता है कि अखबार वाले या दूसरे कुछ कम दिमाग लोग मुझे अब भी रोमांस के काबिल समझते हैं इसका मतलब तो यह है कि मैं अब भी फिल्मों में रोमांटिक हीरो बन सकता हूं, आपकी इंफॉर्मेशन के लिए मैं बता रहा हूं कि रीना से मेरे ताल्लुक वैसे कतई नही जैसे लोग सोच रहे हैं अब कोई जबरदस्ती मेरा उसके साथ रोमांस करवाने लगे तो भी मुझे कोई ऐतराज नही सुनील जी ने बड़े अनोखे अंदाज के साथ बताया, अब तो मैंने रीना रॉय की बहन बरखा को डायरेक्शन में अपनी असिस्टेंट भी बना लिया है जानते है क्यों? इसलिए कि देखें दुश्मन इस पर क्या बकते हैं और यह कह कर सुनील जी ने मुझसे हाथ मिलाया और मुझे जीने दो जरनैल सिंह वाले अंदाज में एबाउटर्न मारा और सेट पर चले गए। क्योंकि आदमी मेहनत से ही नाम कमाता है जैसे सुनील दत्त आज रात दिन मेहनत करके नाम कमा रहे हैं।

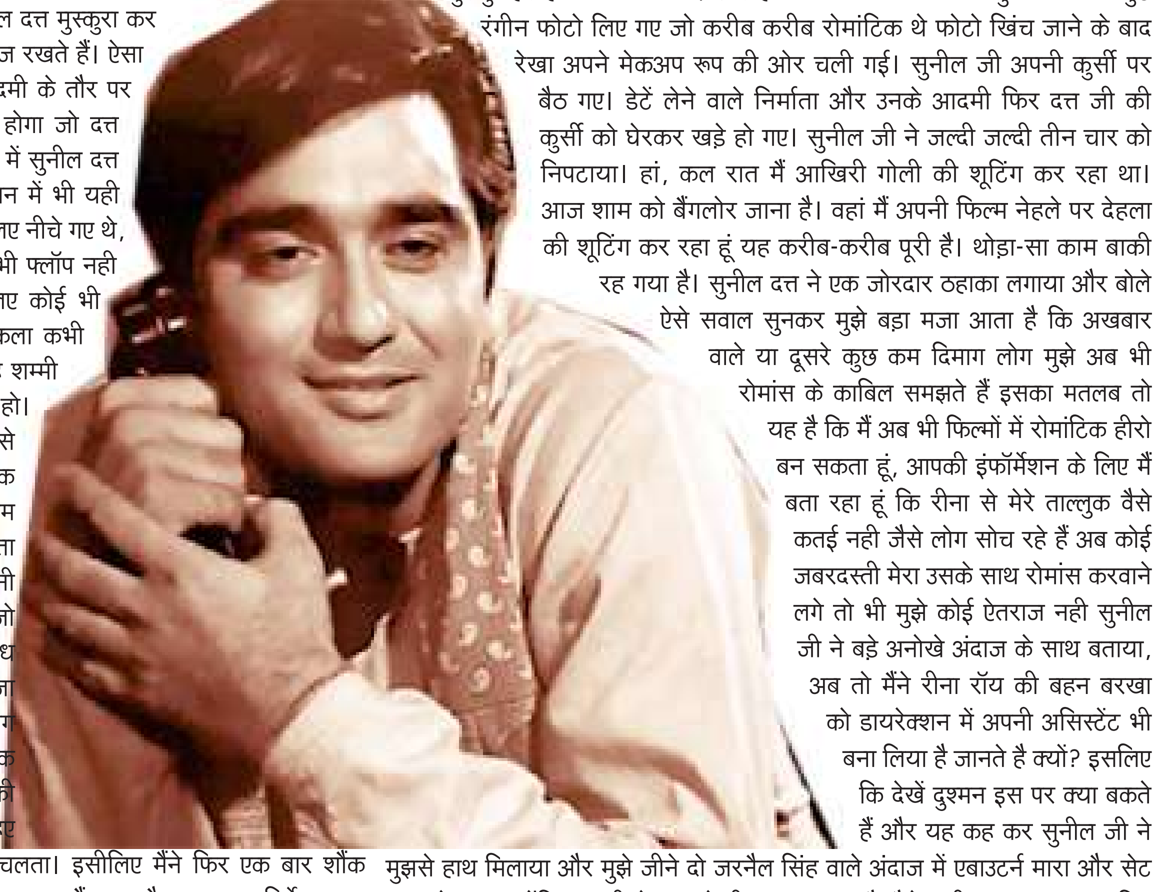

पर्दे के पीछेः अमिताभ बच्चन शशिकपूर छोटे भाई बड़े भाई

मुम्बई। अमिताभ बच्चन और शशि कपूर की एक साथ दो फिल्में रोटी कपड़ा और मकान और दीवार क्या हिट हुई हैं अब कई निर्माताओं ने उन्हें साथ-साथ साइन किया है और फिर हमारी इंडस्ट्री में शशि कपूर और संजीव कुमार ही ऐसे अभिनेता है जो दूसरे हीरो के रूप में आने को तैयार है और उनकी पॉजीशन में कोई फर्क नही पड़ता बल्कि यह कहना चाहिए जी मल्टी-स्टार पिक्चरें बनना शुरू हुई है, उसका श्रेय किसी हद तक शशि कपूर को ही जाता है क्योंकि सबसे पहले उन्होंने ही दूसरे हीरो के रूप में आना स्वीकार किया था। अमिताभ बच्चन के दिल में शशिकपूर के लिए बहुत ही इज्जत है। वैसे तो राजेश खन्ना ने फिल्म आनंद में अमिताभ की बहुत मदद की थी लेकिन अमिताभ की राजेश खन्ना के साथ पटती नही है लेकिन शशिकपूर के बारे में उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया जब वह नये नये थे और शशिकपूर एक बड़े स्टार थे फिर भी शशिकपूर एक बड़े भाई की तरह पेश आते थे। बीच में जब फिल्में बुरी तरह से पिटने लगीं तो घबरा कर मैंने दो-तीन उल्टी-सीधी पिक्चरें पकड़ने की कोशिश की तो शशि ने एक दम से रोक दिया और समझाया कि इस तरह मैं सिर्फ घटिया फिल्मों के लिए ही रह जाऊंगा। मुझे संयम से काम लेना चाहिए, फिल्म बॉम्बे टॉकी में पैसे की खातिर एक छोटा - सा रोल करना मंजूर कर लिया जब शशिकपूर सेट पर आए और मुझे देखा तो वह हैरान-से रह गए। शशि कपूर बड़ी दुखी हुआ। वह मुझे एक कोने में ले गया और समझाने लगा। मैंने उसकी बातों पर अमल किया। जिसका नतीजा अच्छा ही निकला। जब बॉम्बे टॉकी रिलीज होने का समय आया तो मैं स्टार बन चुका था। मेरा छोटा सा रोल मेरी प्रसिद्धि को जरूर धक्का पहुंचाता।

जब अक्षय ने तोड़ दिया शिल्पा शेट्टी का दिल...

आज शिल्पा शेट्टी ने बॉलीवुड में 25 साल पूरे कर लिए है इसके साथ ही वो आज अपना 43वां जन्मदिन भी मना रही हैं.. आज उनके जन्मदिन के मौके पर हम आपको उनसे जुड़ी कुछ अनसुनी कहानी बताएंगे। आज से ही शिल्पा शेट्टी ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। उस वक्त किसी को क्या पता था कि शाहरुख खान के साथ डेब्यू करने वाली यह हीरोइन अपने ठुमकों से एक दिन यूपी और बिहार ही लूट लेंगी। फिल्मों में एंट्री करने से पहले शिल्पा मॉडलिंग करती थीं। साल 1991 में उन्होंने लिम्मा का एडवरटाइजमेंट किया था जिसके बाद उनके पास विज्ञापनों की लाइन लग गई। इसी बजह से पहली बार उन्होंने 'बाजीगर' फिल्म में बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया। जबरदस्त एक्टिंग, फिगर और सेक्सी लुक के साथ-साथ अपने अफेयर की वजह से भी शिल्पा का नाम बॉलीवुड में काफी फेमस है। रील लाइफ का प्यार को रियल लाइफ में 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' फिल्म से शुरू हुआ था। शिल्पा शेट्टी और अक्षय कुमार एक-दूसरे को डेट कर रहै थे। और इन दोनों को इसके बाद कई फिल्मों में साथ देखा गया। शिल्पा और अक्षय दोनों के बीच लव-अफेयर काफी समय तक नही चला। फिल्म 'धड़कन' रिलीज होने के साथ ही दोनों के बीच रिलेशनशिप भी खत्म हो गया। अक्षय से अपने रिलेशन खत्म होने पर शिल्पा ने अक्षय पर धोखा देने का आरोप लगाया। शिल्पा ने कहा कि जब आप किसी दूसरे से प्यार करते हैं लेकिन जब पता चलता है कि वह आपसे प्यार का नाटक कर रहा है तो कोई भी इसको खत्म करेगा। एक इंटरव्यू के दौरान शिल्पा ने अपने ब्रेकअप की बात करते हुए कहा था कि 'मेरी जिंदगी का वह समय काफी खराब था। चीजें प्रोफेशनली तौर पर ठीक चल रही हैं और धीरे-धीरे पर्सनल लाइफ भी ठीक हो जाएगी।' साल 2009 में बिजनेसमैन राज कुंद्रा से शादी के बाद भले ही वो फिल्मों में ना के बराबर नजर आती हों पर अपनी फिटनेस को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। दिलचस्प बात तो यह है कि शिल्पा खाने की बहुत शौकीन हैं जैसा कि उन्हें देखकर बिलकुल नहीं लगता।

इंटरनेट पर छाई भोजपुरी अभिनेत्री मोनालीसा की नेट की साड़ी

मुम्बई। भोजपुरी की सूपरस्टार अन्तरा विश्वास उर्फ मोनालिसा सोशल मीडिया की हॉट टॉपिक हैं। हाल ही में मोनालिसा ने सोशल मीडिया पर नेट की साड़ी में अपने नए लुक की फोटो शेयर की है। जो उनके फैंस के बीच खूब सुर्खियां बटोर रही है। माना जा रहा है कि तस्वीरें कॉमेडी वेब सीरीज 'दुपुर ठाकुरपो' के सेट से वायरल हुई हैं। मोनालिसा इन दिनों बंगाली वेब सीरीज 'दुपुर ठाकुरपो' की शूटिंग में बिजी हैं। बता दें कि ये इस सीरीज का दूसरा सीजन है। मोनालिसा इसमें 'झुमा भाभी' के किरदार में नजर आने वाली हैं। मोना ने शूटिंग के दौरान की कई फोटोज अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं। अपने झुमा भाभी के किरदार को भी उन्होंने सोशल मीडिया पर डाल दिया है। बंगाली झुमा भाभी देखने में काफी हॉट लग रही हैं। मोनालिसा का यह हॉट और सेक्सी लुक काफी वायरल हो रहा है। मोनालिसा की सीरीज का एक सॉन्ग पहले ही रिलीज हो चुका है, जिसे उन्होनें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया था। इस वीडियो में मोना काफी बोल्ड स्टेप्स करते हुए नजर आ रही हैं। मोना का यह बोल्ड लुक देखकर आप भी उनकी वेब सीरीज देखने के लिए बेताब हो जाएंगे। बता दें कि उनकी यह वेब सीरीज 15 जून से शुरू हो रही है। नजर आ चुकी मोनालिसा ने अपने लुक्स और मनवीर गुज्जर और मनु पंजाबी के साथ अपनी दोस्ती को लेकर काफी सुर्खियां बटोरी थीं। उन्होंने अपने प्रेमी से भी घर के अंदर ही शादी की थी, जिसके बाद वह काफी फेमस हो गई थीं।

ऐश्वर्या को कहा आंटी, आलिया के फैशन सेंस पर किया कमेंट

नई दिल्ली। सुपरस्टार अनिल कपूर की बेटी और बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर ने आज से 13 साल पहले बॉलीवुड में कदम रखा था। सोनम को फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा बने लगभग एक दशक से भी ज्यादा का वक्त बीच चुका हैं। इस दौरान सोनम कपूर उम्मीद के हिसाब से अपने पिता की तरह दमदार अभिनय तो नहीं कर सकीं लेकिन उन्होंने बतौर लीड एक्ट्रेस के तौर पर अपने आप को इंडस्ट्री में साबित किया। नीरजा, प्रेम रतन धन पायो, एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा जैसी फिल्मों में सोनम कपूर ने अच्छा काम किया था। अपने दम पर सोनम फिल्म तो नहीं चला सकी लेकिन अपने बयानों के चक्कर में कई बार लोगों के गुस्से का शिकार जरूर हो चुकीं हैं। सोनम कपूर का जन्म 9 जून 1985 को मुंबई में हुआ था। सोनम कपूर 35 साल की हो गयी हैं। अपने एक दशक के फिल्म करियर में उन्होंने फिल्में तो कम हिट की लेकिन अपने बयानों की वजह से वह काफी हिट हुई। उन्के जन्म दिन पर आइये आज हम आपको बताते हैं उनके तरफ से दिए गये विवादित बयानों के बारे में। **ऐश्वर्या राय का कहा अंटीः** सोनम कपूर ने मीडिया से बातचीत के दौरान ऐश्वर्या राय को अंटी कह दिया था। दरअसल दोनों की 2010 से ही कैट फाइट चल रही थी। उस दौरान एक ब्रांड के प्रमोशन के दौरान दोनों का आमना सामना हुआ था। इस ब्रांड को ऐश्वर्या प्रमोट करती थी। इस ब्रांड के एक प्रोडक्ट के प्रमोशन के लिए सोनम कपूर का चुना गया था। सोनम कपूर ब्रांड के माध्यम से कान फिल्म फैस्टिवल में जाने का सपना देखने लग गयी थी लेकिन ऐश्वार्या राय के कारण उनका ये सपना टूट गया। अब सोमन कपूर ने इसी गुस्से में ऐश्वर्या को ऐश्वर्या आंटी कहकर बुलाया। हालाकि सोनम कपूर ने बाद में अपनी सफाई में कहा कि ऐश्वर्या मेरे पापा के साथ काम कर चुकी हैं इस लिए मैं उन्हें आंटी कर रही हूं। **कैटरीना कैफ से फाइटः** एक बार कान फिल्म फैस्टिवल में सोनम कपूर से ये सवाल किया गया कि कैटरीना भारत से नहीं हैं और उन्हें हिन्दी भी नहीं आती तब भी वह बॉलीवुड में हिट हैं लेकिन सोनम आप फिल्मी परिवार से हो तब भी बॉलीवुड में अपनी पहचान नहीं बना सकी। सोनम कपूर इस सवाल से आग बबूला हो गयी और इस पर उन्होंने कैटरीना कैफ को ही खरी-खरी सुना दी। उन्होंने कहा कि कैटरीना का उनके इस टैलेंट के लिए मैं उन्हें फूलों का गुलदस्ता देना चाहूंगी। क्योंकि एक फिल्म में उनके डायलॉग ज्यादा नहीं होते हैं और फिल्म हिट हो जाती हैं तो उन्हें शर्म आनी चाहिए कि फिल्म उनकी वजह से नहीं हिट हुई। **आलिया तो उम्र के हिसाब से कपड़े पहनने चाहिएः** करण जौहर के शो कॉफी विद करण में सोनम कपूर ने आलिया भट्ट और परिणीति चोपड़ा के ड्रेसिंग सेंस को लेकर कमेंट किया था। सोनम कपूर अपने फैशन सेंस के लिए काफी मशहूर हैं। फैशन के ओवर कॉन्फीडेंस में उन्होंने आलिया भट्ट के लिए कहा कि उन्हें अपनी उम्र के हिसाब से कपड़े पहनने चाहिए और परिणीति चोपड़ा के बारे में कहा कि उनका फीगर जिस तरह का हैं उन्हें ज्यादा टाइट कपड़े नहीं पहनने चाहिए। सोनम कपूर की ये राय आलिया और परिणीति के फैंस को अच्छी नहीं लगी और उन्होंने सोनम को ट्रोल करना शुरूकर दिया।

स्कीन-केयर जायंट गजल कोठारी ने लीफओबेरी की नई रेंज लांच की

मुम्बई। लीफओबेरी के संस्थापक और उद्यमी गजल कोठारी, जिन्हें स्किन-केयर जायंट के रूप में जाना जाता है, ने मुंबई में अपने प्रोडक्ट्स की नई सीरीज लांच की हैं, और मुनीरा कुदरती और उत्कर्ष गुप्ता जैसी मशहूर हस्तियों ने ग़ज़ल की प्रशंशा के पुल बांधे! कामकाजी और गृहणी की सभी स्किन जरूरतों को पूरा करते हुए, ग़ज़ल ने 7 नए प्रोडक्ट्स लॉन्च किए हैं, जैसे कि सनलेस बनीज सीरम, टाइमलेस स्किनकेयर सीरम, द आई केयर सीरम, साइट्रस ब्लास्ट सीरम, एक्नो फेस क्लींजर, लुशियस फेस क्लींजर और बटर -मी-अप बॉडी बटर, आपकी त्वचा की सभी जरूरतों के लिए एक लीफओबेरी बास्केट! अपनी नई लाइन के बारे में बात करते हुए, गजल ने कहा, 'हम कड़े नियमो का पालन करते हैं, हमारे उत्पाद कठोर जांच बिंदुओं से गुजरते हैं, सही सोच, अनुसंधान, सूत्रीकरण और परीक्षण से गुजरने के बाद प्रोडक्ट्स बाजार में उतारे जाते है। स्किन-केयर पूरी तरह से भरोसे पर आधारित बिज़नेस है, जो सबसे बड़ा महत्वपूर्ण कारक है, हमारे ग्राहक हमारी प्राथमिकता हैं, और हम हर-एक प्रोड्कट को कई चेक-पॉइंट पर परखते हैं। हम गुणवत्ता, स्थिरता और नैतिक अभ्यास का पालन करते हैं, जो हमारी मुख्य ताकत हैं।

नेशनल टीवी पर स्टाइलिस्ट रिद्धिमा शर्मा की गुहार

तान्या मित्तल से बकाया भुगतान और सामान की वापसी का इंतज़ार!

मुम्बई। तान्या मित्तल आजकल ऑनलाइन बातचीत का हॉट टॉपिक बनी हुई हैं। उन्होंने शो में कई लोगों का दिल जीता और शो में चौथा स्थान हासिल किया। कुछ समय पहले ही उनकी स्टाइलिस्ट रिद्धिमा शर्मा ने बताया था कि इन्फ्लुएंसर ने उनके पैसे नहीं चुकाए हैं। स्टाइलिस्ट ने ऑनलाइन बताया कि उन्हें पेमेंट नहीं मिली है, और सेलिब्रिटी ने कई आउटफिट्स वापस नहीं किए हैं। अब, रिद्धिमा शर्मा ने खुलासा किया है कि यह समस्या अभी भी हल नहीं हुई है।

स्टाइलिस्ट ने इस मुश्किल के बारे में खुलकर बात की है, और बताया है कि इसका उन पर भावनात्मक और पेशेवर रूप से क्या असर पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनके पेमेंट का कुछ हिस्सा अभी भी बाकी है और कई आउटफिट्स अभी भी तान्या की टीम के पास हैं। उन्होंने हिंदुस्तान टाइम्स को बताया, 'यह मेरे लिए बहुत मुश्किल था क्योंकि मैं कभी ऐसी स्थिति में नहीं रही, खासकर किसी ऐसे व्यक्ति के साथ जो नेशनल टेलीविज़न पर हो।'

उन्होंने बताया, 'जब आप सेलिब्रिटीज़ के साथ काम करते हैं, तो आप कभी ऐसी स्थितियों की उम्मीद नहीं करते, लेकिन मुझे लगता है कि मुझे एक रियलिटी चेक की ज़रूरत थी, और मुझे वह मिल गया,' उन्होंने बताया कि इस घटना का उन पर किस तरह का असर पड़ा। इसके अलावा, घटना के बारे में और जानकारी देते हुए, रिद्धिमा ने बताया कि इस पूरे प्रोफेशनल अरेंजमेंट के दौरान उनका प्राइमरी कॉन्टैक्ट तान्या का भाई,

अमृतेश था। उनके अनुसार, उनका कोलैबोरेशन बिना किसी परेशानी के आसानी से चला। हालांकि, जैसे ही शो फिनाले के करीब आया, स्टाइलिस्ट के लिए हालात और खराब हो गए।

रिद्धिमा ने खुलासा किया कि तान्या की टीम ने फिनाले के लिए उन्हें स्टाइल करने के लिए संपर्क किया था, लेकिन उन्हें बताया गया कि उनके ट्रैवल और संबंधित खर्चों को कवर नहीं किया जाएगा। अपनी निराशा व्यक्त करते हुए, उन्होंने कहा कि इस स्थिति के बावजूद उन्हें आउटफिट्स के लिए रिक्वेस्ट मिलती रहीं। रिद्धिमा ने कहा, 'अगर आपको इतनी ज़रूरत थी स्टाइलिस्ट की तो आप मुझे बुला सकते थे जैसे दूसरों ने किया। उन्होंने आगे कहा, 'वे लगातार मुझसे आउटफिट्स मांगते रहे, यहां तक कि फिनाले के अगले दिन जो नीला लहंगा उन्होंने पहना था, वह भी मैंने ही अरेंज किया था।'आखिर में, रिद्धिमा ने बकाया पेमेंट के बारे में भी बात की, और बताया कि तान्या की टीम ने बाद में उनसे एक विज्ञापन शूट के लिए दो और साड़ियां अरेंज करने के लिए कहा। हालांकि, उन्होंने कहा कि जब तक पिछले पेमेंट सेटल नहीं हो जाते, तब तक वह रिक्वेस्ट पर आगे नहीं बढ़ेंगी। उन्होंने उनसे पहले से भेजे गए सभी आउटफिट्स वापस करने को भी कहा। लेकिन बिग बॉस कंटेस्टेंट की टीम के किसी सदस्य ने उनसे कहा, 'साड़ियां नहीं आईं तो पेमेंट भी नहीं मिलेगा।'

रिद्धिमा ने बताया कि इस बातचीत से उन्हें बहुत बुरा लगा। उन्होंने कहा, 'ऐसे कौन बात करता है? मुझे बहुत बुरा लगा कि मैंने इतनी मेहनत की, और मैं पूरे सफर में उसे सपोर्ट कर रही थी, और फिर मेरे साथ ऐसा बर्ताव किया गया।'

अभी स्टाइलिस्ट ने बताया कि उन्हें 50 हज़ार रुपये मिल गए हैं, लेकिन तीन लुक्स का पेमेंट अभी बाकी है। इसके अलावा, आज बताया गया कि 20 आउटफिट्स अभी भी उन्हें वापस नहीं मिले हैं। रिद्धिमा शर्मा अब उस इन्फ्लुएंसर के साथ भविष्य में कोई काम नहीं करना चाहतीं। उन्होंने कहा, 'उन्होंने मुझे भरोसा दिलाया है कि वे इसे जल्द से जल्द सुलझा लेंगे। मुझे उम्मीद है कि यह पूरा हो जाएगा ताकि मैं आगे बढ़ सकूं। अभी मैं अपने दूसरे प्रोजेक्ट्स पर ध्यान देना चाहती हूं, जिसमें एक्ट्रेस संजीदा शेख, मनारा चोपड़ा और अन्य शामिल हैं, साथ ही म्यूजिक वीडियो भी। मैं आगे बढ़ना चाहती हूं और तान्या की टीम से दोबारा मिलना नहीं चाहती।'

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।